RAJHIN/2016/70516

Bhilwara/171/2023-2024

सच्चाई से रूबरू

स्मार्ट हलचल

smarthalchal.com

वर्ष-10 अंक-153 जयपुर, मंगलवार, 02 दिसम्बर 2025 मूल्य-4 रूपये

कंपनियों को मोबाइल में देना होगा साइबर सिक्योरिटी एप, सरकार ने 90 दिन की डेडलाइन दी

'संचार साथी' एप से 7 लाख फोन रिकवर हुए

नई दिल्ली

अब हर नए स्मार्टफोन में साइबर सिक्योरिटी एप 'संचार साथी' प्री-इन्स्टॉल (पहले से डाउनलोड) मिलेगा। केंद्र सरकार ने स्मार्टफोन कंपनियों को आदेश दिया कि वे स्मार्टफोन में सरकारी साइबर सेफ्टी एप को पहले से इंस्टॉल करके बेचें। एपल, सैमसंग, वीवो, ओप्पो और शाओमी जैसी मोबाइल कंपनियों को 90 दिन का समय दिया गया है। इस एप को यूजर्स डिलीट या डिसेबल नहीं कर सकेंगे। पुराने फोन

पर सॉफ्टवेयर अपडेट के जरिए यह एप इन्स्टॉल जाएगा। हालांकि यह आदेश फिलहाल पब्लिक नहीं किया गया है, बल्कि चुनिंदा कंपनियों को निजी तौर पर भेजा गया है। इसका मकसद साइबर फ्रॉड, फर्जी आईएमइआई नंबर और फोन की चोरी को रोकना है। एक सीनियर सरकारी अधिकारी ने कहा, 'यह एप फर्जी आईएमइआई से होने वाले स्कैम और नेटवर्क मिसयूज को रोकने के लिए जरूरी है।'

संचार साथी एप क्या है, कैसे करेगा मदद

संचार साथी एप सरकार का बनाया साइबर सिक्योरिटी टूल है, जो 17 जनवरी 2025 में लॉन्च हुआ था। अभी यह एपल और गूगल प्ले स्टोर पर वॉलंटरी डाउनलोड के लिए उपलब्ध है, लेकिन अब नए फोन पर यह जरूरी होगा। एप यूजर्स को कॉल, मैसेज या व्हाट्सएप चैट रिपोर्ट करने में मदद करेगा। आईएमइआई नंबर चेक करके चोरी या खोए फोन को ब्लॉक करेगा।

कंपनियों पर असर, ऐपल-सैमसंग को दिक्कत हो सकती

इंडस्ट्री सोर्सेज कहते हैं कि पहले से कंसल्टेशन न होने से कंपनियां परेशान हैं। खासकर एपल के लिए मुश्किल है, क्योंकि कंपनी की पॉलिसी में गवर्नमेंट या थर्ड-पार्टी एप प्री-इंस्टॉलेशन पर पाबंदी है।

पहले भी एपल का एंटी-स्पैम एप पर रेगुलेटर से टकराव हुआ था। इंडस्ट्री एक्सपर्ट्स का मानना है कि एपल सरकार से नेगोशिएशन कर सकती है। एपल यूजर्स को वॉलंटरी प्रॉम्प्ट देने का सुझाव भी दे सकता है। हालांकि, अभी तक किसी भी कंपनी ने आदेश के बारे में कोई कमेंट नहीं किया है।

यूजर्स की सीधा फायदा मिलेगा

यूजर्स को सीधा फायदा मिलेगा। चोरी का फोन होने पर आईएमआई चेक करके तुरंत ब्लॉक कर सकेंगे। फ्रॉड कॉल रिपोर्ट करने से स्कैम कम होंगे, लेकिन एप डिलीट न होने से प्राइवेसी ग्रुप्स सवाल उठा सकते हैं। यूजर कंट्रोल कम होगा। भविष्य में एप और फीचर्स जुड़ सकते हैं, जैसे बेहतर ट्रैकिंग या एआई बेस्ड फ्रॉड डिटेक्शन। डीओटी का कहना है कि यह टेलीकॉम सिक्योरिटी को नेक्स्ट लेवल पर ले जाएगा।

डुप्लीकेट आईएमइआई नंबर से बढ़ रहा साइबर क्राइम

भारत में 1.2 अरब से ज्यादा मोबाइल यूजर्स हैं, जो दुनिया का सबसे बड़ा मार्केट है, लेकिन फर्जी या डुप्लीकेट आईएमइआई नंबर की वजह से साइबर क्राइम बढ़ रहा है। आईएमइआई एक 15 डिजिट का यूनिक कोड होता है, जो फोन की पहचान करता है। अपराधी इसे क्लोन करके चोरी के फोन को ट्रैक से बचाते हैं, स्कैम करते हैं या ब्लैक मार्केट में बेचते हैं। सरकार का कहना है कि यह एप पुलिस को डिवाइस ट्रेस करने में मदद करेगा। सितंबर में छश्र' ने बताया था कि 22.76 लाख डिवाइस ट्रेस हो चुके हैं।

भारत में इमरान की बहन के इंटरव्यू से पाकिस्तान नाराज

पाक सूचना मंत्री बोले- देश की बुराई करने पर शर्म आनी चाहिए, मोदी को बुरा कहना था

इस्लामाबाद

पाकिस्तान के सूचना मंत्री अताउल्लाह तरार ने इमरान खान की बहन नोरीन खान नियाजी के भारतीय मीडिया को दिए इंटरव्यूज पर नाराजगी जताई है। तरार ने कहा कि नोरीन ने पाकिस्तान की छवि खराब की है, देश की बुराई करने वालों को शर्म आनी चाहिए। उन्होंने कहा कि नोरीन ने भारत से जुड़े किसी मुद्दे जैसे कश्मीर या भारत में मुसलमानों की हालत पर कुछ नहीं कहा। तरार ने यह भी पूछा कि नोरीन ने भारतीय चैनल पर जाकर मोदी सरकार की बुराई क्यों नहीं की।

नोरीन ने हाल ही में न्यूज एजेंसी एआई से बात करते हुए पाकिस्तानी सेना चीफ आसिम

मुनीर को तानाशाह बताया था। उन्होंने कहा था कि ट्रम्प ने हमारे देश के तानाशाह असीम मुनीर को अपना बहुत अच्छा दोस्त बताया था। असीम मुनीर अब बड़ी ताकत हैं। हालांकि पाकिस्तान में पहले भी तानाशाह आ चुके हैं और उनका अंजाम अच्छा नहीं हुआ।

तरार के मुताबिक नोरीन ने इंटरव्यू में सिर्फ इतना कहा कि इमरान एक भ्रष्टाचार के मामले में कैदी हैं और उनके साथ जेल में गलत व्यवहार हो रहा है, जबकि उनसे उम्मीद थी कि वे पाकिस्तान के मुद्दों की बात करतीं।

उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि इमरान खान का परिवार और उनकी पार्टी पाकिस्तान के खिलाफ बयान देते हैं। तरार का कहना है कि भारतीय मीडिया जानबूझकर इमरान के परिवार को मंच दे रहा है ताकि पाकिस्तान की छवि खराब हो। तरार ने यह भी दावा किया कि 9 मई 2023 को इमरान की पहली गिरफ्तारी के बाद हुई हिंसा में इमरान की तीनों बहनें शामिल थीं। उनका का कहना है कि वे कोर कमांडर के घर तक गई थीं और वीडियो में भी दिखाई देती हैं। उनके मुताबिक यह भी एक सबूत है।

भारतीय मीडिया में जाने की क्या जरूरत थी

तरार ने नोरीन से पूछा कि उन्हें भारत के टीवी चैनल पर जाकर शिकायत करने की क्या जरूरत थी। उनके मुताबिक, नोरीन ने भारतीय मीडिया को इंटरव्यू सरकार की उपलब्धियों से लोगों का ध्यान हटाने के लिए दिया। यह विवाद ऐसे समय में सामने आया है जब इमरान खान के रिश्तेदारों और पार्टी नेताओं का आरोप है कि अडियाला जेल में बंद इमरान से मिलने नहीं दिया जा रहा है। पिछले हफ्ते उनकी तीन बहनें जेल के बाहर सड़क पर बैठ गई थीं। उनका कहना था कि उन्हें बार-बार मिलने से रोका जा रहा है।

पिछले हफ्ते इमरान की पार्टी पीटीआई की कई महिलाएं, जिनमें उनकी बहनें अलीमा, उजमा और नोरीन शामिल थीं, जेल के बाहर शांतिपूर्वक बैठी थीं। पार्टी का दावा है कि पुलिस ने उन्हें जबरदस्ती उठा लिया।

विराहट कोहली बोले-सिर्फ वनडे खेलूंगा

रांची

रांची में खेले गए पहले वनडे में भारत ने साउथ अफ्रीका को 17 रन से हराकर सीरीज में 1-0 की बढ़त बना ली। इस मैच में विराट कोहली ने 135 रन की शानदार पारी खेलकर टीम को जीत दिलाई। मैच के बाद कोहली ने साफ कहा कि अब उनका पूरा ध्यान सिर्फ वनडे क्रिकेट पर है।

वे पहले ही टी-20 और टेस्ट क्रिकेट से संन्यास ले चुके हैं। हाल की टेस्ट सीरीज में भारत की 0-2 से हार के बाद उनकी टेस्ट टीम में वापसी के कयास लग रहे थे, लेकिन रांची में बेहतरीन प्रदर्शन के बाद कोहली ने इन चर्चाओं को खत्म कर दिया।

कोहली को प्लेयर ऑफ द मैच चुना गया। उनके बयान के बाद जब उनके वर्ल्ड कप खेलने को लेकर सवाल पूछे गए, तो टीम के बल्लेबाजी कोच सितांशु कोटक ने कहा- जब वे इतनी अच्छी फॉर्म में हैं, तो ऐसे सवाल उठाने की जरूरत ही क्या है?

मैं मानसिक रूप से मजबूत- कोहली मैच के बाद विराट कोहली ने कहा कि उनकी तैयारी पूरी तरह मानसिक होती है। उन्होंने बताया कि जब तक शरीर की स्थिति ठीक रहती है और वे मानसिक रूप से शार्प महसूस करते हैं, तब तक उन्हें खुद पर भरोसा रहता है। कोहली ने कहा कि वे मैच से पहले एक दिन का ब्रेक लेते हैं, क्योंकि अब 37 साल की उम्र में रिकवरी के लिए समय की भी जरूरत होती है।

उन्होंने कहा- मुझे पता है कब आराम करना है और कब खेलना है। वे 300 से ज्यादा वनडे खेल चुके हैं। कोहली के मुताबिक, अगर आप गेम के टच में हैं और नेट्स पर एक-दो घंटे बल्लेबाजी कर पा रहे हैं, तो आप जानते हैं कि आप सही स्थिति में हैं।

मुनीर को सेना का सुप्रीम बनाने से बच रहे शहबाज

इस्लामाबाद

पाकिस्तान में फील्ड मार्शल आसिम मुनीर को तीनों सेनाओं का सुप्रीम यानी चीफ ऑफ डिफेंस फोर्सेज बनाने की प्रोसेस अटक गई है। मुनीर को सीडीएफ बनाने के लिए 29 नवंबर तक नोटिफिकेशन जारी होना था, लेकिन पीएम शहबाज शरीफ ने अब तक इस पर साइन नहीं किए हैं। इससे पहले ही शहबाज 26 नवंबर को बहरीन चले गए थे, फिर 27 नवंबर को अनौपचारिक यात्रा पर लंदन रवाना हो गए।

मीडिया रिपोर्ट्स का दावा है कि शहबाज शरीफ ने खुद को इस प्रक्रिया से इसलिए दूर कर लिया है, ताकि उन्हें आसिम मुनीर की नई नियुक्ति वाले आदेश पर साइन न

करने पड़े।

पाकिस्तानी संसद ने 12 नवंबर को सेना की ताकत बढ़ाने वाला 27वां संवैधानिक संशोधन पास किया था। इसके तहत आसिम मुनीर को तीनों सेनाओं का सुपर चीफ यानी सीडीएफ बनाया जाना था। इस पद के मिलते ही उन्हें पाकिस्तान के परमाणु हथियारों की कमान भी मिल जाती यानी वे देश के सबसे ताकतवर शख्स बन जाते। कानूनी विशेषज्ञों के मुताबिक, 27 नवंबर को पुराना पद खत्म होने के साथ ही 28 या 29 नवंबर तक नई नोटिफिकेशन जारी होना जरूरी था। 29 नवंबर 2022 को जनरल आसिम मुनीर को सेना प्रमुख नियुक्त किया गया था। उनका मूल कार्यकाल तीन साल का था, यानी 28 नवंबर 2025 को खत्म हो गया।

पिछले साल ही संसद ने कानून पास करके सेना प्रमुख का कार्यकाल 3 से बढ़ाकर 5 साल कर दिया था। इसलिए कानूनी रूप से उनका पद खतरे में नहीं था। फिर भी संविधान संशोधन के बाद नया नोटिफिकेशन जरूरी था।

संसदीय मर्यादा की लक्ष्मण रेखा का हर हाल में पालन हो, राज्यसभा में राधाकृष्णन की नसीहत

नई दिल्ली

राज्यसभा के नए सभापति सीपी राधाकृष्णन ने सदन के पहले ही दिन साफ कर दिया कि उच्च सदन में मर्यादा और संविधान सर्वोपरि होंगे। उन्होंने अपने उद्घाटन भाषण में कहा कि राज्यसभा केवल बहस की जगह नहीं है, बल्कि यह वह मंच है जहां देश के करोड़ों लोगों की उम्मीदें जुड़ी होती हैं। इसलिए संसदीय व्यवस्था की 'लक्ष्मण रेखा' को हर सदस्य को समझना और उसका पालन करना जरूरी है। उन्होंने स्पष्ट किया कि सभी सदस्य अपनी बात रखेंगे, लेकिन निर्धारित नियमों और संवैधानिक सीमाओं के अंदर ही।

राधाकृष्णन ने कहा कि भारत का संविधान और राज्यसभा की नियम पुस्तिका संसदीय आचरण की 'लक्ष्मण रेखा' को तय करते हैं। उनका कहना था कि सभापति और सदस्य दोनों को ही अपनी जिम्मेदारियों को समझते हुए इस रेखा का पालन करना होगा। उन्होंने भरोसा दिया कि वे हर सदस्य के अधिकारों की रक्षा करेंगे, लेकिन यह तभी संभव है जब वे निर्धारित नियमों के भीतर अपनी बात रखें। उन्होंने सदन को याद दिलाया कि व्यापक एजेंडा और सीमित समय इस सत्र की सबसे बड़ी चुनौती है।

राधाकृष्णन ने कहा कि संसदीय प्रक्रिया में प्रश्नकाल, शून्यकाल और विशेष उल्लेख जैसे प्रावधान यह सुनिश्चित करते हैं कि हर सांसद को अपनी बात रखने और नागरिकों की समस्याएं उठाने का पर्याप्त अवसर मिले। उन्होंने दोहराया कि इन प्रक्रियाओं का सही उपयोग ही लोकतंत्र को मजबूत करता है। उनकी अपील थी कि सभी सदस्य सदन की गरिमा को बनाए रखते हुए इन अवसरों का रचनात्मक उपयोग करें।

नवंबर में यूपीआई से 26.32 लाख करोड़ का लेनदेन

मुंबई

नवंबर महीने में देशभर में यूनिफाइड पेमेंट इंटरफेस के जरिए 2,047 करोड़ ट्रांजैक्शन हुए, जिसमें 26.32 लाख करोड़ रुपए का लेनदेन हुआ। सालाना आधार पर लेनदेन की संख्या 32% बढ़ी है। पिछले साल यानी नवंबर में 1,548 करोड़ ट्रांजैक्शन हुए थे।

वहीं, ट्रांसफर की गई राशि में 22% का इजाफा हुआ है। नवंबर 2024 में 21.55 लाख करोड़ रुपए का लेनदेन हुआ था। नवंबर 2025 में रोजाना औसतन 68.2 करोड़ ट्रांजैक्शन हुए और 87,721 करोड़ राशि ट्रांस्फर की गई।

नवंबर में 1.70 लाख करोड़ का जीएसटी कलेक्शन

अक्टूबर की तुलना में 26 हजार करोड़ घटा

नई दिल्ली

केंद्र सरकार ने आज नवंबर में हुए जीएसटी कलेक्शन के आंकड़े जारी किए हैं। नवंबर में गुड्स एंड सर्विसेज टैक्स से 1.70 लाख करोड़ रुपए जुटाए गए हैं। सालाना आधार पर इसमें 0.7% की बढ़ोतरी हुई है। आंकड़ों के मुताबिक, एक साल पहले यानी नवंबर 2024 में सरकार ने 1.69 लाख करोड़ रुपए जीएसटी कलेक्ट किया था। वहीं पिछले महीन अक्टूबर के मुकाबले नवंबर का कलेक्शन 26 हजार करोड़ रुपए घटा है। अक्टूबर में सालाना 4.6% की बढ़ोतरी के साथ 1.96 लाख करोड़ रुपए जीएसटी वसूला गया था। इससे पहले अप्रैल 2025 में रिकॉर्ड 2.37 लाख करोड़ रुपए और मई में 2.01 लाख करोड़ रुपए जीएसटी के रूप में जुटाए गए थे।

इजराइल ने सुरंग में फंसे 40 हमास लड़ाकों को मारा, 9 महीनों से फंसे थे

इजराइल

इजराइल ने दावा किया है कि उसने सुरंग में फंसे 40 हमास लड़कों को मार दिया है। ये लड़ाके गाजा के दक्षिणी शहर राफा की सुरंगों में मौजूद थे। इजराइली सेना ने रविवार रात बयान जारी कर बताया कि हथियारबंद लड़ाकों को खत्म करने के लिए राफा में मौजूद सुरंगों को नष्ट किया जा रहा है। पिछले हफ्ते

सुरंगों के अंदर 40 से ज्यादा लड़ाके मारे गए हैं। इजराइल इससे पहले भी राफा में कई लड़ाकों को मारने और गिरफ्तार करने का दावा कर चुका है। हालांकि हमास ने इन दावों पर कोई प्रतिक्रिया नहीं दी है। इजराइली मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, राफा की जमीन के नीचे पिछले 9 महीनों से (मार्च से) करीब 200 हमास लड़ाके फंसे हुए हैं। हमास की मांग के बावजूद इजराइल उन्हें बाहर निकलने के लिए रास्ता देने पर तैयार नहीं है। रॉयटर्स ने पिछले महीने अपनी रिपोर्ट में बताया था कि राफा में मौजूद हमास के लड़ाके, जिनसे पिछले 7-8 महीने से संपर्क नहीं हो पाया है, शायद यह भी नहीं जानते कि अब सीजफायर लागू हो चुका है। उनमें से एक ने कहा कि उन लड़ाकों को वहां से निकालना सीजफायर को बनाए रखने के लिए जरूरी है। पिछले महीने 6 नवंबर को इजराइल और हमास के बीच एक समझौते का प्रस्ताव दिया था। इसमें कहा गया था कि हमास के लड़ाकों को सुरक्षित निकलने का रास्ता दिया जाए।

दिल्ली प्रदूषण के लिए सिर्फ किसान जिम्मेदार नहीं

नई दिल्ली

सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार को दिल्ली-एनसीआर में बढ़ रहे वायु प्रदूषण पर केंद्र सरकार और संबंधित एजेंसियों को फटकार लगाई। अदालत ने वायु प्रदूषण के लिए सिर्फ किसानों को जिम्मेदार ठहराने पर आपत्ति जताई।

सुप्रीम कोर्ट ने एमसी मेहता की याचिका पर सुनवाई करते हुए कहा कि पराली जलाना नया नहीं है। 4-5 साल पहले कोविड और लॉकडाउन के दौरान भी पराली जलाई जा रही थी फिर भी आसमान साफ और नीला दिखाई देता था, अब क्यों नहीं?

चीफ जस्टिस ऑफ इंडिया सूर्यकांत और जस्टिस बागची की बेंच ने कहा कि पराली जलाने से जुड़ी बहस को राजनीतिक या अहंकार का मुद्दा नहीं बनना चाहिए। दिल्ली की जहरीली हवा के कई कारण हैं।

सीबीआई देशभर के डिजिटल अरेस्ट केस की जांच करेगी

सुप्रीम कोर्ट का निर्देश- राज्य सरकारें जांच एजेंसी की मदद करें, कहा- ये तेजी से बढ़ता साइबर क्राइम

नई दिल्ली

सुप्रीम कोर्ट ने सेंट्रल ब्यूरो ऑफ इंवेस्टिगेशन को देशभर से सामने आए डिजिटल अरेस्ट के मामलों की पैन इंडिया जांच की जिम्मेदारी सौंपी है। सोमवार को सुनवाई के दौरान सुप्रीम ने सभी राज्यों को डिजिटल अरेस्ट मामलों की जांच में सीबीआई की मदद करने के भी निर्देश दिए।

सीजेआई सूर्यकांत की बेंच ने सुनवाई के दौरान कहा- डिजिटल अरेस्ट तेजी से बढ़ता साइबर क्राइम है। इसमें ठग खुद को पुलिस, कोर्ट या सरकारी एजेंसी का अधिकारी बताकर वीडियो/ऑडियो कॉल के जरिए पीड़ितों, खासकर सीनियर सिटिजन को धमकाते हैं और उनसे

पैसे वसूलते हैं।

सीजेआई सूर्यकांत की बेंच ने रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया को नोटिस जारी कर पूछा कि साइबर ठगी में उपयोग हो रहे बैंक खातों को तुरंत ट्रैक और फ्रीज करने के लिए एआई और मशीन लर्निंग तकनीक का उपयोग क्यों नहीं किया जा रहा।

इससे पहले 3 नवंबर की सुनवाई में सुप्रीम ने कहा था कि डिजिटल अरेस्ट मामलों में लगभग 3 हजार करोड़ की ठगी का पता चला है। अदालत ने इसे 'आयरन हैंड' से निपटने लायक गंभीर 'राष्ट्रीय समस्या' बताया था।

दरअसल, हरियाणा के अंबाला जिले में बुजुर्ग दंपति से 3 से 16 सितंबर के बीच 1.05 करोड़ रुपए की ठगी हुई थी। दंपती को सुप्रीम कोर्ट के जजों के फर्जी साइन और जांच एजेंसियों के नकली आदेश दिखाकर डिजिटल अरेस्ट किया गया था। पीड़ित ने 21 सितंबर को सीजेआई बीआर गवई (पूर्व सीजेआई) को चिट्ठी लिखकर पूरी बात बताई थी। इसके बाद सुप्रीम कोर्ट ने मामले में खुद से एक्शन लिया था।

संसद परिसर में कुत्ता लेकर पहुंचीं कांग्रेस सांसद

बोलीं- ये काटता नहीं, काटने वाले संसद में, भाजपा ने आपत्ति जताई

नई दिल्ली

संसद के शीतकालीन सत्र के पहले दिन सोमवार को कांग्रेस सांसद रेणुका चौधरी एक कुत्ता लेकर संसद परिसर में पहुंच गईं। इस घटना पर बीजेपी सांसदों ने कड़ा विरोध जताया है। रेणुका चौधरी से जब पूछा गया कि वे कुत्ते को संसद क्यों लाई हैं, तो उन्होंने कहा- सरकार को जानवर पसंद नहीं हैं। इसमें क्या हर्ज है? उन्होंने कहा, ये छोटा और बिल्कुल नुकसान न पहुंचाने वाला जानवर है। काटने वाले और डसने वाले संसद में, कुत्ते नहीं। उनके इस कदम पर बीजेपी सांसद जगदंबिका पाल ने नाराजगी जताई और कहा- रेणुका चौधरी कुत्ता लेकर संसद आईं, यह गलत है। उन पर कार्रवाई होनी

चाहिए। विशेषाधिकार का मतलब दुरुपयोग नहीं होता। संसद की सिक्योरिटी कंसर्न को लेकर कांग्रेस सांसद ने कहा, 'कौन सा प्रोटोकॉल। कहीं कोई कानून बना है क्या। मैं रास्ते में आ रही थी। वहां स्कूटर और कार वाले का टक्कर हुआ। उसके आगे ये छोटा पिल्ला निकलकर सामने आ गया। ये चारों तरफ सड़क पर घूम रहा था। मैंने सोचा ये पहिए के नीचे आ जाएगा, तो मैंने उठाकर गाड़ी में रख लिया और संसद आ गई और वापस भिजवा दिया।' उन्होंने कहा कि गाड़ी भी गई और कुत्ता भी, तो किस बात की चर्चा चल रही है। असली डसने वाले और काटने वाले संसद में बैठे हैं। वे सरकार चलाते हैं। उसका कोई एतराज नहीं।

रुपया 89.79 तक गिरा, सबसे निचले स्तर पर

मुंबई

रुपया डॉलर के मुकाबले अब तक के सबसे निचले स्तर पर पहुंच गया है। कारोबार के दौरान रुपया 34 पैसे गिरकर 89.79 के स्तर पर आ गया था। यह 2 हफ्ते पहले के ऑल-टाइम लो (89.66) को पार कर गया। 21 नवंबर को रुपया 98 पैसे गिरा था। घरेलू शेयर बाजारों में गिरावट और लगातार विदेशी फंड्स की निकासी ने रुपए पर दबाव बनाया है। सुबह रुपया 89.45 प्रति डॉलर के स्तर पर खुला था। वहीं शुक्रवार को डॉलर के मुकाबले रुपया 9 पैसे की गिरावट के साथ 89.45 पर बंद हुआ था।

रुपया 2025 में अब तक 4.77% कमजोर हो चुका है। 1 जनवरी को रुपया डॉलर के मुकाबले 85.70 के स्तर पर था, जो अब 89.79 के लेवल पर पहुंच गया है।

अंधी रफ्तार से दौड़ रही बीएमडब्ल्यू ने फुटपाथ पर सो रहे 3 लोगों को कुचल डाला

नई दिल्ली (एजेंसी)। अमीरों के लिए गरीब आदमी कीड़े मकोड़े की तरह होता है साहबज्जब मर्जी कोई रहीस आदमी अपनी करोड़ों की कार से आता है और फुटपाथ पर सो रहे गरीबों कों रौंदता चला जाता है। ये शब्द उन चश्मदीदों के हैं जिन्होंने बीती रात राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली के वसंत कुंज इलाके में बीती रात तेज रफ्तार का कहर देखा है। एंबियंस मॉल के सामने एक बीएमडब्ल्यू कार ने फुटपाथ पर सो रहे तीन लोगों को कुचल दिया जिससे वे गंभीर रूप से घायल हो गए। पुलिस ने कार चालक को मौके से ही हिरासत में ले लिया है। जानकारी के अनुसार यह हादसा देर रात करीब 2 बजे वसंत कुंज इलाके में हुआ। घटनास्थल पर मौजूद चश्मदीदों ने बताया कि कार बेहद तेज रफ्तार से आ रही थी। कार चला रहे शख्स ने वाहन से नियंत्रण खो दिया और गाड़ी सीधे फुटपाथ पर चढ़ा दी। कार की चपेट में आने से फुटपाथ पर सो रहे तीनों लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। हादसे की सूचना मिलते ही पुलिस तुरंत मौके पर पहुंची। पुलिस ने दुर्घटनाग्रस्त बीएमडब्ल्यू कार के चालक को तुरंत मौके पर ही हिरासत में ले लिया। उससे आगे की पूछताछ जारी है। पुलिस के अनुसार दुर्घटनाग्रस्त कार हिमाचल प्रदेश नंबर पर पंजीकृत है। सभी घायलों को इलाज के लिए नजदीकी अस्पताल ले जाया गया है जहां उनका उपचार चल रहा है। पुलिस अब मामले की गहनता से जांच कर रही है। यह पता लगाने की कोशिश की जा रही है कि हादसा किस गति से हुआ और क्या चालक शराब या किसी अन्य नशे के प्रभाव में था।

अचानक दो हिस्सों में बंट गई ट्रेन, झटका लगते ही यात्रियों में मची हलचल

-बिहार में कारीसाथ स्टेशन के पास कपलिंग टूटी, बड़ा हादसा होने से बचा

आरा (एजेंसी)। पटना-आरा-डीडीयू रेल खंड पर शनिवार शाम रेल दुर्घटना होने से बाल-बाल बची, जब दानापुर से बेंगलुरु जा रही बेंगलुरु सिटी स्पेशल ट्रेन अचानक दो हिस्सों में बंट गई। घटना कारीसाथ रेलवे स्टेशन के पास हुई, जिससे यात्रियों में अफरा-तफरी मच गई। तेज रफ्तार दौड़ रही ट्रेन के दो हिस्सों में बंटते ही यात्री दहशत में आ गए। इंजन और आगे के कुछ डिब्बे काफी दूर निकल गए, जबकि पीछे का बड़ा हिस्सा ट्रैक पर ही रुक गया। मीडिया रिपोर्ट में रेल सूत्रों के हवाले से बताया गया है कि ट्रेन आरा स्टेशन से खुलकर बक्सर की ओर तेज रफ्तार में बढ़ रही थी। इसी दौरान कारीसाथ स्टेशन के पास ट्रेन की कपलिंग अचानक टूट गई। कपलिंग टूटने के साथ ही एक झटके में ट्रेन दो हिस्सों में बंट गई। इंजन का हिस्सा आगे की ओर करीब 500 मीटर तक चला गया। हालांकि झटका लगने से तुरंत लोको पायलट को कुछ असहज लगा और उन्होंने इमरजेंसी ब्रेक लगा दिया। घटना के बाद यात्रियों में अफरा-तफरी मच गई। घटना की सूचना मिलते ही रेलवे के वरिष्ठ अधिकारी और तकनीकी टीम तत्काल घटनास्थल पर पहुंची। अपलाइन पर ट्रेनों की आवाजाही रोक दी गई, जिसके कारण पटना—डीडीयू रूट पर कई ट्रेनें प्रभावित हुईं। अधिकारियों ने कपलिंग टूटने की वजह की जांच शुरू कर दी और बचाव एवं मरम्मत कार्य युद्धस्तर पर किया गया। काफी प्रयास के बाद इंजन को पीछे लाकर दूसरे हिस्से से जोड़ा गया। रेलवे सूत्रों का कहना है कि समय रहते ट्रेन रुक जाने से एक बड़ा हादसा टल गया। यदि ट्रेन और तेज गति में होती तो घटना गंभीर रूप ले सकती थी। मरम्मत कार्य पूरा होने के बाद अप लाइन पर परिचालन बहाल कर दिया गया। इस घटना ने रेलवे की सुरक्षा व्यवस्था और तकनीकी जांचों पर सवाल खड़े कर दिए हैं।

सीआईएसएफ जवान ने नाबालिग की गोली मारकर की हत्या, पुलिस ने किया गिरफ्तार

नई दिल्ली(एजेंसी)। दिल्ली में एक सीआईएसएफ के हेड कांस्टेबल ने नाबालिग लड़के की गोली मारकर हत्या कर दी। पुलिस ने आरोपी कांस्टेबल को गिरफ्तार कर लिया है। साथ ही उसके पास से पिस्टल भी बरामद की है। फिलहाल पुलिस उससे पूछताछ कर रही है। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक पुलिस ने बताया कि 29 नवंबर को एक शख्स से जानकारी मिली कि कम्युनिटी सेंटर डीडीए मार्केट, एमएस पार्क के पास एक बच्चे को गोली मार दी गई है। जानकारी मिलते ही पुलिस घटनास्थल पर पहुंची। क्राइम टीम को बुलाया गया। जांच में पता चला कि मृतक 17 साल का नाबालिग है, जो न्यू मॉडर्न शाहदरा का रहने वाला था। नाबालिग लड़के को कम्युनिटी सेंटर के सामने हो रही शादी के दौरान गोली लगी थी। इस मामले में आरोपी की पहचान कर उसे गिरफ्तार कर लिया है, जो सीआईएसएफ में हेड कांस्टेबल है और अभी कानपुर में तैनात है। उसके पास से एक पिस्टल भी बरामद की गई है। पुलिस ने बताया कि शुरुआती जांच में ऐसा लगता है कि लड़के और आरोपी के बीच कहासुनी हुई थी, जिसके बाद आरोपी ने उसे गोली मार दी। फिलहाल मामले की जांच की जा रही है।

कट्टरपंथियों की खतरनाक साजिश को बेनकाब करेंगी 12 पीड़ित युवतियां

-दिल्ली में लव जिहाद की शिकार लड़कियां डिटेल में बयां करेंगी अपनी कहानियां

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत समेत कई देश कट्टरपंथ की साजिश का शिकार हैं। डेमोग्राफिक्स को बदलने की साजिशें रची जा रही है। चिंता की बात यह है कि इस मामले में डॉक्टर और इंजीनियर जैसे बहुत पढ़े-लिखे लोग भी इस साजिश में शामिल हैं। इसका उदाहरण लाल किले के पास हुआ आतंकवादी हमला है। इन सबको देखते हुए देश में पहली बार ऐसा इवेंट हो रहा है जैसा पहले कभी नहीं हुआ। आज कॉन्स्टिट्यूशन क्लब में लव जिहाद की शिकार लड़कियां अपनी कहानियां डिटेल में बताएंगी और इसके तरीकों का खुलासा करेंगी। इस खास इवेंट में दिल्ली की सीएम रेखा गुप्ता और विश्व हिंदू परिषद के स्टेट प्रेसिडेंट कपिल खन्ना खास तौर पर शामिल होंगे। उनके साथ लव जिहाद की शिकार लड़कियों को बचाने वाले लोग भी होंगे। विहिप दिल्ली के मंत्री सुरेंद्र गुप्ता ने बताया कि 12 लड़कियां, खासकर केरल की, जो लव जिहाद की शिकार हुई हैं, अपनी कहानियां बताएंगी, ताकि हर कोई इस साजिश के बारे में जान सके और समय रहते अपनी बेटियों को बचा सके। दिल्ली एनसीआर की चार और पीड़ित भी इस इवेंट में मौजूद रहेंगी। केरल भारत में लव जिहाद का सेंटर है, जहां हजारों लड़कियों को बहला-फुसलाकर इस्लाम कबूल करवाया गया है और फिर उन्हें इस्लामिक देशों में ट्रैफिकिंग के लिए भेज दिया गया।

चारपाई की तरह कड़ा और लचीला, यही संतुलन लोकतंत्र और न्यायपालिका की असली शक्ति

-सीजेआई सूर्यकांत ने की न्यायिक स्वतंत्रता और लोकतांत्रिक ढांचे की स्वदेशी व्याख्या

नई दिल्ली (एजेंसी)। सुप्रीम कोर्ट के सीजेआई सूर्यकांत ने न्यायिक स्वतंत्रता और लोकतांत्रिक ढांचे की स्वदेशी व्याख्या की है। उन्होंने लोकतंत्र की तुलना एक पारंपरिक चारपाई से की, जहां मजबूत लकड़ी का फ्रेम, टिकाऊ पायों और लचीली लेकिन मजबूत रस्सियों के सहारे एक ऐसा ढांचा तैयार करता है जो कड़ा भी है और लचीला भी। सीजेआई के मुताबिक यही संतुलन भारतीय लोकतंत्र और न्यायपालिका की असली शक्ति है।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक सीजेआई सूर्यकांत हरियाणा में एक कार्यक्रम में बोल रहे थे। इस कार्यक्रम में एक अनोखा सत्र आयोजित किया गया था, जिसमें सीजेआई सूर्यकांत की अगुवाई में सुप्रीम कोर्ट के 13 जज केशवानंद भारती केस की ऐतिहासिक बहस का री-एनैक्टमेंट करने के लिए एक साथ मंच पर आए थे। इस सत्र में उस बहस को पुनर्जीवित किया गया जिसने भारतीय संविधान में 'बेसिक स्ट्रक्चर' का सिद्धांत स्थापित किया था।

सीजेआई सूर्यकांत ने कहा कि केशवानंद केस में भारत संवैधानिक जीवन के सिर्फ 23वें वर्ष में था। एक ऐसा राष्ट्र जो अपने संस्थानों को परिभाषित कर रहा था, आदर्शवाद और शक्ति के बीच संतुलन साधना सीख रहा था। उन्होंने कहा कि असल सवाल एक सभ्यतागत प्रश्न था- क्या संसद का बड़ा बहुमत संविधान के नैतिक डीएनए को फिर से लिख सकता है?

सीजेआई ने अमेरिका और ब्रिटेन में भी समय-समय पर एक्जीक्यूटिव द्वारा न्यायिक स्वतंत्रता की सीमाएं परखने की बहस का जिक्र किया। उन्होंने कहा कि केशवानंद केस की 13 जजों की बेंच ने संवैधानिक परिपक्वता और नैतिकता दोनों का रास्ता चुना। उन्होंने संविधान को सुविधा के हिसाब से मोड़ने से इनकार कर दिया। इसी एक संयम ने दिखाया कि लोकतंत्र को बुद्धिमान बनने के लिए बूढ़ा होने की जरूरत नहीं होती।

सुप्रीम कोर्ट की एकमात्र महिला जस्टिस बी वी नागरत्ना ने कहा कि केशवानंद फैसला न्यायपालिका की स्वतंत्रता के दो केंद्रीय पहलुओं को उजागर करता है। पहला- निर्णय लेने में स्वतंत्रता और दूसरा- संस्थागत स्वतंत्रता। जस्टिस नागरत्ना ने यह भी कहा कि न्यायाधीशों का आचरण बेंच पर भी और बेंच से बाहर भी न्यायपालिका की छवि को तय करता है। उनका कहना था कि जज का आचरण सिर्फ कानूनसम्मत नहीं, बल्कि उससे ऊपर होना चाहिए। कानून मंत्री अर्जुन राम मेघवाल ने कहा कि देश की आर्थिक मजबूती तभी सुनिश्चित होती है जब सामाजिक, राजनीतिक और आर्थिक न्याय तीनों मिलकर एक त्रिमूर्ति की तरह संतुलित हों।

महिला विधायक पल्लवी पटेल ने कहा- एसआईआर फॉर्म मैं नहीं भरुंगी, बताई वजह

गोंडा (एजेंसी)। बिहार के बाद अब उत्तर प्रदेश समेत देश के 12 राज्यों व केंद्र शासित प्रदेशों में मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) का कार्य जारी है। इसी बीच अपना दल (कमेरावादी) की राष्ट्रीय अध्यक्ष और सिराथू विधानसभा सीट से विधायक पल्लवी पटेल ने एसआईआर का विरोध किया है।

विधायक पल्लवी ने स्पष्ट कहा, कि एसआईआर फॉर्म मैं नहीं भरुंगी। ऐसा नहीं करने की उन्होंने वजह भी बताई। महिला विधायक पल्लवी ने गोंडा में पत्रकारों से बातचीत करते हुए, कि एसआईआर फार्म नहीं भरूंगी और मैं इस प्रक्रिया का विरोध करती हूं। उन्होंने सवाल करते हुए कहा, मुझे एसआईआर फार्म क्यों भरना चाहिये? मेरे पास वो सारे दस्तावेज मौजूद हैं, जो बतलाते हैं कि मैं भारत की नागरिक हूं। ऐसे में एसआईआर फार्म मुझे क्यों भरना चाहिए? अभी तक सभी चुनव प्रक्रिया में मैं वोट डालती चली आ रही हूं, तो अब एसआईआर का फार्म क्यों भरुं? इसी के साथ ही सिराथू विधायक पल्लवी ने मतदाताओं से अपील की, यदि आपको एसआईआर समझ आए तो भरिये, नहीं आए तो मत भरिये। उन्होंने दावा किया, कि जिस तरह से महिला आरक्षण कागजों में रह गया है, वैसे ही एसआईआर भी जमीन पर नहीं उतरने वाला है। इसी के साथ उन्होंने एसआईआर को सरकार का जुमला बताया और कहा कि इसके जरिए सत्तारुढ़ पार्टी लोकतंत्र पर हमला कर रही है। पल्लवी ने कहा कि विपक्ष इसका विरोध इसलिए कर रही है क्योंकि सरकार की नीयत पर शक है। उन्होंने कहा कि जिस राज्य में उन्हें ज्यादा सीट चाहिए वहां एसआईआर कराया जा रहा है। एसआईआर कार्य में लगे बीएलओ पर अनावश्यक प्रेशर बनाया जा रहा, जो अमानवीय कृत्य है।

एसआईआर प्रक्रिया को लेकर आयोग के रवैये से लोग चिंतित, कुछ तो गड़बड़ है

-पहले भी हुआ है एसआईआर, सचिन पायलट ने चुनाव आयोग पर साधा निशाना

नई दिल्ली (एजेंसी)। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता सचिन पायलट ने मतदाता सूचियों के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) को लेकर निर्वाचन आयोग पर निशाना साधते हुए कहा कि इस प्रक्रिया को लेकर आयोग के रवैये से लोगों के मन में चिंता है। पायलट ने आरोप लगाया कि फील्ड स्टाफ पर अनावश्यक दबाव और जल्दबाजी में समयसीमा तय करने से पता चलता है कि प्रक्रिया में कुछ तो गड़बड़ है।

राजस्थान के पूर्व उपमुख्यमंत्री ने कहा कि एसआईआर देश में पहले भी कई बार हुआ है। लेकिन कोई चर्चा नहीं होती थी, लोगों के मन में कोई आशंका नहीं रहती थी। पहली बार निर्वाचन आयोग का जो रवैया रहा है। उससे लोगों के मन में चिंता है। पायलट ने आरोप लगाते हुए कहा कि बिहार में लोगों के नाम काटे गए। कई राज्यों में लोग तनाव में हैं, और कुछ तो इस दबाव के कारण आत्महत्या भी कर रहे हैं। यह इस बात का स्पष्ट संकेत है कि कुछ गड़बड़ हो रही है।

सचिन पायलट ने कहा कि निर्वाचन आयोग को निष्पक्ष संस्था के रूप में काम करना चाहिए क्योंकि मतदाता सूची के शुद्धिकरण का काम निर्वाचन आयोग का है, किसी राजनीतिक दल का नहीं। पायलट ने कहा कि कांग्रेस देश भर में अभियान चला रही है ताकि यह तय किया जा सके कि कोई भी नागरिक अपने मतदान के अधिकार से वंचित न हो। उन्होंने कहा कि हम यह तय करना चाहते हैं कि गरीब लोग, दलित, आदिवासी और बुजुर्ग जागरुकता की कमी के कारण या किसी के द्वारा उनका नाम हटाने की मंशा के कारण मतदान के अपने संवैधानिक अधिकार से वंचित न हों।

उन्होंने कहा कि निर्वाचन आयोग को निष्पक्षता से काम करना चाहिए और यदि विचारधारा, सरकार और नेता के दबाव में काम करोगे तो यह जनता और कांग्रेस पार्टी को स्वीकार नहीं होगा।

राहत सामग्री लेकर कोलंबों पहुंचे भारतीय विमान, फंसे हुए भारतीयों को वापस भी लाएंगे

नई दिल्ली (एजेंसी)। श्रीलंका में चक्रवात दित्वाह ने जमकर तबाही मचाई। इसमें करीब 150 लोगों की जान चली गई। कुछ भारतीय भी यहां फंस हुए है। केंद्र की मोदी सरकार ने तत्काल ऑपरेशन सागर बंधु की शुरुआत की और मदद की लिए हाथ बढ़ाया। वायुसेना के मुताबिक दिल्ली के निकट हिंडन एयर बेस से सी-130 और आईएल-76 विमान राहत सामग्री लेकर श्रीलंका के लिए रवाना हुए हैं। इन विमानों में 21 टन राहत सामग्री, 80 से अधिक एनडीआरएफ कर्मी और 8 टन उपकरण हैं। रविवार सुबह को दी गई जानकारी में वायुसेना ने बताया कि राहत सामग्री लेकर निकले इन विमानों ने कोलंबो में लैंड किया है। भारतीय वायुसेना के विमानों के जरिए न केवल राहत सामग्री पहुंचाई जा रही है, बल्कि एनडीआरएफ की रेस्क्यू टीम श्रीलंका में फंसे भारतीयों को सुरक्षित निकालने की कोशिशों में लगी हुई है। इसके अलावा तमिलनाडु में भी राहत और बचाव की कार्रवाई तेज कर दी गई है।

वायुसेना के अनुसार श्रीलंका में मदद के लिए भेजी गई सामग्री में आवश्यक राशन, दवाइयां, मेडिकल किट, भिष्म क्यूब्स और अन्य आपदा राहत उपकरण शामिल हैं। वहीं, 17 ग्लोबमास्टर ने पुणे से चेन्नई तक एक और एनडीआरएफ टीम तथा भारी उपकरण

पहुंचाए हैं। यह अभियान इसलिए शुरू किया गया है ताकि दक्षिण भारत के तटीय क्षेत्रों में भी राहत प्रयासों को तेज किया जा सके।

30 नवंबर की सुबह हिंडन एयरबेस से एक सी-130 विमान राहत सामग्री लेकर रवाना हुआ। वहीं आईएल-76 विमान पहले ही कोलंबो पहुंच चुका था। यह दल विमान से राहत सामग्री उतारने के साथ-साथ फंसे हुए भारतीय नागरिकों को वापस लाने का काम भी करेगा। अतिरिक्त सहायता के तौर पर एक और सी-17 विमान वडोदरा में एनडीआरएफ टीम और उनके उपकरणों के साथ लोड किया जा रहा है, जिसे चेन्नई भेजा जाएगा। सभी एयरलिफ्ट मिशन लगातार संचालित हैं ताकि श्रीलंका एवं तमिलनाडु दोनों स्थानों पर समयबद्ध सहायता सुनिश्चित की जा सके। यह मानवीय सहायता के प्रति भारत की प्रतिबद्धता को दर्शाता है। भारतीय वायुसेना ने स्पष्ट किया है कि वह जीवन बचाने और संकटग्रस्त पड़ोसी देशों को हर संभव समय पर सहायता प्रदान करने के लिए प्रतिबद्ध है। ऑपरेशन सागर बंधु, भारत व श्रीलंका की मैत्री और क्षेत्रीय सहयोग का संवेदनशील और मानवीय उदाहरण बनकर सामने आया है।

भारतीय वायुसेना के विमान यहां आवश्यक उपकरण एवं राहतकर्मियों को लेकर पहुंचे हैं। भारत ने 'पड़ोसी प्रथम' की भावना को दोहराते हुए आपदा में लोगों को राहत पहुंचाने की पहल की है। भारतीय वायुसेना के विमान व हेलीकॉप्टर बड़े पैमाने पर मानवीय सहायता पहुंचाने और आपदा राहत अभियान में जुटे हुए हैं। इस पूरे अभियान को ऑपरेशन सागर बंधु नाम दिया गया है।ऑपरेशन सागर बंधु के तहत तत्काल बचाव अभियान को अंजाम देने वाले दल की तैनाती और राहत सामग्री की आपूर्ति की जा रही है। भारतीय वायुसेना ने राहत कार्यों की गति तेज करने के लिए कोलंबो में एमआई-17 वी5 हेलीकॉप्टर तैनात किए हैं। इससे तेजी से प्रभावित क्षेत्रों में सहायता पहुंचाई जा सकेगी। इसी के साथ, बड़े पैमाने पर भारतीय नागरिकों की सुरक्षित निकासी के लिए वायुसेना के सी-17, सी-130 और आईएल-76 परिवहन विमान तैयार रखे गए हैं। वायुसेना की ओर से साझा जानकारी के अनुसार 29 नवंबर की रात सी-130 और आईएल-76 विमान हिंडन एयर बेस से रवाना हुए। इन विमानों में 21 टन राहत सामग्री व 80 से अधिक एनडीआरएफ के कर्मी मौजूद थे। इसके अलावा, बाढ़ व तूफान आदि के कारण जटिल इलाकों में फंसे लोगों को सुरक्षित निकालने के लिए विशिष्ट उपकरण भेजे गए हैं।

राजनीति से संन्यास लेकर बोले अवध ओझा: अब जो मन में आएगा, वही बोलूंगा...

नई दिल्ली (एजेंसी)। मशहूर मोटिवेशनल स्पीकर और शिक्षक अवध ओझा ने दिल्ली विधानसभा चुनाव में मात्र एक पारी खेली और उसके तुरंत बाद राजनीति से संन्यास ले लिया। अब वे फिर से अपनी पुरानी आज़ादी में लौट आए हैं और इसे लेकर बेहद खुश नज़र आ रहे हैं। हाल ही में एक पॉडकास्ट में उन्होंने खुलकर बताया कि राजनीतिक दल में रहते हुए उन्हें जो 'बोलने की बंदिश' लगी थी, उससे मुक्ति मिलने का अहसास है कि अब वे बिना किसी दबाव के जो मन में आएगा, वही बोलेंगे।

अवध ओझा ने साफ कहा, भैया मैं राजनीति ही नहीं करूंगा। बहुत दूर रहूंगा, बहुत खुश हूं। पहली बात तो बोलना बंद हो गया था। पार्टी लाइन के बाहर कुछ नहीं बोल सकते। ये नहीं बोल सकते, वो नहीं बोल सकतेज हम बोलेंगे नहीं तो मर जाएंगे। अब मैं इतना अच्छा महसूस कर रहा हूं। अब कोई फोन करके नहीं कहेगा कि ये बोलो, वो मत बोलो। अब तो बस वही बोलेंगे जो दिल कहेगा।

उन्होंने उस वायरल इंटरव्यू का भी ज़िक्र

किया जिसमें आम आदमी पार्टी के कार्यकर्ताओं ने बीच में दखल देकर इंटरव्यू रुकवा दिया था। मजबूरन ओझा को कैमरे पर कहना पड़ा था कि पार्टी लाइन वही लोग तय करेंगे, मैं उसी के मुताबिक बोल सकता हूं। उस घटना को याद करते हुए ओझा ने हंसते हुए कहा, अच्छा बताओ वो इंटरव्यू कितना अच्छा चल रहा था। बीच में रोक दिया। भगवान बचाए राजनीति से दादा!

भाजपा में जाने की अटकलों पर भी उन्होंने पूरी तरह विराम लगा दिया। स्पष्ट शब्दों में बोले, 'न 'मैं कहीं टिकट नहीं मांगूंगा। राजनीति से पूरी तरह दूर रहूंगा। चुनावी खर्च के सवाल पर मुस्कुराते हुए जवाब दिया, मेरा खुद का एक रुपया नहीं लगा। सारे दोस्तों, मित्रों और शुभचिंतकों ने दिया। दिल्ली विधानसभा चुनाव से ठीक पहले अवध ओझा ने आम आदमी पार्टी जॉइन की थी। पूर्व डिप्टी सीएम मनीष सिसोदिया की खाली हुई पटपड़गंज सीट से उन्होंने चुनाव लड़ा, लेकिन हार गए। हार के बाद से ही वे पार्टी के किसी कार्यक्रम में नज़र नहीं आए और धीरे-धीरे कोचिंग क्लासेस में वापस लौट गए। पिछले दिनों उन्होंने औपचारिक रूप से राजनीति से संन्यास की घोषणा कर दी। उन्होंने कहा कि महज़ चुनाव लड़ने की उत्कंठा और जिज्ञासा की वजह से वे राजनीति में आए थे, लेकिन एक बार मैदान में उतरने के बाद अहसास हुआ कि यह उनका क्षेत्र नहीं है।अब अवध ओझा फिर से अपनी कोचिंग और मोटिवेशनल स्पीच में पूरी तरह व्यस्त हो चुके हैं। उनके प्रशंसक भी उनकी इस वापसी से खुश हैं, क्योंकि एक बार फिर वही बेबाक, बिंदास और बिना किसी लाइन के बोलने वाला अवध ओझा लौट आया है।

आज के भारतीय तो अपनी मातृभाषा के शब्द भी नहीं जानते: मोहन भागवत

नागपुर (एजेंसी)। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के प्रमुख मोहन भागवत ने मातृभाषाओं के उपयोग को लेकर गंभीर चिंता जताई है। नागपुर में एक पुस्तक विमोचन के अवसर पर बोलते हुए भागवत ने कहा, कि आज बहुत से भारतीय अपनी मातृभाषा के शब्द भी नहीं जानते हैं और अंग्रेजी के मिश्रण से संवाद करते हैं। उनका कहना है कि इस प्रकार हमारी भाषायी विरासत का क्षय हो रहा है।

यहां भागवत ने कहा, एक समय था जब रोजमर्रा की भाषा में संस्कृत का प्रयोग आम था। अब हाल यह है कि अमेरिका के प्रोफेसर हमें संस्कृत पढ़ाते हैं। उन्होंने मातृभाषा के अभ्यास और ज्ञान पर जोर देते हुए कहा कि बच्चों को अपनी भाषा की समझ होनी चाहिए। भागवत ने उदाहरण देते हुए कहा कि संत ज्ञानेश्वर ने भगवद्गीता को मराठी में प्रचारित किया, जिससे भाषा और

संस्कृति की गहराई समझ में आती है। आरएसएस प्रमुख ने अंग्रेजी शब्दों की सीमा पर भी प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि अंग्रेजी भावनाओं और सांस्कृतिक अर्थों की गहराई को पकड़ नहीं पाती। उदाहरण देते हुए उन्होंने कहा कि कल्पवृक्ष के लिए अंग्रेजी में कई शब्द हैं, लेकिन कोई भी इसका वास्तविक अर्थ नहीं बता सकता। उनका कहना है कि विदेशी भाषाएं हमारी संस्कृति की पूर्ण गहराई तक नहीं पहुंच सकतीं। इसी के साथ भागवत ने मातृभाषाओं को सीखने और मजबूत करने की आवश्यकता पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि भारतीय दर्शन विविधता में एकता की भावना को महत्व देता है, और इसी आधार पर भाषायी चेतना को बढ़ावा देना जरूरी है।

चुनाव आयोग और टीएमसी में टकराव: पश्चिम बंगाल में सियासी जंग का जरिया बना एसआईआर

कोलकाता (एजेंसी)। पश्चिम बंगाल में चुनाव आयोग द्वारा चलाया जा रहा विशेष गहन पुनरीक्षण अभियान अब पूरी तरह राजनीतिक जंग का मैदान बन चुका है। सत्तारूढ़ तृणमूल कांग्रेस ने चुनाव आयोग पर खुलेआम हमला बोलते हुए आरोप लगाया है कि एसआईआर के नाम पर राज्य में लाखों वैध मतदाताओं के नाम काटे जा रहे हैं, खासकर सीमावर्ती इलाकों में बांग्लादेशी घुसपैठियों को बाहर निकालने की आड़ में अल्पसंख्यक और गरीब वोटरों को निशाना बनाया जा रहा है।

टीएमसी का सबसे गंभीर आरोप यह है कि एसआईआर शुरू होने के बाद से अब तक राज्य में 40 लोगों की मौत हो चुकी है, जिनमें कई बूथ लेवल ऑफिसर (बीएलओ) भी शामिल हैं। पार्टी ने शुक्रवार को मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश

कुमार से मुलाकात कर पांच सवाल पूछे, लेकिन एक का भी जवाब नहीं मिलने का दावा किया। राज्यसभा सांसद डेरेक ओ'ब्रायन ने कहा, हम एसआईआर का विरोध नहीं कर रहे, बल्कि इसके अमानवीय और अव्यवस्थित तरीके का विरोध कर रहे हैं। चुनाव आयोग के हाथ खून से रंगे हैं।

वहीं, चुनाव आयोग ने टीएमसी के सभी आरोपों को खारिज करते हुए इन्हें निराधार और राजनीति से प्रेरित बताया है। मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार ने साफ कहा कि बीएलओ पर दबाव काम का नहीं, बल्कि स्थानीय टीएमसी कार्यकर्ताओं की धमकियों और दबाव का नतीजा है। आयोग का दावा है कि तृणमूल नहीं चाहती कि मृत, स्थानांतरित, डुप्लीकेट या अवैध (खासकर बांग्लादेशी) मतदाताओं के नाम हटाए जाएं, क्योंकि ये उनके वोट बैंक का हिस्सा हैं। आयोग ने पश्चिम बंगाल के डीजीपी और कोलकाता पुलिस कमिश्नर को तुरंत पत्र लिखकर सभी बीएलओ की सुरक्षा सुनिश्चित करने का आदेश दिया है। हाल ही में सीईओ कार्यालय में सुरक्षा चूक की घटना के बाद आयोग ने कार्यालय को अधिक सुरक्षित जगह पर शिफ्ट करने और मौजूदा भवन की सुरक्षा बढ़ाने को कहा है।

टकराव को और गहरा करने के लिए चुनाव आयोग ने बड़ा कदम उठाया है। सेवानिवृत्त आईएएस अधिकारी सुब्रत गुप्ता (1990 बैच, पश्चिम बंगाल कैडर) को 'स्पेशल रोल ऑब्ज़र्वर' नियुक्त किया गया है। इसके अलावा 12 अन्य आईएएस अधिकारियों को 'इलेक्टोरल रोल ऑब्ज़र्वर' बनाया गया है। ये अधिकारी यह सुनिश्चित करेंगे कि कोई पात्र भारतीय नागरिक मतदाता सूची से बाहर न रहे और कोई अपात्र (विदेशी) व्यक्ति सूची में शामिल न हो।

चुनाव आयोग ने सभी जिला निर्वाचन अधिकारियों को सख्त निर्देश दिए हैं कि स्लम, ऊंची इमारतों और कॉलोनियों में भी मतदान केंद्र बनाए जाएं, जैसा पूरे देश में होता है। टीएमसी की आपत्तियों को दरकिनार करते हुए आयोग ने चेतावनी दी है कि निर्देशों का पालन न करने पर कठोर कार्रवाई होगी। सीमावर्ती जिलों से लगातार वीडियो और तसवीरें वायरल हो रही हैं, जिनमें लोग कथित तौर पर भारत-बांग्लादेश सीमा पार करते दिख रहे हैं। टीएमसी इसे ÷वोट काटने की साजिश÷ बता रही है, जबकि ईसी का कहना है कि यह घुसपैठिए वापस अपने देश जा रहे हैं, क्योंकि अब उनका नाम वोटर लिस्ट में नहीं रहेगा। फिलहाल दोनों पक्ष अपनी-अपनी जगह अड़े हुए हैं। एक तरफ ममता बनर्जी और टीएमसी सड़क से संसद तक आंदोलन की धमकी दे रहे हैं, तो दूसरी तरफ चुनाव आयोग संविधान के अनुच्छेद 326 का हवाला देकर साफ कर रहा है - वोट का अधिकार सिर्फ भारतीय नागरिक को है, किसी विदेशी को नहीं। आने वाले दिनों में यह टकराव और भयंकर रूप ले सकता है।

खेतो में ट्यूबवेल और केबल चोरी की 17 वारदातों का खुलासा, माल बरामद, खरीददार सहित चार गिरफ्तार

स्मार्ट हलचल| भीलवाड़ा

पुलिस थाना आसीन्द द्वारा थाना क्षेत्र में किसानों के खेतों में ट्यूबेल व कुओं पर विद्युत मोटर व केबिल चोरी की कुल 17 वारदातों का खुलासा करते हुए चोरी हुई 2 मोटर, 250 फीट केबिल व 33 किलो तांबे के तार को बरामद किया, व घटनाओं में प्रयुक्त मोटरसाईकिल जब्त कर खरीददार सहित 4 आरोपियों को गिरफ्तार किया । एसपी धर्मेन्द्र सिंह द्वारा संपति संबंधी अपराधों की रोकथाम के लिए बुधराज खटीक आर.पी.एस अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक, सहाडा के निर्देशन में व ओमप्रकाश सोंलकी आर.पी.एस. वृताधिकारी, वृत आसीन्द के सुपरविजन मे हंसपाल सिंह उ.नि. थानाधिकारी थाना आसीन्द के नेतृत्व में टीम गठित की गई। दिनांक 21.11.2025 को प्रार्थी नारायण पिता गुर्जर उम्र 40 साल निवासी मारवों का खेड़ा थाना आसीन्द जिला भीलवाडा ने पुलिस थाना आसीन्द पर रिपोर्ट देकर बताया की मेरे आराजीयात पर स्थित कुएं एवं ट्यूबवेल पर 03-03 एच0पी0 पानी की मोटरे लगी हुई थी। दिनांक 06.11.2025 को मध्य रात्रि में अज्ञात चोरों द्वारा मेरे ट्युबवेल से उक्त पानी की मोटर व मोटर का पाईप, केबल व 550 फीट रस्सा इत्यादि को चोरी करके ले गये। मैं दिनांक 07.11.2025 को समय करीबन सुबह 07.00 बजे सिंचाई हेतु मोटर चलाने गया और जाकर देखा तो ट्युबवेल में उक्त मोटर व केबिले व रस्से नहीं मिली तभी मैने आस-पड़ोस में काफी तलाश की लेकिन कोई अता-पता नहीं चला। मेरे खेत पर उक्त चोरी की घटना के बाद ही मेरे ही गांव के आस-पास के खेतों के कुओं व ट्युबवेलों से अलग-अलग रात्रि में चोरी की वारदाते कारित हुई। दिनांक 20.11.2025 की मध्य रात्रि करीब 01.00 बजे विक्रम पुत्र भैरू लाल भील निवासी मारवों का खेड़ा जो अपने घर के पीछे स्थित बाड़े में केबिल जलाता हुआ पाया गया। हमें आंशका हैं कि उक्त विक्रम भील ने ही हम सभी कृषकों के खेतों से उक्त उपकरण चोरी किये हैं। आदि पर प्रकरण पंजीबद्व कर अनुसंधान शुरू किया गया। पुलिस ने संपति संबंधी अपराधों की अनवरत वारदातों पर अंकुष लगाने के लिये पुलिस थाना आसीन्द पर टीमों का गठन किया और संदिग्ध आरोपी विक्रम पिता भैरू भील निवासी मारवो का खेड़ा थाना आसीन्द की तलाश कर डिटेन किया और गहनता से पुछताछ की गई। आरोपी विक्रम भील ने अपने अन्य साथियों के साथ मिलकर घटना कारित करना कबूल किया। अभियुक्त को गिरफ्तार किया जाकर घटना में संलिप्त अन्य आरोपी शबरात मोहम्मद पिता चांद मोहम्मद निवासी लाछुडा, छोटू पिता काना भील निवासी मारवों का खेडा की पुलिस टीम द्वारा अनवरत पीछा कर डिटेन कर गिरफ्तार किया गया एंव चोरी किये माल को आरोपीगण द्वारा बैचान कर देने से खरीददार सुनिल पिता रमेशचन्द खटीक निवासी कांलियास थाना शम्भुगढ को डिटेन कर पुछताछ की गई तो चोरी का माल खरीदना कबूल किया। अभियुक्त सुनिल को गिरफ्तार किया। अभियुक्त सुनिल से चोरी का माल दो ट्यूबेल की मोटर, केबिल एंव चोरी की लाईन को जलाने के बाद निकाला तांबा 33 किलो एंव अन्य दो तोडफोड की गई मोटर को बरामद किया गया। घटना में प्रयुक्त मोटरसाईकिल को जब्त किया। घटना में संलिप्त अन्य आरोपियों की तलाश जारी है। आरोपियों ने अब तक कुल 17 वारदातों को कबूल किया है और माल बरामदगी के प्रयास जारी है। टीम में थानाप्रभारी हंसपाल सिंह, एचसी मंगल सिंह, कांस्टेबल निलेश कुमार, जगदेव, सुरेन्द्र शामिल थे।

स्वरुपगंज में फैक्ट्री में मजदूर की मौत, परिजनों ने मोर्चरी पर किया प्रदर्शन, मुआवजे की मांग

बोले- मुआवजा नहीं मिला तो नहीं उठायेंगे शव, करेंगे धरना-प्रदर्शन

स्मार्ट हलचल| पुनित चपलोत

भीलवाड़ा। रीको स्वरुपगंज स्थित एक फैक्ट्री में ठेकेदार के अधीन कार्यरत एक मजदूर की रविवार रात गिरने से मौत हो गई। सोमवार को परिजन जिला अस्पताल की मोर्चरी पहुंचे और मुआवजे की मांग रख दी। इनका कहना था कि जब तक मुआवजा नहीं मिल जाता न तो वे शव का पोस्टमार्टम करवायेंगे और न ही शव लेंगे। धरना-प्रदर्शन किया जायेगा। हमीरगढ़ थाने के दीवान विकास कुमार ने बताया कि रीको स्वरुपगंज स्थित श्रीश्याम एग्रो में शक्करगढ़ क्षेत्र के रुपपुरा गांव का दिनेश 32 पुत्र नंदालाल सैन मजदूरी कर रहा था। फैक्ट्री स्टाफ ने पुलिस को बताया कि रविवार शाम दिनेश छत से उतरते वक्त सीढियों से नीचे गिर पड़ा। उसे जिला अस्पताल ले जाने पर डॉक्टर्स ने मृत घोषित कर दिया। उधर दिनेश की मौत की सूचना पर परिजन सोमवार को जिला अस्पताल की मोर्चरी पहुंचे। मृतक के मामा बनवारी सैन ने सोमवार को मीडिया से बातचीत करते हुए कहा कि दिनेश बीते तीन साल से इसी फैक्ट्री में ठेकेदार के अधीन मजदूरी कर रहा था। सोमवार सुबह 5-6 बजे उन्हें दिनेश की छत से गिरने से मौत की सूचना मिली। बनवारी ने कहा कि ठेकेदार, दिनेश की मौत छत से गिरने से होना बता रहा है, जबकि पुलिस को सीढियों से गिरने से मौत की बात कही । इस विरोधाभाषी बयान के चलते वे ठेकेदार की बात से संतुष्ट नहीं है। बनवारी ने कहा कि मृतक दिनेश के तीन साल का एक बेटा और बुजुर्ग माता-पिता है। ऐसे में परिवार का अब गुजर-बसर हो पाना मुश्किल है। ऐसे में वे, चाहते हैं कि मृतक आश्रितों को मुआवजा मिले। बनवारी ने चेतावनी दी कि जब तक मुआवजा नहीं मिल जाता वे न तो शव का पोस्टमार्टम करवायेंगे और न शव लेंगे। जरुरत पड़ी तो उनके द्वारा धरना प्रदर्शन किया जायेगा। देर शाम उचित मुआवजे के आश्वाशन पर परिजन राजी हुए और पुलिस ने शव का पोस्टमार्टम करवाकर शव परिजनों के सुपुर्द कर दिया।

ट्रक को खुर्द बुर्द करने के मामले में दो गिरफ्तार

स्मार्ट हलचल | भीलवाड़ा

प्रतापनगर थाना पुलिस ने ट्रक को खुर्द-बुर्द करने के मामले 2 आरोपी को गिरफ्तार किया। आरोपी गिरोह बनाकर डिफाल्टर वाहनों को अवैध शराब व अवैध मादक पदार्थो की तस्करी करने के लिए किराये पर लेते थे। एसपी धर्मेन्द्र सिंह द्वारा वांछित अभियुक्तो की गिरफ्तारी हेतु पारस जैन आरपीएस अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक, मुख्यालय भीलवाडा के निर्देशन में एवं हेमेन्द्र कुमार आरपीएस वृताधिकारी, वृत शहर भीलवाडा के निकटतम सुपरविजन में राजपाल सिहं पु.नि. थानाधिकारी थाना प्रतापनगर के नेतृत्व में एक विशेष पुलिस टीम का गठन किया गया। दिनांक 29.07.2025 को प्रार्थी बद्रीलाल पिता रामलाल वैष्णव निवासी जाटो का खेडा आजादनगर थाना प्रतापनगर भीलवाडा ने रिपोर्ट दी और बताया की आरोपी 1. सम्पत सिहं 2. बालु सिंह 3. सरफराज उर्फ शेरू 4. फरजन 5. गोवर्धन द्वारा प्रार्थी के नाम पर एक ट्रक है जिसको उक्त आरोपियों द्वारा गिरोह बनाकर षडयंत्र पुर्वक किरायानामा, इकरार नामा लिखवाकर किराये पर ले लिया व किराए का तकाजा करने पर कहा कि हमने तेरा वाहन षडयंत्र पुर्वक किराये पर ले लिया है जिसको हम खुर्दबुर्द कर देंगें। आरोपियों द्वारा सोची समझी साजिश के तहत षडयंत्र रचकर प्रार्थी को धोखा देने की नियत से वाहन व दस्तावेजो को अमानतन प्राप्त कर उसे खुर्दबुर्द कर दिया और मेरे साथ धोखाधडी की है। उक्त रिपोर्ट पर मामला दर्ज कर जांच शुरू की । गठित टीम द्वारा आरोपियों की लगातार गलत सूचना एकत्रित कर टीम द्वारा भरसक प्रयास कर आरोपी मो. सरफराज उर्फ शेरू व गोवर्धन को गिरफ्तार किया गया। अन्य आरोपियों की तलाश जारी है।

बच्चों को पाने के लिए रोती मां का बुरा हाल, बच्चों की बरामदगी को लेकर एसपी से लगाई न्याय की गुहार

गुलाबपुरा पुलिस पर लगाया लापरवाही का आरोप

स्मार्ट हलचल| पुनित चपलोत

भीलवाड़ा। भीलवाड़ा जिला पुलिस अधीक्षक कार्यालय पर एक लाचार मां न्याय की गुहार लगाने के लिए पहुंची इस दौरान पीड़िता ने पुलिस अधीक्षक को रिपोर्ट भी दी जिसमें एक महिला ने आरोप लगाया है कि अदालत से अभिरक्षा मिलने के बावजूद गुलाबपुरा थाने की पुलिस उसके नाबालिग बच्चों को उसे सौंप नहीं रही है। किरण कंवर ने पुलिस अधीक्षक को दिए प्रार्थनापत्र में कहा कि पति दौलत सिंह ने मारपीट कर उसे घर से निकालने के बाद बच्चों की झूठी गुमशुदगी दर्ज कराई थी। बाद में कोर्ट ने इक्कीस अप्रैल को तीनों बच्चों को मां की अभिरक्षा में देने का आदेश जारी किया।

किरण का आरोप है कि पुलिसकर्मी ससुराल वालों से मिले हुए हैं और घर ले जाकर भी बच्चों को दिखाने या बरामद कराने के बजाय उन्हें बाहर ही वाहन में बैठाए रखा। किरण ने कहा कि पुलिस से बार बार गुहार करने के बाद भी कार्रवाई नहीं हो रही है जबकि उन्होंने अपनी बच्ची को ससुराल के बाहर खेलते हुए भी देखा।

महिला ने आरोप लगाया की उसके पति ने उस पर दो तीन बार हमला भी किया जब उसने थाने में रिपोर्ट दी तो पुलिस ने मेडिकल रिपोर्ट नही होने का हवाला देकर मामले को दबा दिया गया । महिला ने बताया की उसके बच्चे यही विजयनगर में एक निजी स्कूल में पढ़ते है लेकिन फिर भी उसे बताया जाता है की उसके बच्चे बाहर चेन्नई है यहां नही है । महिला ने बताया की उसने अपने बच्चो को पाने के लिए भीलवाड़ा एसपी और एडिशनल एसपी कार्यालय के कई चक्कर लगाए लेकिन फिर भी न्याय नहीं मिल रहा है ।

पीड़िता किरण कंवर ने कहा कि मेरा विवाह दौलत सिंह से हुआ जिससे हमारी तीन संतान हुई । शादी के बाद मेरे पति ने मेरे साथ और मेरे बच्चों के साथ मारपीट करके मुझे घर से बाहर निकाल दिया इसको लेकर हमने गुलाबपुरा थाने में भी मामला दर्ज करवाया है और बाद में उसके पति दौलत सिह ने उसके कुछ साथियों के साथ मिलकर उसके बच्चों का अपहरण लिया । इसके बाद से ही मैं अपने बच्चों से ना तो मिल पा रही हूं ना ही उन्हें देख पा रही हूं। मेरे पास जिला कलेक्टर और एसडीम ऑफिस से आदेश होने के बावजूद भी गुलाबपुरा थाना पुलिस कार्यवाही नहीं कर रही है। मैं करीब 5 बार एसपी ऑफिस के चक्कर लगा चुकी हूं। और मुझे यहां से वहां घुमाया जा रहा है। मेरा पति कोर्ट से आदेश होने के बाद भी कोर्ट से बच्चों को छीन कर लेकर चला गया वहां पर पुलिस और सब लोग मौजूद थे लेकिन किसी ने कुछ नहीं कहा मेरा पति मुझे मेरे बच्चों से मिलने नहीं दे रहा है और मुझे वह बार-बार धमकियां दे रहा है अगर मुझे न्याय नही मिला तो अब मेरे पास मरने के अलावा और कोई चारा नहीं बचा है।

किरण ने सोमवार को पुलिस अधीक्षक कार्यालय पहुंचकर पुनः पुलिस अधीक्षक से मांग की है कि पुलिस लाइन से स्वतंत्र जाप्ता भेजकर तीनों बच्चों को बरामद कर उन्हें सौंपा जाए।

नाबालिग से रेप का आरोपित कमलेश 20 साल के कठोर कारावास और 55 हजार के जुर्माने से दंडित

स्मार्ट हलचल

भीलवाड़ा। विशिष्ट न्यायाधीश (पॉक्सो 2) अर्चना मिश्रा ने नाबालिग से रेप और पोक्सो एक्ट के आरोप में बड़लियास निवासी कमलेश पुत्र सत्यनारायण ढोली को 20 साल के कठोर कारावास और 55 हजार रुपये के अर्थदंड से दंडित किया है।

विशिष्ट लोक अभियोजक अनिल कुमार शुक्ला ने बताया कि एक पीडिता ने बड़लियास थाने में उपस्थित होकर रिपोर्ट दी कि 28 अप्रैल 2022 को वह अपने घर में बड़ी बहन के साथ सो रही थी। सुबह 5-6 बजे बड़ी बहन चाय बनाने के लिए कमरे से बाहर गई। इस दौरान घर का दरवाजा खुला था। मौका पाकर आरोपित कमलेश घर में घुस आया और कमरे का दरवाजा अंदर से बंद कर लिया। इस आरोपित ने पीडिता के साथ्त जबरन रेप किया। पीडिता की चीख-पुकार सुनकर उसके बहन व भाई दौडक़र आये। उन्होंने आरोपित कमलेश को मौके पर ही पकड़ लिया और पुलिस को सूचना दी।

पुलिस मौके पर पहुंची और आरोपित को पकड़ लिया। पुलिस ने केस दर्ज कर आरोपित के खिलाफ रेप व पोक्सो एक्ट की धाराओं के तहत न्यायालय में चार्जशीट पेश की। न्यायालय में ट्रायल के दौरान अभियोजन पक्ष की ओर से 18 गवाह और 21 दस्तावेज पेश कर कमलेश पर लगे आरोप सिद्ध करवाये। ट्रायल पूरी होने पर न्यायालय ने आरोपित कमलेश को 20 साल के कठोर कारावास और 55 हजार रुपये के अर्थदंड से दंकित किया।

दुष्कर्म के आरोप में 6 साल से फरार ईनामी गिरफ्तार

स्मार्ट हलचल | भीलवाड़ा

कोतवाली थाना पुलिस ने दुष्कर्म के आरोप में 6 साल से फरार चल रहे 10 हजार रूपये के ईनामी अपराधी को गिरफ्तार किया है । पुलिस थाना चंदेरीया जिला चितोडगढ में 15 साल व थाना सुभाषनगर, भीलवाडा में 5 साल से धोखाधडी के मामले मे भी फरार आरोपी फरार चल रहा था । पुलिस के अनुसार अपराधी नरेश शर्मा अपनी महिला मित्र के साथ नाम बदलकर नवाबगंज, बरेली उत्तरप्रदेष में फरारी काट रहा था। एसपी धर्मेन्द्र सिंह

द्वारा फरार स्थाई वारंटीयों की गिरफ्तारी हेतु पारस जैन आरपीएस अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक, मुख्यालय के निर्देशन में और कोतवाली थाना प्रभारी सुनील चैधरी के नेतृत्व में विषेश टीम का गठन किया गया। गठित टीम के सदस्य हैड कांस्टेबल ओमप्रकाश चैधरी ने कडी लगन व मेहनत से कार्य करते हुये गुप्त सूचना के आधार पर बीएलओ बनकर नवाबगंज, बरेली उत्तरप्रदेश में अपनी महिला मित्र के साथ नाम बदलकर नरेश शर्मा से राजेश शर्मा के नाम से फरारी काट रहे नरेश पिता गणपत ओझा निवासी बस्सी थाना विजयपुर हाल हाउसिंग बोर्ड गांधीनगर थाना कोतवाली जिला चितोडगढ को गिरफ्तार किया। टीम में सुनील चैधरी थानाधिकारी थाना कोतवाली, हैड कांस्टेबल ओमप्रकाश चौधरी जिला विषेश टीम (विषेश योगदान), हैड कांस्टेबल मुकेश कुमार शामिल थे।

भाजपा पदाधिकारियों ने पुलिस उपाधीक्षक से की शिष्टाचार भेंटवार्ता

स्मार्ट हलचल | गंगापुर

भाजपा नगर अध्यक्ष अमित तिवाड़ी के नेतृत्व में भाजपा पदाधिकारियों ने गंगापुर पुलिस उपाधीक्षक सुदर्शन पालीवाल से शिष्टाचार भेंट की। क्षेत्र में ह रहे अपराधों पर अंकुश लगाने की मांग की। इस दौरान मोतीलाल गहलोत, मुरली मनोहर भट्ट, विजयलक्ष्मी जीनगर, पवन टेलर, जमनेश खटीक, रमेश साहू, निखिल हेड़ा, आशुतोष सहित पदाधिकारी उपस्थित रहे।

ट्रेक्टर से टक्कर मार, कुचलकर हत्या करने के आरोप में एक गिरफ्तार

स्मार्ट हलचल | भीलवाड़ा

सदर थाना पुलिस ने ट्रेक्टर से टक्कर मार, कुचलकर हत्या करने के आरोप मे 1 आरोपी को गिरफ्तार किया द्वारा अपराधो की रोकथाम के लिए निरन्तर चलाये जा रहे अभियान के तहत् एएसपी पारसमल जैन मुख्यालय भीलवाडा के निर्देशन व माधव उपाध्याय आई.पी.एस सहायक पुलिस आयुक्त सदर भीलवाडा के निकटतम सुवरवीजन मे उक्त कार्यवाही कि गई। पुलिस थाना सदर पर दिनांक 29.11.2025 कों सुबह प्रियदर्षनी नगर के पास, सुवाणा हलेड रोड के पास करीब 50 मीटर की दुरी पर खाली भुमि पर एक व्यक्ति की लाश पडी है की सूचना मिली उक्त सुचना पर थानाधिकारी, थाना सदर व पुलिस टीम ने मौके पर पहुंच घटनास्थल का निरीक्षण कर घटनास्थल से करीब 100 मीटर दुरी खडी एक स्कुटी के नम्बर प्लेट पर अंकित रजि.नं की जानकारी राजकॉप ऐप से कि गई तो पता चला कि मृतक का नाम महेन्द्र सिंह पुत्र छीतर सिह पंवार जाति रावणा राजपुत निवासी मकान 10 डी 39, तिलक नगर भीलवाडा है। जिसके परिजनो को सुचना करने पर परिजन मौके पर आये। जिन्होने ने मृतक की शिनाख्त कर रूपये के लेनदेन एवं अवैध सम्बंधो के कारण हत्या करने की आशंका जताई मौके पर सहायक पुलिस अधीक्षक माधव उपाध्याय आई.पी.एस एवं एफ.एस.एल. एवं एम.ओ.बी टीम नें घटनास्थल का निरीक्षण किया। मृतक महेन्द्र सिंह की लाश को मोर्चरी एम.जी.एच अस्पताल भीलवाडा मे रखवाई और मेडिकल बॉर्ड से पोस्टमार्टम करवाया गया एवं मतृक के पुत्र की रिपोर्ट पर अज्ञात लोगो के विरूद्व हत्या का मामला दर्ज किया गया। मौके के हालात पोस्टमार्टम के आधार एवं एफएसएल युनिट द्वारा घटनास्थल के वैज्ञानिक जांच पडताल से पाया कि मृतक को पीछा कर किसी वाहन सें टक्कर मार कर हत्या कि गई । टीम ने अज्ञात हत्या के आरोपी की तलाश के लिए थाना स्तर पर टीम का गठन कर आस पास के सी.सी.टी.वी कैमरे देखते हुयें मृतक की पृष्ठभुमि के आधार पर सभी पहुलओं पर जांच करते हुयें, मृतक के परिजनों और दोस्तो से पुछताछ और जांच से सभी पहलुओ पर अनुसंधान किया । करीब 20 से अधिक संदिग्ध व्यक्तियो से पुछताछ कि गई और शक के दायरे मे आये रामेश्वर पुत्र रामचंद्र जाट उम्र 40 साल निवासी लक्ष्मीपुरा थाना बनेडा भीलवाडा को हिरासत मे लेकर मनौवैज्ञानिक तरीके से पुछताछ कि गई तो उसके द्वारा अपने ट्रेक्टर से टक्कर मार कर हत्या करना पाया गया। आरोपी रामेश्वर और मृतक महेन्द्र सिंह दोनो दोस्त होकर पिछले करीब 7-8 सालो से दुध डेयरी के धंधे मे पार्टनर थे। जिनके बीच रूपयो का लेनदेन होता रहता था। इसी दौरान आरोपी रामेश्वर जाट की पत्नि से मृतक महेन्द्र सिंह के अवैध सम्बंध बन गये थे और आरोपी महेन्द्र सिंह के प्रियदर्षनी नगर मे स्थित मकान में प्रत्येक रविवार को मिलने लग गये जिसकी जानकारी आरोपी रामेश्वर लाल को तीन माह पुर्व हुई तों उसने महेन्द्र को अपनी दोस्ती का हवाला देकर उसकी पत्नि से दुर रहने की सलाह दी तो महेन्द्र ने उसको धमकी दी कि वह उसके बीच मे नही आये वरना व उसकी पत्नि की बदनामी कर देगा और उसके इकलौते पुत्र की हत्या कर देगा। इसी वजह से आरोपी रामेश्वर ने योजना बनाई कि वह अपने मित्र महेन्द्र सिंह की हत्या कर देगा। दोस्त होने से उसका महेन्द्र सिंह की प्रत्येक गतिविधी की जानकारी थी उसने काफी सोच समझकर मॉर्निंग वॉक की आदत के अनुसार उसे वही ट्रेक्टर से टक्कर मार कर कुचल कर उसकी हत्या करना ही सबसे अच्छा तरीका लगा। आरोपी ने रात को सभी के सोने के बाद करीब दो बजे अपने ट्रेक्टर से निकल कर कच्चे रास्ते से सुवाणा हलेड मार्ग पर पहुंच कर वहॉ इंतजार कर घात लगाकर बैठा रहा और जैसे ही महेन्द्र वहॉ मार्निंग वॉक करने सडक पर आया तों आरोपी ने अपने ट्रेक्टर से टक्कर मारी, महेन्द्र बचने के लिये खेतो की तरफ भागा तो उसने ट्रेक्टर से पीछा कर उसके पीछे टक्कर मारी और उसके ट्रेक्टर के आगे के टायरो के नीचे कुचल दिया जिसके बाद आरोपी अपने ट्रेक्टर को लेकर मौके से भाग कर अपने घर पहुंच दैनिक दिनचर्या के काम करने लग गया जिससे कि किसी को उस पर कोई शक नही हो परन्तु मुखबीर की सुचना, और सुझबुझ से किये अनुसंधान और पुछताछ के बाद आरोपी रामेश्वर जाट को गिरफ्तार किया गया। टीम में

कैलाश कुमार विष्नोई थानाधिकारी थाना सदर भीलवाडा, राजेन्द्र सिंह ए.एस.आई पुलिस थाना सदर भीलवाडा, हैड कांस्टेबल रोहिताश्व, मुकेश कुमार, भंवर सिंह गुर्जर । (विषेश योगदान), कमल किशोर (विषेश योगदान), गजराज (विषेश योगदान), भगवानदान, महादेव, महेन्द्र शामिल थे ।

रायला सीनियर स्कूल के बाहर फिर से पनपा अतिक्रमण, प्रशासन की लापरवाही उजागर

स्मार्ट हलचल | रायला

.रायला सीनियर स्कूल के बाहर अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई कुछ दिन पहले ही प्रशासन द्वारा की गई थी और संबंधित लोगों को नोटिस भी जारी किए गए थे, लेकिन इसके बावजूद हालात जस के तस बने हुए हैं। अतिक्रमियों पर कार्यवाही का कोई असर नहीं दिख रहा है।

स्थानीय लोगों का कहना है कि प्रशासनिक अधिकारी अब इस ओर कोई ध्यान नहीं दे रहे हैं, जिससे उनकी लापरवाही साफ झलकती है। पुलिस प्रशासन भी मौन बना हुआ है, जिसके कारण स्कूल में प्रवेश का रास्ता लगभग बंद हो गया है।

जिम्मेदार अधिकारियों की चुप्पी और कार्रवाई न होने से लोगों में रोष बढ़ता जा रहा है। ग्रामीण जन प्रशासन से तुरंत कार्रवाई कर स्कूल के बाहर लगने वाले अतिक्रमण को हटाने की मांग कर रहे हैं।

मोखुंदा: बदहालियों से घिरा 'आदर्श पंचायत' का ताज

बस स्टैंड से लेकर नालियों तक... हर ओर अव्यवस्था, ग्रामीण परेशान–प्रशासन बेपरवाह

स्मार्ट हलचल

रायपुर। उपखंड की सबसे बड़ी ग्राम पंचायत मोखुंदा, जिसे वर्षों तक 'आदर्श पंचायत' के रूप में पहचाना जाता रहा, आज समस्याओं का ऐसा अड्डा बन चुकी है जहाँ विकास नाम की चीज़ सिर्फ फाइलों में दिखाई देती है। ग्रामीणों की शिकायतों के बाद भी पंचायत प्रशासन की चुप्पी अब गुस्से में बदल रही है।

बस स्टैंड: गंदगी का ढेर, यात्रियों को न सुविधा न सुरक्षा

मोखुंदा बस स्टैंड से प्रतिदिन 30 से अधिक बसों का आवागमन होता है। गंगापुर, फतेहनगर, कुँवारिया, आमेट, देवगढ़, मारवाड़ सहित कई मार्गों की बसें यहां से गुजरती हैं। लेकिन इतनी भीड़ और

आवाजाही के बावजूद सार्वजनिक शौचालय दुर्दशा की हद पार कर चुका है बाहर तक फैली गंदगी अंदर जाना नामुमकिन महिलाओं के लिए पूरी तरह असुरक्षित पुरुष खुले में उपयोग करने को मजबूर पंचायत की देखरेख में बना यह सुविधा घर आज 'शर्म का प्रतीक' बन गया है। नालियाँ जाम, सड़क पर बहता गंदा पानी–स्कूली बच्चों की सेहत खतरे में पंचायत में तैनात 2-3 सफाई कर्मियों को मासिक 21,000 प्रतिमाह दिया जा रहा है, लेकिन वास्तविक स्थिति इसके बिलकुल उलट है अधिकतर नालियाँ कचरे और प्लास्टिक से भरी जगह-जगह पानी ठहरा गंदा पानी सड़क पर बहता दिखता है आए दिन मच्छरों का प्रकोप स्कूल आने-जाने वाले बच्चों पर सबसे अधिक असर

ग्रामीणों की लगातार शिकायतों के बाद भी पंचायत पूर्णतः खामोश बनी हुई है। 5 साल से अतिक्रमण पर 'कार्रवाई शून्य' बस स्टैंड चौराहे की कीमती पंचायत भूमि पर अतिक्रमण वर्षों से जस का तस है।

ग्रामीणों ने कई बार शिकायतें दर्ज करवाई, लेकिन कार्रवाई के नाम पर शून्य परिणाम। अतिक्रमण के कारण यह क्षेत्र अब पूरी तरह अनुपयोगी बन गया है। मुख्य प्रवेश द्वार–गंदगी ने दीवार पर कब्जा जमा रखा गंगापुर की ओर से आने वाला मोखुंदा का मुख्य प्रवेश द्वार अब गंदगी से सराबोर है। नालियों की सफाई महीनों से नहीं हुई। यहीं नहीं–आवारा गोवंश, सूअर और कुत्तों का आतंक भी लगातार बढ़ता जा रहा है। व्यापारी और वहां रहने वाले परिवार परेशान हैं। सड़क लाइटें ठप, रात में अंधेरा–पंचायत बिजली बिल तक नहीं भर पा रही गाँव के मुख्य मार्ग और सार्वजनिक स्थानों पर लगी स्ट्रीट लाइटें लंबे समय से बंद पड़ी हैं। पंचायत पर बिजली बिल का बकाया बढ़ता जा रहा है।

ग्रामीण अंधेरे में निकलने को मजबूर हैं। ग्रामीणों का सवाल–विकास का पैसा आखिर जाता कहाँ है? सोशल मीडिया प्रभारी मो. अशरफ रंगरेज सहित ग्रामीणों ने बताया कि मोखुंदा पंचायत में अव्यवस्थाएँ इतनी बढ़ चुकी हैं कि अब आवाज़ उठाना मजबूरी बन गई है। लोगों का कहना है 'आदर्श पंचायत नाम की थी... पर काम में 'आदर्श' कहीं दिखाई नहीं देता। ' मोखुंदा की आवाज अब उठ चुकी है प्रशासन कब जागेगा?

सरदारपुरा को ग्राम पंचायत का मुख्यालय बनाने की मांग

स्मार्ट हलचल

शाहपुरा। सरदारपुरा के ग्रामीणों ने नवसृजित ग्राम पंचायत साखलिया के प्रस्ताव पर कड़ी आपत्ति जताते हुए अतिरिक्त कलेक्टर प्रकाश चन्द्र रेगर व उपखण्ड अधिकारी सुनील मीणा को ज्ञापन सौपा।

ग्रामीणों का कहना है की सरदारपुरा में 975 मतदाता है जबकि साखलिया में मात्र 773 मतदाता है।मतदाताओं की संख्या के आधार पर सरदारपुरा को ही नई पंचायत का मुख्यालय बनाया जाए।ज्ञापन में बताया कि साखलिया, श्रीनगर व सुदर्शन पुरा जाने का मुख्य रास्ता सरदारपुरा से होके जाता है।सरदारपुरा में सरकारी भवन बनाने के लिए राजकीय भूमि भी उपलब्ध है।यदि सरदारपुरा को मुख्यालय का दर्जा नही दिया जाता है तो ग्रामीण आगामी पंचायत चुनाव का बहिष्कार करेगी।साथ ही मांग की गई है कि यदि सरदारपुरा मुख्यालय नही बन सकता है तो उसे पुरानी पंचायत अरनिया घोड़ा में ही रखा जाए।ज्ञापन सौपने वाले में दलीचंद गुर्जर, बबलू गुर्जर, बन्ना लाल, नारायण गुर्जर, रंग लाल गुर्जर, विनोद गुर्जर, कमलेश गुर्जर, कन्हैया लाल गुर्जर, मौहन, निर्मल, लादू, गणेश, कान्हा, सावरिया, लादू, महावीर आदि उपस्थित रहे।

टीईटी निर्णय पर पुनर्विचार की मांग

राजस्थान शिक्षक संघ (राष्ट्रीय) शाहपुरा ने सांसद को सौंपा ज्ञापन

स्मार्ट हलचल

शाहपुरा। सर्वोच्च न्यायालय द्वारा दिए गए हालिया टीईटी संबंधी निर्णय को भविष्य लक्षी रूप से लागू करने तथा वर्तमान में चयनित एवं कार्यरत शिक्षकों के हितों की रक्षा हेतु राजस्थान शिक्षक संघ (राष्ट्रीय) ने केंद्र सरकार के हस्तक्षेप की मांग की है। इसी क्रम में प्रदेश नेतृत्व के निर्देशानुसार राजस्थान शिक्षक संघ राष्ट्रीय जिला शाहपुरा की ओर से एक प्रतिनिधि मंडल ने सांसद अग्रवाल को ज्ञापन सौंपा।

ज्ञापन में आग्रह किया गया कि सर्वोच्च न्यायालय के निर्णय के विरुद्ध पुनर्विचार याचिका दायर कर राज्य के हजारों शिक्षकों के भविष्य को सुरक्षित किया जाए और उनकी सेवा पर किसी भी प्रकार का प्रतिकूल प्रभाव न पड़े।

जिला अध्यक्ष महेश कुमार शर्मा के नेतृत्व में भीलवाड़ा सांसद दामोदर अग्रवाल को यह ज्ञापन सौंपा गया। प्रतिनिधि मंडल में संगठन के जिला मंत्री संजीव कुमार शाहपुरा उप शाखा अध्यक्ष अमर सिंह चौहान जिला सह संगठन मंत्री सीताराम चौधरी जिला मीडिया प्रभारी हनुमान प्रसाद शर्मा शामिल रहे। राजस्थान शिक्षक संघ (राष्ट्रीय) ने कहा कि टीईटी निर्णय से उत्पन्न परिस्थिति को देखते हुए केंद्र स्तर पर त्वरित एवं संवेदनात्मक निर्णय आवश्यक है, जिससे राज्य के शिक्षकों का भविष्य सुरक्षित रह सके।

स्वामी विवेकानंद राजकीय मॉडल स्कूल में विरासत प्रदर्शनी

पुरानी मुद्राओं, डाक टिकटों और दुर्लभ संग्रहों ने बच्चों को किया प्रेरित

स्मार्ट हलचल

शाहपुरा। स्वामी विवेकानंद राजकीय मॉडल स्कूल, शाहपुरा में सोमवार को एक अनोखी व ज्ञानवर्धक प्रदर्शनी का आयोजन किया गया, जिसमें पुराने सिक्कों, डाक टिकटों, विदेशी मुद्राओं और विभिन्न ऐतिहासिक संग्रहों को विद्यार्थियों के लिए प्रदर्शित किया गया। यह प्रदर्शनी स्वतंत्रता सेनानी पंडित लादूराम व्यास के सुपुत्र तथा विख्यात संग्रहकर्ता सोमेश्वर व्यास द्वारा किए गए वर्षों के अथक संकलन पर आधारित रही।

मीडिया प्रभारी डॉ. परमेश्वर प्रसाद कुमावत ने बताया कि सोमेश्वर व्यास ने अपने जीवन के कई वर्षों में विभिन्न देशों की मुद्राएं, दुर्लभ सिक्के, ऐतिहासिक डाक टिकट, अलग-अलग तरह के मैच बॉक्स कार्ड और शाहपुरा राजपरिवार से जुड़े दस्तावेजों सहित अनमोल धरोहरें संजोकर रखी हैं। इन्हीं संग्रहों को पहली बार विद्यालय स्तर पर बच्चों के लिए प्रदर्शित किया गया, जिससे विद्यार्थियों में ऐतिहासिक वस्तुओं के प्रति रुचि जागृत हो सके।

प्रदर्शनी का उद्घाटन विद्यालय

के प्राचार्य ईश्वर लाल मीणा द्वारा किया गया। उन्होंने इस पहल को अत्यंत सराहनीय बताते हुए कहा कि 'सोमेश्वर व्यास जी का यह संकलन केवल पुरानी वस्तुओं का संग्रह मात्र नहीं है, बल्कि यह बच्चों के लिए प्रेरणा का अद्भुत स्रोत है। इस प्रदर्शनी से विद्यार्थियों को सिक्कों के इतिहास, मुद्राओं की विविधता, डाक टिकटों पर अंकित महापुरुषों के बारे में जानने का अवसर मिल रहा है। '

मीणा ने आगे कहा कि शाहपुरा राजाधिराज द्वारा समय-समय पर जारी किए गए आदेश पत्र, फुलिया गेट की ऐतिहासिक चाबी तथा अन्य दुर्लभ वस्तुएं बच्चों को अपने इतिहास और विरासत को समझने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगी।

इस दौरान संग्रहकर्ता सोमेश्वर व्यास ने उपस्थित विद्यार्थियों की जिज्ञासाओं का समाधान करते हुए बताया कि उन्होंने इन सभी वस्तुओं को वर्षों की मेहनत, शोध और रुचि से एकत्रित किया है। उन्होंने बच्चों को समझाया कि पुरानी वस्तुएं केवल दिखने भर की नहीं, बल्कि इतिहास और संस्कृति की गवाही देती हैं।

प्रदर्शनी में रखे गए विभिन्न प्रकार के सिक्के, विदेशी मुद्राएं, डाक टिकट और मैच बॉक्स कार्ड बच्चों के लिए सबसे बड़ा आकर्षण रहे। विद्यार्थी बार-बार इन वस्तुओं को देखने और उनके बारे में जानकारी लेने के लिए उत्सुक दिखाई दिए। कक्षा 6 से 12 तक के विद्यार्थियों ने प्रदर्शनी का गहराई से अवलोकन किया और कई बच्चों ने अपने जीवन में भी किसी न किसी प्रकार का संग्रह शुरू करने का संकल्प व्यक्त किया। प्रदर्शनी ने बच्चों में न केवल इतिहास और विरासत के प्रति प्रेम बढ़ाया, बल्कि उन्हें ज्ञानार्जन की नई दिशा भी प्रदान की।

विद्यालय प्रशासन ने बताया कि भविष्य में भी ऐसे कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे, जिससे छात्रों में रचनात्मकता और सीखने की उत्सुकता बढ़ सके।

जबरकिया गवर्नमेंट स्कूल में एसएमसी का गठन, महावीर जाट कैप्टन बने अध्यक्ष

स्मार्ट हलचल| भीलवाड़ा

आसींद क्षेत्र के जबरकिया ग्राम स्थित राजकीय स्कूल में सोमवार को नई स्कूल प्रबंधन समिति (एसएमसी) का गठन किया गया! पूर्व समिति का कार्यकाल पूरा होने के बाद यह नई समिति सर्वसम्मति से चुनी गई। इस नए एसएमसी में महावीर जाट कैप्टन को अध्यक्ष चुना गया।नेहरू युवा संस्थान अध्यक्ष भेरू लाल गुर्जर ने बताया कि पूर्व एसएमसी का कार्यकाल पूरा होने के बाद नई एसएमसी के गठन का उद्देश्य स्कूल की शैक्षणिक गुणवत्ता और अन्य व्यवस्थाओं में और सुधार लाना है । और इस एसएमसी के गठन की यह प्रक्रिया शिक्षक अभिभावकों की उपस्थिति में पूरी पारदर्शिता के साथ संपन्न हुई। इस अवसर पर आयोजित बैठक में प्रधानाध्यापक बलवीर मीणा, प्रकाशशर्मा, घनश्याम कुमावत, भंवर लाल,महादेव जाट, महावीर कसाणा, मनोज गुर्जर,गोपाल जाट अमरचंद जाट,श्याम लाल शर्मा, उगमलाल जाट, सुखपाल जाट, रामस्वरुप जाट, ईश्वरलाल जाट, महेंद्र कसाना, गणपत मारू, और कई ग्रामीण मौजूद रहे।

मांडव ऋषि की तपोभूमि मांडकला में होगा धाकड़ समाज सेवा समिति 108 गांव का प्रतिभा सम्मान समारोह

स्मार्ट हलचल। महेंद्र सैनी

नगर फोर्ट कर्मचारी परिषद प्रवक्ता राकेश धाकड़ जरखोदा ने बताया कि धाकड़ समाज सेवा समिति 108 गांव की बैठक का आयोजन परिषद अध्यक्ष परसीराम नागर की अध्यक्षता में धाकड़ समाज छात्रावास नैनवां पर हुआ जिसमे 108 गांव के धाकड़ कर्मचारी बंधुओ ने भाग लिया तथा आगामी प्रतिभा सम्मान समारोह 28 दिसंबर 2025 को मांडव ऋषि की तपोभूमि लघु पुष्कर मांडकला में भगवान श्री धरणीधर मंदिर परिसर में आयोजित करने का निर्णय लिया गया।सम्मान समारोह की व्यवस्थाओं हेतु आगामी 7 दिसंबर को बैठक का आयोजन किया जाना तय किया।बैठक में पूर्व अध्यक्ष समेत कई कर्मचारी बंधु उपस्थित रहें।

कांग्रेस अजा विभाग में रायला के डॉ. आर.सी. सामरिया को बड़ी जिम्मेदारी

प्रदेश उपाध्यक्ष नियुक्ति पर रायला में आतिशबाजी, माला पहनाकर स्वागत

स्मार्ट हलचल

शाहपुरा। बनेड़ा विधानसभा क्षेत्र के वरिष्ठ कांग्रेस नेता एवं पूर्व सीएमएचओ डॉ. आर.सी. सामरिया को राजस्थान प्रदेश कांग्रेस कमेटी अनुसूचित जाति विभाग का प्रदेश उपाध्यक्ष नियुक्त किया गया है। जैसे ही यह जानकारी रायला पहुंची, पूरे क्षेत्र में उत्साह की लहर दौड़ गई। कांग्रेस कार्यकर्ताओं और ग्रामीणों ने डॉ. सामरिया का माला पहनाकर, साफा बंधवाकर तथा आतिशबाजी कर भव्य स्वागत किया।

अजा विभाग के राष्ट्रीय अध्यक्ष राजेंद्र पाल गौतम द्वारा जारी सूची

के मुताबिक डॉ. सामरिया को यह महत्वपूर्ण जिम्मेदारी सौंपी गई है। नियुक्ति की खबर मिलते ही समर्थकों ने रायला में एक-दूसरे को मिठाई खिलाकर खुशी जाहिर की और इसे रायला क्षेत्र के लिए गौरव का क्षण बताया।

नेतृत्व में मजबूती और चुनावी तैयारी का संदेश--

नियुक्ति के बाद डॉ. आर.सी. सामरिया ने कहा कि प्रदेश अध्यक्ष डॉ. ममता भूपेश के नेतृत्व में वे अनुसूचित जाति वर्ग को कांग्रेस के पक्ष में लामबंद करेंगे।

उन्होंने कहा कि आगामी पंचायत एवं निकाय चुनावों में कांग्रेस पार्टी के समर्थन में माहौल बनाते हुए पार्टी को मजबूत विजय दिलाना ही उनका प्रमुख लक्ष्य रहेगा।

रायला में नेताओं की मौजूदगी ने बढ़ाया उत्साह--

डॉ. सामरिया के अभिनंदन कार्यक्रम में रायला सरपंच प्रतिनिधि जगदीश प्रसाद जाट, सीआर प्रत्याशी साक्षी सुरेश गुर्जर, जिला कांग्रेस कमेटी उपाध्यक्ष रामजस जाट, कांग्रेस मंडल अध्यक्ष नितेश कुमार जाट, पूर्व सरपंच राकेश कोगटा, तरुण टॉक सेटू खटीक, राधेश्याम कोगटा, महावीर प्रसाद गग्गड, विनोद लढ़ा, भूपेंद्र चैधरी, महबूब खान, इस्लाम खान, शिवराज माली सहित समस्त ग्रामवासी बड़ी संख्या में मौजूद रहे।

जहाजपुर को मिली 13.34 करोड़ की आधुनिक फल-सब्जी मंडी

स्मार्ट हलचल

जहाजपुर। विकास के दावे अक्सर हवा में तैरते रहते हैं लेकिन जहाजपुर में तस्वीर कुछ और ही दिख रही है। विधायक गोपीचंद मीणा ने बिना ढोल-नगाड़े, बिना बड़े वादों के ऐसा काम करवा दिया जिसे लोग लंबे समय से सिर्फ सुन ही रहे थे। नगर पालिका क्षेत्र में आधुनिक फल एवं सब्जी मंडी निर्माण के लिए 13.34 करोड़ रुपये की वित्तीय स्वीकृति जारी होकर क्षेत्र में नई ऊर्जा भर गई है।

बिना कहे काम, कहकर नहीं करके दिखाया

विधायक गोपीचंद मीणा के प्रयासों से मंजूर हुई इस योजना पर उन्होंने विपक्ष पर हल्का कटाक्ष भी किया। उन्होंने कहा 'हम वो डायलॉग नहीं बोलते कि 'जो कह दिया वो कर दिया', हम तो वो काम करते हैं जो कहा भी नहीं... लेकिन कर के दिखा देते हैं। 'नई फल-सब्जी मंडी से

किसानों को बेहतर बिक्री वातावरण, व्यापारियों को सुविधाजनक ढांचा,और जनता को साफ-सुथरी, आधुनिक खरीद व्यवस्था मिलेगी।

विधायक मीणा ने कहा कि मंडी का निर्माण क्वालिटी के साथ तय समय में पूरा कराया जाएगा। यह कदम जहाजपुर को विकास की नई पटरी पर ले जाने की तैयारी है। यह निर्णय न केवल आर्थिक गतिविधियों को बढ़ावा देगा बल्कि रोजगार, व्यापार और इंफ्रास्ट्रक्चर में भी नई संभावनाएं खोलेगा। क्षेत्रीय विकास की दिशा में यह पहल एक मील का पत्थर मानी जा रही है।

संगीत प्रेमियों ने दी बॉलीवुड के 'ही-मैन' सुपरस्टार दिवंगत धर्मेंद्र को संगीतमय श्रद्धांजलि

संगीत आदमी को मानसिक व शारीरिक शांति के साथ रोगों से दूर भी रखता है : त्रिलोक चंद छाबड़ा

27वें सप्ताह आयोजित हुई विशेष संगीत गोष्ठी, यह दोस्ती हम नहीं तोड़ेंगे गाकर किया धर्मेन्द्रमय माहौल

स्मार्ट हलचल

भीलवाडा। शहर के संगीत प्रेमी मित्रों की ओर से बॉलीवुड के ही-मैन सुपरस्टार दिवंगत फिल्म अभिनेता धर्मेंद्र को श्रद्धांजलि अर्पित करने के लिए एक विशेष संगीत गोष्ठी का आयोजन किया गया। इन संगीत प्रेमियों ने अपने मधुर स्वरों से ही-मैन धर्मेंद्र पर फिल्माए गए गीतों को गाकर उन्हें भावभीनी श्रद्धांजलि समर्पित की। रेखा कोठारी ने बताया कि यह संगीत गोष्ठी पिछले 27 हफ्तों से लगातार प्रत्येक रविवार को अनवरत रूप से चल रही है। इसमें सभी संगीत प्रेमी मित्र अपने-अपने गीतों को गाकर संगीत का आनंद लेते हैं। कार्यक्रम का शुभारंभ आरसीएम

के तिलोकचंद छाबड़ा, राजस्थानी सिनिंग एंड विंग्स के सीनियर वाइस प्रेसिडेंट विनोद मेहता एवं मुकेश कोठारी ने द्वीप प्रज्वलित कर प्रभु स्तुति के साथ किया।

इस संगीत गोष्ठी में 25 से अधिक धर्मेंद्र पर फिल्माए गए गीतों पर स्वर देकर श्रद्धांजलि दी गई। मुख्य अतिथि त्रिलोक चंद छाबड़ा ने बताया कि संगीत आदमी को मानसिक व शारीरिक शांति के साथ रोगों से दूर भी रखता है। मुकेश कोठारी ने बताया की संगीत ध्यान का सर्वश्रेष्ठ साधन है जिसमें आदमी हर समय आनंदित रहता है। धर्मेंद्र को दी श्रद्धांजलि में श्याम बिरला ने में या जट यमला पगला दीवाना... संजीव लोढ़ा ने रफ्ता रफ्ता देखो.. हितेंद्र सोमानी ने ड्रीम गर्ल किसी शायर की गजल.. राजेंद्र टावरी ने.. यह दिन तुम बिन कहीं लगता नहीं... तो सुभाष चुग ..आज मौसम बड़ा बेईमान है, दीपक मिश्रा ने बहारों ने मेरा चमन लुट कर... मुकेश पटौदी में कहीं कवि ना बन जाऊं... सुनील दाधीच ना जा कहीं अब ना जा तो पुखराज सोनी हम बेवफा हरगिज़ न थे.. दीपक मिश्रा साथिया नहीं जाना.. सूरज सक्सैना य दिल है मोहब्बत का प्यासा ...संजय मिश्रा मुझको इस रात की तनहाई में आवाज ना दो.. तो अजय मूंदड़ा तुम्हें जिंदगी के उजाले मुबारक.. वीणा मोदी ने मैं तेरे इश्क में.. तो मनमोहन सोनी ने ओ मेरी महबूबा.. कृष्णा लढा मिलती है जिंदगी में मोहब्बत कभी-कभी.. पुरुषोत्तम नथरानी यह रात यह चांदनी फिर कहां ...अशोक अजमेरा प्यार के इस खेल में... डॉक्टर कैलाश काबरा गाड़ी बुला रही है सीटी बजा रही है... तो डॉक्टर सुभाष सिंघल आपके हसीन रूप पर... रतन खोईवाल ने नागिन सा रूप तेरा राजेंद्र सुराणा ने झिलमिल सितारों का आंगन होगा सुरेश नाथ रानी ने पहला नशा पहला खुमार आदि सदाबहार गानों की प्रस्तुतियां देकर खूब वाहवाही बटोरी। सभी आए हुए श्रोताओं ने इस कार्यक्रम की प्रशंसा की। इस प्रकार उक से बढकर एक प्रस्तुतियां देकर माहौल को धर्मेंद्रमय बना दिया। अंत में सभी ने एक साथ उनका सदाबहार दोस्ती का गीत यह दोस्ती हम नहीं तोडेंगे छोड़ेंगे मगर तेरा साथ ना तोड़ेंगे करके कार्यक्रम का समापन किया। कार्यक्रम का संचालन अजय मूंदड़ा एवं पुखराज सोनी ने किया।

विद्यार्थियों को दी कानूनी जानकारी

स्मार्ट हलचल

रायपुर। महात्मा गांधी राजकीय विद्यालय में विद्यार्थियों को कानूनी जानकारी दी गई ।

संस्था प्रधान नवीन कुमार बाबेल ने बताया कि तालुका विधिक सेवा समिति गंगापुर के नारायण लाल सरगरा ने विद्यार्थियों को कानूनी जानकारी देते हुए कहा कि वर्तमान में बढ़ते साइबर क्राइम से विशेष सतर्कता रखने की आवश्यकता है। शिकायत हेल्पलाइन नंबर 1930 महिला सुरक्षा हेल्पलाइन नंबर 181, 1090, 1091 का उपयोग करने की सलाह दी । साथ ही एड्स से सुरक्षित रहने के उपाय भी बताए।

पुलिस से नोकझोंक, पुतला दहन और नारेबाजी—एनएसयूआई का उग्र प्रदर्शन, प्रशासन को सौंपी मांगों की सूची

स्मार्ट हलचल | चित्तौड़गढ़

वर्तमान शासन-प्रशासन की नीतियों के विरोध में एनएसयूआई के पदाधिकारियों व कार्यकर्ताओं ने सोमवार, 1 दिसम्बर को जोरदार विरोध प्रदर्शन करते हुए जिला कलक्टर को राज्यपाल के नाम तीन सूत्रीय मांगों का ज्ञापन सौंपा। प्रदर्शन के दौरान छात्रों में बेरोजगारी, शिक्षा संस्थानों में स्टाफ की कमी तथा वोटर सूची में कथित अनियमितताओं को लेकर गहरा आक्रोश देखने को मिला।

एनएसयूआई ने ज्ञापन में कहा कि सरकारी नीतियों के कारण प्रदेश में बेरोजगारी तेजी से बढ़ रही है, जिससे युवा गंभीर रूप से प्रभावित हो रहे हैं। संगठन ने मांग की कि जिले सहित पूरे प्रदेश में बढ़ती बेरोजगारी पर रोक लगाने के लिए ठोस कदम उठाए जाएँ। दूसरी मांग में जिले के महाविद्यालयों व विद्यालयों में स्टाफ की भारी कमी का मुद्दा उठाया गया। छात्रों का कहना है कि शिक्षकों एवं कर्मियों की कमी से शैक्षणिक व्यवस्था बुरी तरह प्रभावित हो रही है, जिसे तत्काल प्रभाव से सुधारा जाना चाहिए।

तीसरी मांग में एनएसयूआई ने वोटर सूची में नए जुड़े और कटे हुए वोटों की पारदर्शिता सुनिश्चित करने की बात कही। संगठन का आरोप है कि 'वोट चोरी' के मुद्दे को लेकर आमजन में रोष है, ऐसे में प्रशासन पूर्ण ईमानदारी के साथ प्रक्रिया को सार्वजनिक करे। ज्ञापन सौंपने से पहले एनएसयूआई कार्यकर्ताओं ने कलक्टर चौराहे पर प्रदर्शन करते हुए मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा का पुतला दहन किया। इसी दौरान कार्यकर्ताओं द्वारा कलक्टर कार्यालय में प्रवेश का प्रयास करने पर पुलिस ने बैरिकेड्स लगाए, जिससे हल्की झड़प जैसी स्थिति बन गई। बाद में पुलिस की समझाइश और कुछ प्रतिनिधियों को कार्यालय में भीतर जाने की अनुमति देने के बाद स्थिति शांत हो गई।

जिला कलक्टर की ओर से अतिरिक्त जिला कलक्टर प्रभा गौतम कार्यालय से बाहर आकर छात्रों से मिलीं, उनकी समस्याएँ सुनीं और ज्ञापन ग्रहण किया। एनएसयूआई ने चेतावनी दी कि यदि मांगों का समयबद्ध समाधान नहीं किया गया तो आंदोलन को और उग्र रूप दिया जाएगा। इस दौरान विभिन्न थानों के पुलिस निरीक्षक,उपाधीक्षक, उपनिरीक्षक, अतिरिक्त पुलिस उपनिरीक्षक सहित भारी संख्या में पुलिस जाप्ता तैनात रहा।

पुष्कर में कचरे की मनमानी! नियमों की खुलेआम उड़ रही धज्जियां

स्मार्ट हलचल

पुष्कर/अजमेर। शहर में डोर-टू-डोर कचरा प्रबंधन के नियमों की जिम्मेदार कंपनियां खुलेआम उल्लंघन कर रही हैं, और सड़कें बन रही हैं खुले कचरे के ढेर। नियम स्पष्ट हैं - कचरे को ढक कर ही परिवहन किया जाए। लेकिन वास्तविकता कुछ और ही है।

स्थानीय लोगों ने बताया कि कचरा वाहन पूरे मार्ग में खुले में चल रहे हैं और कचरा सड़क पर बिखर रहा है। न तो किसी वाहन में भरने की मात्रा तय है, न ही नियमों का पालन। कंपनियां 'घास काटने का काम' दिखाकर नियमों की धज्जियां

उड़ा रही हैं।

इस मनमानी और लापरवाही के चलते न सिर्फ शहर गंदगी की चादर तले दबा हुआ है, बल्कि स्वास्थ्य और सुरक्षा के लिए भी गंभीर खतरा उत्पन्न हो गया है। नगर परिषद और जिम्मेदार अधिकारी मौन साधे हैं।

कर्म का कौशल ही योग -आचार्य माधव

स्मार्ट हलचल

सोजत । गीता जयन्ती के अवसर पर माधव शास्त्री ने कहा कि गीता में श्रीकृष्ण ने बताया कि सभी धर्मों को एक साथ लेकर चलने पर बल दिया और कहा कि सर्वधर्मान् परिशुद्धय मामेकं शरणं व्रज सभी धर्मों को अपने आचरण से खुद को पवित्र करते हुए अपने धर्म का पालन करना चाहिए।

श्रीकृष्ण ने बताया कि व्यक्ति अपने नित्य आचरण में तन शुद्धि, मन शुद्धि , वाणी शुद्धि, धृति शुद्धि,आहार शुद्धि और बुद्धि शुद्धि पर विशेष ध्यान दे मात्र ऐसा करने पर वह अपने माने जाने वाले धर्म-कर्म में भी पवित्रता का सार करने में समर्थ हो सम्पूर्ण भौतिक जगत के लिए कल्याण कारी हो सकता

है। आहार शुद्धि सबका मूल रूप है अतः आहार में सात्विक भोजन प्रभावी है अतः अपना भोजन ताज़ा और शाकाहारी के साथ ऋतभुक्, हितभुक्, मितभुक् अर्थात उपवास करें, अपने शरीर के हित के लिए ही खायें और थोड़ा खायें इससे शरीर में सत्त्व गुण बढ़ता है जिसके कारण सभी दुःखों की निवृत्ति हो अपने कर्म में कौशल प्रकट हो सकता है।

महिलाओं को स्वछता व एफएसटीपी के फायदों की दी जानकारी

स्मार्ट हलचल | गंगापुर

राजस्थान नगरीय आधारभूत विकास परियोजना आरयूआईडीपी की सामुदायिक जागरूकता एवं जन सहभागिता इकाई के जागरूकता कार्यक्रम के तहत परियोजना कार्यो की जानकारी गुजर चौक के वार्ड नं 2 मे स्वच्छता जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। महिलाओ को स्वच्छता का महत्व बताया, महिलाओं की स्वच्छता समग्र स्वास्थ्य और तंदुरुस्ती के लिए ज़रूरी है। उचित देखभाल संक्रमणों से बचाव, आत्मविश्वास बढ़ाने और स्वस्थ जीवनशैली को बढ़ावा देने में मदद करती है। कई महिलाएं इसको नज़र अंदाज़ कर देती हैं, जिससे असुविधा और स्वास्थ्य संबंधी समस्याएँ हो सकती हैं। नियमित स्वास्थ्य जांचः स्वास्थ्य जांच के महत्व के बारे में बताएं ताकि बिमारियो जेसी समस्याओं को पहले ही रोका जा सके। महिलाओं को स्वास्थ्य, सुरक्षा और अधिकारों के प्रति जागरूक रहने के लिए बताया, और उन्हें व्यक्तिगत सुरक्षा के बताये। इसके अतिरिक्त, उन्हें शिक्षा, शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य,के महत्व के बारे में बताया समूह चर्चा कर महिलाओं को जानकारी दी गई।

कार्यक्रम में सहायक सामजिक विकास आधिकारी रेखा खटीक ने उपस्थित महिलाओ को बताया कि आपके घरों के सेप्टिक टैंकों से निकलने वाले मल जल को टैंकों में भरकर रायपुर रोड़ नेहरु नगर में बन रहे एफएसटीपी में ले जाया जाएगा, वहां इसको ट्रीट कर खाद बनाया जाएगा और खेती में उपयोग लिया जाएगा। इस कार्यक्रम में शारदा शर्मा, चंदा शर्मा , मंगनी देवी, देऊ देवी, चेतन शर्मा,मोनिका, प्रियंका का सहयोग रहा।

सर्वजातीय सामूहिक विवाह में सात जोड़ों ने लिए फेरे

स्मार्ट हलचल

शाहपुरा। नीमराना-नगर पालिका मे श्री सिद्ध सेवा धाम मांढ़ण व श्री रामनाथ अलग सेवा समिति शाहपुरा के संयुक्त तत्वाधान में रविवार रात्रि सर्व समाज के साथ सात जोड़ों का सामूहिक विवाह सम्मेलन किया गया। इस कार्यक्रम का शुभारंभ थाने के पास से सिद्ध सेवा धाम के महंत अनिल पुरोहित व श्री रामनाथ अलग सेवा समिति के प्रदेश अध्यक्ष रामावतार वर्मा के द्वारा हरी झंडी दिखाकर बारात को रवाना किया। सामूहिक विवाह के दूल्हे घोड़ी पर रवाना हुए।

कार्यक्रम में सभी बारातीयों का श्री रामनाथ अलग सेवा समिति नीमराना के संयोजक नवीन जेवरिया के द्वारा

समिति की ओर से स्वागत किया गया। विद्वान पंडितो के द्वारा फेरा कार्यक्रम किया गया। इस कार्यक्रम में सभी अतिथियो ने आशीर्वाद दिया। इस कार्यक्रम में डॉक्टर संजय मेहरा मनेठी, समाजसेवी रविंदर यादव, एडवोकेट अशोक पनवाल सरपंच, इंद्रजीत सरपंच ताजपुर, पूर्व प्रधान बलवान सिंह यादव, डॉक्टर ज्ञानचंद हड्डी रोग विशेषज्ञ सतीश हॉस्पिटल नीमराना,नीमराना पूर्व सरपंच अशोक मुदगल,सरपंच रविंद्र हाथी,समाजसेवी नीरज गुप्ता, समिति के दलीचंद सोलंकी, घिलोट धाम के कृष्ण भगत, राजस्थान मेगा ट्रेड फेयर के संयोजक रामचंद्र,वीर सिंह यादव रहे। विभिन्न क्षेत्रों से आए कुल सात जोड़ों का समारोह के दौरान सामाजिक सद्भाव समानता और सहयोग का अद्भुत दृश्य देखने को मिला नव दंपतियों को खुशी वैवाहिक जीवन का आशीर्वाद देकर नम् आंखों से विदाई दी गई। मंच का संचालन नागेंद्र खंडेलवाल ।

श्री रामनाथ अलग सेवा समिति के व सिद्ध सेवा धाम मांढ़ण के श्री रामनाथ अलग सेवा समिति के नीमराना के अध्यक्ष सतीश मुद्गल पूर्व सरपंच,गौतम महाराज,श्री अलग सेवा समिति के प्रदेश अध्यक्ष रामावतार वर्मा,इस कार्यक्रम के संयोजक नवीन जेवरिया,पूर्व सरपंच, पूर्व सरपंच अशोक मुद्गल समिति के जिला अध्यक्ष सुनील रंगेरा,मीडिया प्रभारी रिंकू बड़सीवाल,दलीचंद सोलंकी, वीर सिंह ईटकान,सतीश बड़सीवाल, विनोद बड़सीवाल, पीटीआई सतवीर यादव अन्य भगत व ग्रामीण मौजूद रहे।

पैदल घर लौट रहे मजदूर की मौत, अज्ञात वाहन चालक के खिलाफ मामला दर्ज

स्मार्ट हलचल

सादुलपुर। राष्ट्रीय राजमार्ग संख्या 52 पर गोठ्या बड़ी रोही क्षेत्र में रविवार देर शाम हुई एक सड़क दुर्घटना में एक मजदूर की मौत हो गई। पुलिस ने मृतक के परिजन की शिकायत पर अज्ञात वाहन चालक के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की धाराओं के तहत मामला दर्ज कर लिया है और जांच शुरू कर दी है।

इन्दासर निवासी 52 वर्षीय सुभाष 30 नवंबर 2025 को मजदूरी करके पैदल अपने घर लौट रहे थे। शाम करीब 7:00 बजे जब वे नीलकंठ होटल के पास पहुंचे, तभी किसी तेज रफ्तार अज्ञात वाहन ने उन्हें टक्कर मार दी। टक्कर इतनी भीषण थी कि सुभाष सड़क किनारे मृत अवस्था में पाए गए। घटना की सूचना मिलने पर, मृतक के चचेरे भाई दलवीर (47) अन्य परिजनों के साथ मौके पर पहुंचे और पुलिस को सूचित किया। दलवीर ने सोमवार, 1 दिसंबर 2025 को राजगढ़ थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई। उन्होंने कहा कि अज्ञात वाहन की टक्कर से ही सुभाष की मृत्यु हुई है, और उन्होंने पुलिस से कानूनी कार्रवाई की मांग की।राजगढ़ थानाधिकारी ने बताया कि प्राप्त रिपोर्ट के आधार पर, अज्ञात वाहन चालक के विरुद्ध धारा 281 (तेजी या लापरवाही से वाहन चलाना) और धारा 106(1)बी (दुर्घटना के बाद सूचना दिए बिना भाग जाना) के तहत अभियोग दर्ज कर लिया गया है। मामले का अनुसंधान सहायक उपनिरीक्षक (सउनि) श्यामलाल को सौंपा गया है।

ऑपरेशन सागर बंधुः भारत ने फिर दिखाई 'पड़ोसी' के प्रति सच्ची मित्रता

स्मार्ट हलचल | कोलंबो

श्रीलंका में आए भीषण चक्रवाती तूफान 'डिटवा' ने भारी तबाही मचाई है, जिसके बाद पड़ोसी देश के कई जिलों में भयंकर बाढ़ और भूस्खलन से जनजीवन ठप हो चुका है। भारत ने एक बार फिर इस आपदा की घड़ी में 'पड़ोसी प्रथम' की नीति पर चलते हुए पड़ोसी देश के प्रति अपनी सच्ची मित्रता दिखाई है। भारत ने तत्काल मदद के लिए ऑपरेशन सागर बंधु शुरू किया है, जो इस तबाही के बाद पड़ोसी देश की मदद के लिए एक बड़ा मानवीय मिशन है।

इस ऑपरेशन का मकसद श्रीलंका के राहत कामों में मदद करना और इस आपदा में फंसे भारतीय नागरिकों की सुरक्षा पक्का करना है। विदेश मंत्री डॉ. एस. जयशंकर ने मिशन शुरू होने की पुष्टि की, जिसमें आईएनएस उदयगिरी और आईएनएस विक्रांत राहत सामग्री की पहली खेप सौंपने के लिए कोलंबो पहुंचे।

भारत की मानवीय मदद तेजी से और कई फेज में पहुंचाई गई है। शुरुआती खेप में 4.5 टन सूखा

राशन, 2 टन ताजा राशन और दो नेवी जहाजों द्वारा सौंपी गई दूसरी जरूरी सप्लाई शामिल थी। इसके बाद एक सी-130 जे एयरक्राफ्ट लगभग 12 टन राहत का सामान लेकर पहुंचा, जिसमें टेंट, तिरपाल, कंबल, हाइजीन किट और खाने के लिए तैयार खाने की चीजें थीं। 29 नवंबर को, एक आईएल-76 9 टन एक्स्ट्रा सप्लाई और दो अर्बन सर्च एंड रेस्क्यू टीमों के साथ उतरा, जिसमें 80 एनडीआरएफ के जवान थे। एक और सी-130 जे 30 नवंबर को लगभग 10 टन डिजास्टर-रिस्पॉन्स सामान, भीष्म क्यूब्स और ऑन-ग्राउंड सपोर्ट और ट्रेनिंग के लिए एक मेडिकल टीम लेकर पहुंचा।

एरियल सपोर्ट और रेस्क्यू ऑपरेशन साथ-साथ चलाए गए हैं। इस बीच डॉ. जयशंकर ने 'एक्स' पर कहा आईएनएस विक्रांत से दो चेतक हेलीकॉप्टर श्रीलंकाई लोगों को लेकर सर्च और रेस्क्यू ऑपरेशन के लिए रवाना हुए। कोलंबो स्थित भारतीय उच्चायोग ने बताया कोलंबो में इंडियन हाई कमीशन कोलंबो के बंदरनायके इंटरनेशनल एयरपोर्ट पर फंसे हुए इंडियन पैसेंजर्स की मदद कर रहा है। एयर ट्रैफिक में भारी रुकावटों के चलते, मुश्किलों का सामना कर रहे इंडियन पैसेंजर्स को खाना, पानी और दूसरी मदद दी जा रही है।

29 नवंबर को उच्चायोग ने कहा था आईएनएस विक्रांत के चेतक हेलीकॉप्टरों ने आज श्रीलंका में सर्च और रेस्क्यू उड़ानें भरीं और साइक्लोन डिटवा से प्रभावित लोगों की मदद की। भारत इस मुश्किल समय में श्रीलंका के साथ मजबूती से खड़ा है और जान बचाने तथा समय पर राहत पहुंचाने के लिए मिलकर काम कर रहा है।

इससे पहले 30 नवंबर को लोगों को निकालने की कोशिशें शुरू हुईं, जब इंडियन हाई कमीशन और इंडियन एयर फोर्स ने फंसे हुए नागरिकों को घर लाने के लिए समन्वय किया। 247 यात्रियों को लेकर एक आईएल-76 तिरुवनंतपुरम के लिए रवाना हुआ, जबकि एक सी-130 जे ने 76 यात्रियों को दिल्ली पहुंचाया। कोलंबो के भंडारनायके इंटरनेशनल एयरपोर्ट पर फंसे भारतीयों के आखिरी बैच, 104 यात्रियों को तिरुवनंतपुरम ले जाया गया, जो ऑपरेशन सागर बंधु के तहत भारत के तीव्र और कोऑर्डिनेटेड इवैक्युएशन की दिशा में एक अहम कदम है।

पेड़ पर लटका मिला युवक का शव

स्मार्ट हलचल

कानपुर। तीन दोस्तों के साथ घर से निकले युवक का शव आज सोमवार को सचेंडी थाना क्षेत्र में पेड़ पर लड़का मिला। परिजनों ने उसकी हत्या किए जाने का आरोप लगाते हुए जमकर बवाल भी किया, जिस पर मौके पर पहुंची पुलिस ने उनको समझ बुझाकर शांत कराया। पुलिस ने बताया कि उसकी लाश को पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया है ,जिसकी रिपोर्ट के आधार पर ही अग्रिम कार्रवाई की जाएगी। घटना में पुलिस और फोरेंसिक टीम ने भी साक्ष्य एकत्रित किए।

परिजनों ने गांव के कुछ युवकों पर हत्या कर शव लटकाने का आरोप लगाया है। पुलिस और फोरेंसिक टीम ने घटना की जांच पड़ताल कर साक्ष्य एकत्रित किए हैं। दोस्तों और उनके परिजनों से पूछताछ की जा रही है।

घटना के बारे में प्राप्त विवरण के मुताबिक बिठूर के तिवारीपुर गांव के मजरे बनी निवासी गौरव उर्फ मनीष तिवारी (28) प्राइवेट नौकरी करता था।

पुलिस ने बताया कि परिवार में पिता रामदत्त तिवारी और छोटा भाई सौरभ है। मां की मौत करीब दस साल पहले हो चुकी है। गौरव का शव सोमवार सुबह सचेंडी के रैकेपुर इलाके में रिंग रोड के पास स्थित खेतों में नीम के पेड़ से इनर के सहारे लटका मिला। जानकारी मिलते ही इलाके में हड़कंप मच गया। जानकारी पाकर मौके पर पहुंचे परिजनों ने गांव के ही युवकों पर हत्या कर शव को पेड़ से लटकाने का आरोप लगाया है। पुलिस ने परिजनों को कार्रवाई का आश्वासन देकर शांत कराया। छोटे भाई सौरभ के मुताबिक गौरव रविवार सुबह घर से गांव के तीन युवकों के साथ निकला था। शाम तक वापस नहीं आया तो खोजबीन की। सुबह मौत की सूचना मिली। पुलिस ने बताया कि परिजन जो आरोप लगा रहे हैं। उस आधार पर जांच कराई जा रही है। इसके लिए पोस्टमार्टम रिपोर्ट का भी इंतजार किया जा रहा है।

सैनी महासभा समिति ने प्रधानमंत्री के नाम एसडीएम को ज्ञापन सौंपा

स्मार्ट हलचल | बानसूर

सैनी महासभा समिति के सदस्यों ने प्रधानमंत्री के नाम उपखंड अधिकारी अनुराग हरित को ज्ञापन सौंपा। ओर समिति के सदस्यों ने बताया कि महात्मा ज्योतिबा फुले पर आपत्ति जनक टिप्पणी के विरोध में कार्रवाई की मांग की है। सैनी महासभा समिति अध्यक्ष निरंजन लाल सैनी ने बताया कि 28 नवम्बर 2025 को सौशल मिडिया पर स्वामी आनंद स्वरूप नामक आईडी से महापुरुष ज्योतिबा फुले पर आपत्ति जनक शब्दों का इस्तेमाल किया गया जिससे समाज में आक्रोश व्याप्त है।इसको लेकर समाज के लोगो ने कार्रवाई की मांग की है।इस अवसर पर सुरेश सैनी, रोहिताश्व सैनी, ताराचंद सैनी,खिल्लू सैनी सहित समाज के गणमान्य लोग मौजूद रहे।

विश्व एड्स दिवस पर विभिन्न जागरूकता कार्यक्रम आयोजित हुए, दिया एड्स बचाव व नशा मुक्ति का संदेश

कन्या महाविद्यालय में व्याख्यान सत्र आयोजित, कोदूकोटा व मुरारका शूटिंग में स्वास्थ्य जांच, मेडिकल कॉलेज में आईईसी प्रदर्शनी का हुआ आयोजन

स्मार्ट हलचल

भीलवाडा। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. रामकेश गुर्जर ने बताया कि जिलेभर में एचआईवी जागरूकता, स्वास्थ्य सुरक्षा और नशा मुक्ति संदेश को लेकर विभिन्न संस्थानों एवं विभागों द्वारा अनेकों जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए गए। इस दौरान लिंक वर्कर स्कीम, जिला एड्स नियंत्रण इकाई, एआरटी सेंटर, टीआई इकाइयों एवं शैक्षणिक संस्थानों के संयुक्त प्रयास से आमजन व युवा वर्ग में व्यापक संदेश पहुंचाया गया। सेठ मुरलीधर मानसिंहका राजकीय कन्या महाविद्यालय में एनएसएस की चारों इकाइयों द्वारा एक दिवसीय शिविर का आयोजन किया गया। जिसकी अध्यक्षता महाविद्यालय प्राचार्य प्रो. सावन कुमार जांगिड ने की। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि डॉ. प्रदीप कटारिया और जिला एड्स कार्यक्रम अधिकारी हरलाल मीणा ने एचआईवी, टीबी, एआरटी दवाओं और रोकथाम से संबंधित महत्वपूर्ण

जानकारियां दीं। इस दौरान डॉ. प्रदीप कटारिया ने महाविद्यालय में एचआईवी संक्रमण, टीबी के लक्षण, दोनों रोगों से जुड़े भ्रांतियों, उपचार प्रक्रियाओं, एआरटी दवा एवं सीडी-4 जांच के महत्व पर विस्तारपूर्वक जानकारी दी। आईपीइएस संस्था से मुस्कान लुधानी ने पीपीटी के माध्यम से एड्स बचाव पर जानकारी दी और छात्राओं के लिए प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता हुई। जिसमें विजेता छात्राओं को पुरस्कृत किया गया। हरलाल मीणा ने बताया कि एचआईवी/एड्स से संबंधित जानकारी 1097 टोल-फ्री नंबर पर उपलब्ध है और कहा कि एचआईवी संक्रमण से बचाव ही सबसे बड़ा उपचार है। कार्यक्रम के द्वितीय सत्र में नई किरण नशा मुक्ति केंद्र व एनएसएस के संयुक्त तत्वावधान में नशा मुक्ति विषय पर व्याख्यान हुआ।

हरलाल मीणा ने नशे के दुष्प्रभाव बताते हुए कहा कि नशे की लत न केवल स्वास्थ्य को बल्कि परिवार और भविष्य को भी गंभीर रूप से प्रभावित करती है। उन्होंने छात्राओं से नशे से दूर रहने तथा समाज में जागरूकता फैलाने का आह्वान किया। प्राचार्य प्रो. जांगिड ने कहा कि एचआईवी संबंधी जागरूकता की कमी व सामाजिक भ्रांतियां आज भी एक बड़ी चुनौती बनी हुई हैं। उन्होंने छात्राओं से समाज में भेदभाव समाप्त करने तथा स्वास्थ्य सुरक्षा का संदेश फैलाने का आग्रह किया। कार्यक्रम में एनएसएस अधिकारी रीना सालोंदिया, गौरव कारवाल, संकाय सदस्य एवं आइडियल पब्लिक संस्थान से रेखा सेन, अमित शर्मा एवं कलावती सहित अन्य पदाधिकारी, लेखा सहायक योगेश कुमार सहित अन्य कार्मिक उपस्थित रहे। संचालन डॉ. अंजली अग्रवाल ने किया और धन्यवाद ज्ञापन कृष्ण कुमार मीणा द्वारा दिया गया।

कोदूकोटा में एचआईवी स्क्रीनिंग कैंप आयोजित

विश्व एड्स दिवस पर लिंक वर्कर स्कीम के तहत कोदूकोटा गांव के बस स्टैंड पर एचआईवी स्क्रीनिंग कैंप का आयोजन किया गया, जिसमें कुल 28 व्यक्तियों की जांच की गई। लोगों को एचआईवी रोकथाम, संक्रमण के रास्तों एवं उपचार संबंधी जानकारी भी प्रदान की गई।

मेडिकल कॉलेज में आईईसी एग्जीबिशन का आयोजन-

एआरटी सेंटर के सहयोग से मेडिकल कॉलेज के ओपीडी परिसर में विश्व एड्स दिवस पर आईईसी प्रदर्शनी लगाई गई। प्रदर्शनी में एचआईवी/एड्स से संबंधित पोस्टर, मॉडल, जानकारी व परामर्श के माध्यम से विद्यार्थियों एवं मरीजों को जागरूक कर एचआईवी रोकथाम और उपचार संबंधी जानकारी दी गई।

मुरारका शूटिंग लिमिटेड में स्वास्थ्य जांच शिविर आयोजित-

टीआई गम्स इकाई द्वारा माइग्रेंट्स साइट-मुरारका शूटिंग लिमिटेड, रीको फेज सेकंड, पुर रोड-पर स्वास्थ्य जांच शिविर एवं आईईसी गतिविधियों का आयोजन किया गया। श्रमिकों को एचआईवी रोकथाम, सुरक्षित व्यवहार एवं उपचार सुविधाओं के बारे में विस्तार से बताया गया।

भारतीय वॉलीबॉल संघ महासचिव रामानंद चौधरी का जताया आभार

स्मार्ट हलचल | उदयपुर

उदयपुर के महाकाल खेल मैदान पर पहली बार होने जा रहे खेलो इंडिया गेम्स 2025 यूनिवर्सिटी बीच वॉलीबॉल प्रतियोगिता में शिरकत करने पर भारतीय वॉलीबॉल संघ के महासचिव रामानंद चौधरी का जिला वॉलीबॉल संघ के पदाधिकारियों एवं वॉलीबॉल के खिलाड़ियों ने भव्य स्वागत कर आभार जताया। चौधरी ने खेलो इंडिया में बीच वॉलीबॉल प्रतियोगिता के लिए उदयपुर को मेजबानी मिलने पर सभी को बधाई दी। संघ के सचिव हेमराज सोनवाल ने बताया कि जिला संघ पदाधिकारी मनोज सरसिया ने महासचिव रामानंद चौधरी का तिलक, पगड़ी अपर्णा पहना के स्वागत किया।

इस अवसर पर गुरु वशिष्ठ अवॉर्डी प्रशिक्षक अशोक चौधरी, मोहन शर्मा, पुनीत पांड्या, प्रकाश माली, बलवंत चौधरी, अनुभव कोदली, नरेश पालीवाल, रोशन पटेल, बसंत भावसार, शशांक जोशी, गोपाल मेहता, राजकुमार खटीक, विनोद मेनारिया, धनराज चांवरिया, राजेश छापरवाल, नेहा कोदली एवं अनेक खिलाड़ीगण मौजूद रहे। सोनवाल ने बताया कि उदयपुर में प्रथम बार हुए इस वृहद स्तरीय आयोजन को लेकर खिलाड़ियों और उदयपुर खेल प्रेमियों में काफी उत्साह देखा गया।

शातिर अन्तर्राज्यीय वाहन चोर गैंग का खुलासा, कार बरामद

स्मार्ट हलचल| बूंदी

जिला पुलिस अधीक्षक बून्दी राजेन्द्र कुमार मीणा ने बताया की थानाधिकारी पुलिस थाना सदर के नेतृत्व मे गठित पुलिस टीम द्वारा संपत्ति संबंधी अपराधों की रोकथाम हेतु प्रभावी कार्यवाही करते हुए वाहन चोरी के गिरोह का पर्दाफाश करते हुए 02 मास्टर माईण्ड अपराधियो (1). रामप्रसाद उर्फ राजवीर पुत्र प्रभुलाल जाति मीणा उम्र 30 साल निवासी जयलाल पुरा थाना बोली जिला सवाईमोधोपुर राजस्थान (2.) देवीलाल पुत्र दलीचन्द जाति प्रजापत उम्र 29 साल निवासी मैवासा की ढाणी थाना निम्बाहेडा सदर जिला चितौडगढ राजस्थान को गिरफ्तार कर चोरी गई एक इको कार को बरामद करने मे सफलता प्राप्त की है ।

सदर थाना इलाका मे न्यु मानसरोवर कॉलोनी चितौड रोड बून्दी से दिनांक 19.1.2024 को एक इको कार चोरी हुई थी , शहर व थाने इलाका मे हुये चोरियो के मुकदमे दर्ज कर अरोपियान की तलाश हेतु टीमो का गठन किया गया एंव करीब 50-60 स्थानो मे शहर व हाईवे पर सीसीटीवी फुटेज कैमरे देखे जाकर 02 आरोपियो की गिरफ्तार किया गया। इत्यादी रिपोर्ट पर प्रकरण दर्ज कर अनुसंधान किया गया ।

जिला पुलिस अधीक्षक बून्दी द्वारा संपत्ति संबंधी अपराधिक घटनाओं पर प्रभावी अंकुश लगाते हुए अपराधियों की त्वरित गिरफ्तारी कर चोरिना माल की शत प्रतिशत रिकवरी के निर्देश दिये गये थे। उक्त निर्देशो की पालना अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक बून्दी उमा शर्मा के मार्गदर्शन व अरुण कुमार मिश्रा वृताधिकारी बून्दी के निकटतम सुपरविजन में रमेश आर्य पुलिस निरीक्षक थानाधिकारी थाना सदर के नेतृत्व में पुलिस टीम का गठन किया गया । पुलिस टीम द्वारा घटनास्थल का बारीकी से निरिक्षण किया गया, तकनीकी साक्ष्यो का संकलन कर तकनीकी,मनोवैज्ञानिक, मुखबिर व आसूचना संकलन करते हुए मुलजिमान को तलाश किया जाकर घटना को अंजाम देने वाले 02 मास्टर माईण्ड मुल्जिमो को गिरफ्तार करने के साथ घटना मे चोरी की गई एक इको कार को बरामद करने मे सफलता प्राप्त की है ।

प्रकरण में गिरफ्तारशुद्धा अभियुक्तगण आपराधिक प्रवृत्ति के शातिर अपराधी है। जो पुर्व में भी चोरी के मामलो मे चालानशुद्धा अपराधी है। मुलजिमान अलग-अलग राज्यो मे चोरी की वारदाते करते है तथा चोरी किये गये वाहनो को ओने पोने दाम मे बेच देते है तथा इससे होने वाली आय से मोज मस्ती , महगे शोक पुरे करते हुये विलासिता पूर्ण जीवन जीते है। रामप्रसाद उर्फ राजवीर मीणा के विरुद्व चोरी के 51 प्रकरण दर्ज तथा मुलजिम देवीलाल प्रजापत के खिलाफ अन्य धाराओ मे 4 प्रकरण दर्ज है। आरोपीगण अन्तराज्यीय चोर गेंग के सक्रिय आरोपी है। आरोपियो द्वारा विशेष रुप से गुडगाँव व जयपुर मे चोरी की अधिकतर वारदाते की गई है। आरोपी रामप्रसाद उर्फ राजवीर ने पुछताछ के दौरान बताया कि पोलोटेकनिकल की डिग्री प्राप्त की हुई है तथा इनके द्वारा विशेष रुप से हुण्डई कम्पनी की कारो की चोरी की जाती है जिसमे विशेष रुप से क्रेटा कार को ही अपना निशाना बनाते है। आरोपियो द्वारा कार का लॉक तोडने के लिये ङ्क- 'ह्हरुनाम का डिवाईस का प्रयोग किया जाता है जिसके माध्यम से आरोपीगण द्वारा कार के साप्टवेयर सिस्टम को हैक करके उसको ईरेज कर दिया जाता है तथा 'ह्हरु के माध्यम से नया सिस्टम जनरेट करके कार का लॉक आसानी से 3 से 4 मिनट मे खोलकर कर गाडी को चालू कर चोरी करके ले जाते है।

4 नाबालिग बालिकाएं एवं एक नाबालिग बालक बाल श्रम से मुक्त

स्मार्ट हलचल| बूंदी

प्राप्त सूचना के आधार पर चाइल्डलाइन बूंदी की टीम मनजीत कौर, रवि प्रजापत एवं अर्चना मीणा ने पुलिस सहायता के साथ इंदिरा मार्केट क्षेत्र में निर्माणाधीन सड़क पर बाल श्रम में संलग्न नाबालिग बच्चों के संबंध में त्वरित कार्यवाही की।

मौके पर पहुँचकर टीम ने श्रम कार्य कर रहे कुल चार नाबालिग बालिकाओं एवं एक नाबालिग बालक को बाल श्रम की स्थिति से सुरक्षित रूप से रेस्क्यू किया। सभी बच्चे निर्माणाधीन सड़क पर भारी श्रम कार्य कर रहे थे।

प्राथमिक पूछताछ में बच्चों ने बताया कि वे मध्य प्रदेश के निवासी हैं तथा लगभग 15 दिनों से बूंदी में कार्यरत हैं। इंदिरा मार्केट क्षेत्र में वे पिछले चार दिनों से प्रतिदिन लगभग 9 घंटे श्रम कार्य कर रहे थे। बच्चों को कार्यस्थल पर सुरक्षा, भोजन, विश्राम अथवा किसी प्रकार की बाल संरक्षण व्यवस्था उपलब्ध नहीं थी।

रेस्क्यू के पश्चात सभी बच्चों को सुरक्षित परिवेश प्रदान करते हुए आवश्यक चिकित्सकीय जाँच, परामर्श तथा काउंसलिंग की प्रक्रिया सुनिश्चित की जा रही है। आगे की विधिक कार्रवाई बाल श्रम निषेध एवं विनियमन अधिनियम तथा जेजे एक्ट, 2015 के प्रावधानों के अनुसार बाल कल्याण समिति की समक्ष प्रस्तुत कर दिया गया है ।

चाइल्डलाइन बूंदी द्वारा पुनः जनमानस से अपील की जाती है कि किसी भी स्थान पर बाल श्रम, बाल शोषण, बाल विवाह या बच्चों से संबंधित किसी भी प्रकार की प्रतिकूल स्थिति देखे जाने पर तुरंत 1098 चाइल्ड हेल्पलाइन पर सूचना दें। आपकी एक सूचना किसी बच्चे के जीवन को सुरक्षित बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकती है।

सक्षम लोग सरकार के गिव अभियान के तहत अपना खाद्य सुरक्षा का राशन कार्ड सेरेंडर करें

स्मार्ट हलचल

भवानी मंडी। सक्षम लोग अपना खाद्य सुरक्षा का राशन कार्ड राज्य सरकार की गिव अप योजना के तहत सरेंडर करें जिससे आर्थिक रूप से कमजोर लोगों को इस सूची में जोड़ा जा सके और जो वास्तविक इस खाद्य सुरक्षा योजना के हकदार हैं उन लोगों को लाभ मिल सके पंचायत समिति भवन में जिला रसद विभाग के प्रवर्तन अधिकारी गोविंद देथा ने उपस्थित राशन डीलरों को संबोधित करते हुए कहा कि आप अपने क्षेत्र में ऐसे सक्षम लोगों को समझाएं जो सरकार की गाइडलाइन में नहीं आते हैं वे राज्य सरकार की गिव अप योजना में अपने राशन कार्ड सेरेंडर करें जो गाइडलाइन में नहीं आते हैं निर्धारित गिव अप अभियान के समय के पश्चात ऐसे लोगों के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी राशन डीलर भी ऐसे लोगों को समझाइए करें परिवर्तन अधिकारी गोविंद देथा ने बैठक में राशन डीलरों की समस्याओं को भी सुना और निराकरण का आश्वासन दिया।

प्रधानों को प्रशासक लगाने की मांग, प्रधान संघ के बैनर तले सीएम आवास पहुंचे बूंदी जिले के प्रधान

सरपंचों की तर्ज पर प्रधानों को भी प्रशासक नियुक्त करने की मांग को लेकर प्रदेश भर के प्रधानों ने जयपुर में डाला डेरा

मुख्य सचिव वी. श्रीनिवास, पंचायत राज मंत्री मदन दिलावर एवं जनजातीय विकास मंत्री बाबूलाल खराड़ी को सौंपे ज्ञापन

स्मार्ट हलचल| बूंदी

राजस्थान प्रधान संघ के बैनर तले प्रदेश भर के पंचायत समिति प्रधानों ने सोमवार को सरपंचों की तर्ज पर प्रधानों को भी प्रशासक नियुक्त करने की मांग को लेकर पंचायत राज भवन जयपुर में डेरा डाल दिया है। प्रधान संघ बूंदी के जिला अध्यक्ष तालेड़ा प्रधान राजेश रायपुरिया की अगुवाई में बूंदी जिले के प्रधान भी अपनी मांगों को लेकर जयपुर पहुंचे हैं। प्रदेश अध्यक्ष दिनेश सुंडा के नेतृत्व में सीएम हाउस पहुंचे प्रदेश के 200 से अधिक पंचायत समिति प्रधानों ने पंचायत राज मंत्री मदन दिलावर को मुख्यमंत्री के नाम ज्ञापन सौंपा। प्रधानों ने शासन सचिवालय में जनजातीय विकास मंत्री बाबूलाल खराड़ी को ज्ञापन सौंपने के साथ ही मुख्य सचिव वी श्रीनिवास व पंचायत राज सचिव डॉ जोगाराम से भी मुलाकात की। प्रधानों ने सरकार से मांग की है कि जिस प्रकार राजस्थान पंचायत राज अधिनियम के तहत प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुये जिन ग्राम पंचायतों का कार्यकाल समाप्त हो गया है। उनके निवर्तमान सरपंचों को प्रशासक एवं निवर्तमान वार्डपंचों को प्रशासकीय समिति के सदस्य नियुक्त किया गया है। इसी तरह जिन पंचायत समिति प्रधानों का कार्यकाल आगामी दिनों में समाप्त होने जा रहा है उन्हें प्रशासक एवं पंचायत समिति सदस्यों को प्रशासकीय समिति के सदस्य नियुक्त किए जाएं। जिससे त्रिस्तरीय पंचायत राज व्यवस्था सुचारू रूप से चल सके तथा ग्रामीण विकास में कोई बाधा उत्पन्न नहीं हो।

आंदोलनरत प्रधानों ने कहा कि जिस पंचायत राज अधिनियम 1994 एवं राजस्थान पंचायत राज नियम 1996 द्वारा ग्राम पंचायतें संचालित होती है। उसी पंचायत राज अधिनियम 1994 एवं राज-स्थान पंचायत राज नियम 1996 द्वारा पंचायत समिति भी संचालित होती है। ऐसे में समानता के न्याय के सिद्धान्त को अपनाते हुये पंचायत समितियों में भी प्रधानों को प्रशासक एवं पंचायत समिति सदस्यों को प्रशासकीय समिति के सदस्य नियुक्त किया जायें। तालेड़ा प्रधान राजेश रायपुरिया ने बताया कि नैनवां प्रधान पदम नागर, के.पाटन प्रधान वीरेंद्र सिंह हाडा, हिंडोली प्रधान कृष्णा माहेश्वरी, बूंदी प्रधान प्रेम बाई मीणा भी राजस्थान प्रधान संघ के बैनर तले हो रहे प्रदर्शन में शामिल रहे।

सीएफसीएल द्वारा संचालित गड़ेपान एसडीसी के बच्चों में खेलो के माध्यम से बढ़ाया क्षेत्र नाम

स्मार्ट हलचल

कोटा। सीएफसीएल द्वारा के के बिरला मेमोरियल सोसायटी गड़ेपान के सहयोग से स्पोर्ट्स विलेज फाउंडेशन द्वारा संचालित स्पोर्ट्स डेवलपमेंट सेंटर गड़ेपान के बच्चों ने 27 से 30 नवंबर के बीच सेठ एम.आर. जैपुरिया स्कूल, बाबतपुर (वाराणसी, उत्तर प्रदेश) में आयोजित 10वीं ऑल इंडिया शोतोकान कराटे फेडरेशन ऑफ इंडिया की राष्ट्रीय प्रतियोगिता में भाग लेकर शानदार प्रदर्शन किया। प्रतियोगिता में गड़ेपान क्षेत्र के 15 बच्चों ने भाग लिया और उत्कृष्ट प्रतिभा का परिचय देते हुए इन बच्चों ने कुल 15 पदक अपने नाम किए। इसमें स्वर्ण पदक विजेता, अवनेशना, नक्श, दीपक कंडारा, कृष्णा प्रजापति, आशीष प्रजापति, अभिनेश रजत पदक विजेता रियांश, अमित, हिमांशु, क॰ष्णा, नितिन कांस्य पदक विजेता संदीप, रितेश, पियूष, रोहन आदि ने कुल 6 स्वर्ण पदक, 5 रजत पदक एवं 4 कांस्य पदक जीते। बच्चों के इस उत्कृष्ट प्रदर्शन से न केवल क्षेत्र का मान बढ़ा है बल्कि उनके परिजनों, प्रशिक्षकों तथा स्पोर्ट्स डेवलपमेंट सेंटर का भी गौरव बढ़ा।

खंडेलवाल सरावगी जैन समाज के चुनाव निर्विरोध संपन्न, मनोज नगेदा बने अध्यक्ष

स्मार्ट हलचल| कोटा

खंडेलवाल सरावगी जैन समाज महावीर नगर द्वितीय, तृतीय, केशवपुरा एवं टीचर्स कॉलोनी की कार्यकारिणी के चुनाव रविवार को शांतिपूर्ण व निर्विरोध रूप से संपन्न हुए। मनोज नगेदा को अध्यक्ष, प्रणय (जिम्मी) बाकलीवाल को महामंत्री तथा राजेश बाकलीवाल को कोषाध्यक्ष चुना गया।

चुनाव अधिकारी एडवोकेट अजीत जैन ने संपूर्ण प्रक्रिया पारदर्शी रूप से सम्पन्न करवाई। चुनाव परिणामों की घोषणा के बाद पूर्व अध्यक्ष राजेंद्र सेठी, संरक्षक त्रिलोक सोनी एवं ईश्वर सोनी ने नवनिर्वाचित पदाधिकारियों को माल्यार्पण कर शुभकामनाएं दीं। कार्यक्रम संत शाला आदिनाथ दिगंबर जैन मंदिर, महावीर नगर द्वितीय में आयोजित हुआ। नवनियुक्त अध्यक्ष मनोज नगेदा ने कहा कि समाज संगठन और सेवा को प्राथमिकता दी जाएगी। नई कार्यकारिणी का कार्यकाल 1 जनवरी 2026 से प्रारम्भ होकर दो वर्ष का होगा।

कोटा रेंज प्रभारी डॉ. बी. एल. मीना अतिरिक्त महानिदेशक पुलिस, यातायात, राजस्थान जयपुर ने जिला बून्दी का किया प्री वार्षिक निरीक्षण

निरीक्षण के दोरान किया अपराध गोष्टी का आयोजन दिये आवश्यक दिशा-निर्देश

स्मार्ट हलचल | बूंदी

जिला पुलिस अधीक्षक बून्दी राजेन्द्र कुमार मीणा ने बताया की कोटा रेंज प्रभारी डॉ. बी.एल. मीना अतिरिक्त महानिदेशक पुलिस, यातायात, राजस्थान जयपुर जिले के प्री वार्षिक निरीक्षण हेतु एक दिवसीय दौरे पर बून्दी आगमन पर जिला पुलिस अधीक्षक बून्दी श्री राजेन्द्र कुमार मीणा ने आगवानी की । तत्पश्यात कार्यालय हाजा मे गार्ड ऑफ ऑनर देकर सम्मान किया गया ।

उक्त निरिक्षण मे श्रीमती उमा शर्मा अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक बून्दी व श्री जसवीर मीणा अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक महिला अपराध अनुसधान सेल बून्दी, श्रीमती अदिति चोधरी अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक त्वरित अनुसधान सेल बून्दी व जिले के समस्त वृताधिकारीगण सहित थानाधिकारीगण मोजुद रहे । श्रीमान द्वारा कार्यालय जिला पुलिस अधीक्षक बून्दी मे जिले के समस्त वृताधिकारीगण की अपराध गोष्टी ली जाकर आवश्यक दिशा निर्देश दिये गये ।

जिला पुलिस अधीक्षक बून्दी श्री राजेन्द्र कुमार मीणा द्वारा जिले की कानून व्यवस्था के बारे में उन्हें अवगत कराया। श्रीमान अतिरिक्त महानिदेशक पुलिस द्वारा अपराध की रोकथाम, वांछित फरार अपराधियो की अधिक से अधिक गिरफ्तारी करने, गुमशुदगी मे दस्तयाबी हेतु योजनाबद्ध प्रयास करना, पुराने लम्बित प्रकरणो मे वांछित फरार अपराधियो को अधिक से अधिक गिरफ्तार करने, प्रो एक्टिव पुलिसिंग, व साइबर से जुडे अपराधो की व महिलाओ व बालिकाओ से सम्बन्धित अपराधो की रोकथाम, सड़क सुरक्षा एवं सड़क दुर्घटनाओ की रोकथाम हेतु प्रभावी रणनीति के सन्दर्भ मे विस्तृत चर्चा कर आवश्यक दिशानिर्देश दिये।

अखिल राजस्थान हिदायतुल मुस्लिम तेली समाज के प्रदेश अध्यक्ष ने की तेली महापंचायत के प्रदेश अध्यक्ष से मुलाकात

स्मार्ट हलचल

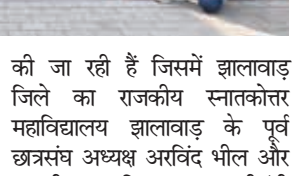

हिंडौन। तेली महापंचायत के प्रदेश अध्यक्ष लतीफ आरको के साथ अखिल राजस्थान हिदायतुल मुस्लिम तेली समाज के प्रदेश अध्यक्ष मोहम्मद निजामुद्दीन और उनके साथ प्रदेश सचिव जाकिर हुसैन उर्फ बबलू भाई और इंजिनियर अशरफ़ अली के साथ जयपुर स्थित होटल आरको पैलेस में बैठक हुई। लगभग 2 घंटे चली इस बैठक में समाज के मुद्दों पर चर्चा हुई मुलाकात खुशनुमा रही यह जानकारी अखिल राजस्थान हिदायतुल मुस्लिम तेली समाज के प्रदेश प्रवक्ता मोहम्मद रफीक ने दी।

दिगंबर जैन सोशल ग्रुप अतिवीर कोटा का दीपावली मिलनः समाजसेवा और उल्लास के साथ आयोजित

दिगंबर जैन सोशल ग्रुप अतिवीर की आमसभा व दीपावली मिलन समारोह संपन्न, वर्षभर की उल्लेखनीय गतिविधियों पर हुई समीक्षा

सेवाकार्यों को समर्पित रहा है अतिवीर ग्रुप – निकुंज जैन

स्मार्ट हलचल| कोटा

दिगंबर जैन सोशल ग्रुप अतिवीर द्वारा दीपावली स्नेह मिलन समारोह 'लाईट कॉनिवल–25' व आमसभा का आयोजन जैन जनउपोगी भवन आरोग्य नगर में किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ दीप प्रज्ज्वलन एवं मंगलाचरण के साथ हुआ। मुख्य अतिथि के रूप में फैडरेशन के राष्ट्रीय कार्यध्यक्ष सुरेश चांदवाड़,राष्ट्रीय अतिरिक्त महासचीव जे के जैन,सकल दिगंबर जैन समाज के अध्यक्ष प्रकाश बज,रीजन अध्यक्ष अनिल ठौरा,संस्थापक अध्यक्ष महावीर शाह, पूर्व अध्यक्ष राजकुमार लुहाडिया,कोषाध्यक्ष कमल गोधा व कार्यध्यक्ष सुर्दशन बाकलीवाल सहित कई लोग उपस्थित रहे।

वर्षभर की सामाजिक गतिविधियों पर विहंगम नज़र

ग्रुप अध्यक्ष निकुंज जैन ने वार्षिक समीक्षा प्रस्तुत करते हुए वर्ष 2025 की प्रमुख गतिविधियों व आय–व्यय का ब्यौरा दिया। उन्होने बताया कि जनवरी-फरवरी माह में गौशाला में चारा, गुड़ वितरण एवं जरूरतमंदों को कंबल वितरण से सेवा कार्य प्रारंभ हुए। मूक-बधिर बच्चों को भोजन कराया व स्वास्थ्य जांच शिविर का आयोजन किए गए। महावीर जयंती जुलूस में सक्रिय भागीदारी,धार्मिक यात्रा,अक्षम के साथ दीपावली महोत्सव में गिफ्ट व मिठाई पटाखे वितरण, पक्षियों के लिए परिंडा और चग्गा वितरण,पर्यावरण संरक्षण अभियान के तहत जूट बैग वितरण,राजकीय उच्च प्राथमिक विद्यालय तलवंडी में फर्नीचर दान,विभिन्न सामाजिक-सांस्कृतिक कार्यक्रमों का सफल आयोजनशिक्षक दिवस सहित कई सेवाकार्यों को वर्ष भर किया गया यह कार्य सतत रूप से पूरे निरंतर जारी रखे जाएंगे।निकुज जैन ने कार्यक्रम में आगामी वर्ष के लिए विभिन्न सामाजिक, सांस्कृतिक एवं धार्मिक कार्यक्रमों की रूपरेखा भी प्रस्तुत की गई। पी. डी. सोनिया-संदीप एवं निर्मल-सरोज जैन ने बताया कि कार्यक्रम में कपल नृत्य, बच्चो के लिए गेमस एवं मनोरंजक कार्यक्रम आयोजित किये गये अन्त में सामुहिक गेम खेला गया एवं पुस्कार वितरण किये गये,ग्रुप सचिव शुभम लुहाडिया ने सभी को धन्यवाद प्रेषित किया।कोषाध्यक्ष कमल गोधा द्वारा वार्षिक आय-व्यय का संक्षिप्त ब्यौरा प्रस्तुत किया गया।कार्याध्यक्ष सुदर्शन जैन का विशेष योगदान रहा।

अतिथियों का मार्गदर्शन

मुख्य अतिथि सुरेश चांदवाड ने ग्रुप की गतिविधियों की सराहना करते हुए समाज सेवा के क्षेत्र में और अधिक सक्रिय होने का मार्गदर्शन प्रदान किया। जे के जैन ने जैन समाज में युवक-युवतियों के विवाह में बढ़ती चुनौतियों को ध्यान में रखते हुए 25 जनवरी 2026 को इंदौर मे आयोजित अंतरराष्ट्रीय जैन युवक-युवती परिचय सम्मेलन की वृहत स्तर पर आयोजित करने की तैयारी को साझा किया एवं समाज की आवश्यकता व युवक-युवतियों के विवाह में बढ़ती चुनौतियों को ध्यान में रखते हुए विवाह योग्य युवक–युवतियों को आवेदन करने की सलाह दी और परिचितों में इस जानकारी को प्रेषित करने का आग्रह किया। जे के जैन ने कहा कि समाज में बढ़ती पारिवारिक एवं सामाजिक जटिलताओं के समाधान में भी यह आयोजन महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। समाज अध्यक्ष प्रकाश बज ने सोशल ग्रुप के माध्यम से जनसेवा के कार्यों की प्रशंसा करते हुए मानव सेवा को भगवान महावीर की सेवा के समक्ष बताया।वही अनिल ठौरा ने फेडरेशन के उद्देश्यो व कार्यो की रूपरेखा प्रस्तुत करते हुए सेवाकार्यों व फेडरेशन के उद्देश्यो को साझा किया।

यमुना प्रवाह यात्रा में अरविंद भील और ऋषभ श्रृंगी ने प्रतिनिधित्व किया

स्मार्ट हलचल| झालावाड़

झालरापाटन से लौह पुरुष सरदार वल्लभभाई पटेल जी की 150वीं जयंती के अवसर पर युवा एवं खेल मंत्रालय भारत सरकार द्वारा सरदार वल्लभ भाई पटेल द्वारा किए गए राष्ट्रहित के कार्यों को और राष्ट्रीय एकता, अखंडता, समरसता और राष्ट्रनिर्माण के मूल्यों को जन-जन तक पहुंचाने के लिए गुजरात यात्रा - यमुना प्रवाह 'यूनिटी मार्च' आयोजित की जा रही हैं जिसमें झालावाड़ जिले का राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय झालावाड़ के पूर्व छात्रसंघ अध्यक्ष अरविंद भील और राजकीय महाविद्यालय भवानीमंडी के पूर्व छात्रसंघ अध्यक्ष ऋषभ श्रृंगी ने प्रतिनिधित्व किया यह यात्रा जयपुर से प्रारंभ होकर स्टेच्यू ऑफ यूनिटी केवड़िया गुजरात में समाप्त हुई यात्रा के दौरान राजस्थान के पुष्कर, जोधपुर, माउंटआबू में कई मंत्रियों और विधायकों ने स्वागत किया।

मेगा हाइवे पर एक्सप्रेस वे का ट्राफिक बना मुसीबत, खुलेआम धज्जियां उड़ रही है, और जनता बन रही है, काल का ग्रास

स्मार्ट हलचल

लाखेरी। बून्दी जिले के उपखंड क्षेत्र में से निकल रहा मेगा हाईवे आम जनता और पुलिस के लिए सबसे बड़ी मुसीबत बना हुआ है। बात यूं है, कि एक्सप्रेस वे के भारी वाहन मेगा हाइवे पर रफ्तार भर रहे हैं। लाखेरी क्षेत्र में मेगा हाईवे इन दिनों अपने मूल उद्देश्य से भटककर अव्यवस्था और खतरे का दूसरा नाम बन चुका है। तेज और सुरक्षित यातायात के लिए बनाए गए इस हाईवे पर आज हालात इतने बिगड़ चुके हैं कि एक्सप्रेस वे के भारी वाहन नियमों की धज्जियाँ उड़ाते हुए मेगा हाइवे की सड़कों पर धड़ल्ले से दौड़ रहे हैं। परिणाम यह है कि घंटों तक जाम, यातायात ठप, एंबुलेंस और स्कूल बसें फँसी, पुलिस की साँसें फूली और आम जनता त्रस्त। 10-20 मिनट का सफर एक से दो घंटे की सज़ा बना हुआ है। कुस्तला से बूंदी-कोटा जाने का छोटा-सा सफर जहां पहले कुछ समय में पूरा हो जाता था, आज वहीं जाम के कारण डेढ़ घंटे तक खिंच रहा है। भारी वाहनों की मनमानी के चलते छोटी गाड़ियां, स्कूल बसें, दुपहिया और एंबुलेंस एक ही कतार में रेंगने को मजबूर हैं। यात्रियों का दर्द कभी-कभी तो कई किलोमीटरों लंबी लाइन लग जाती है रोज़ का कामकाज ठहर गया है।

जाम में दम तोड़ती एंबुलेंस, मरीजों की जान पर आफत

लाखेरी से बूंदी और कोटा रोज़ाना कई मरीज रेफर होते हैं, पर हाईवे की अव्यवस्था इनके लिए जानलेवा साबित हो रही है। ग्रामीणों के अनुसार कई बार एंबुलेंस 30 मिनट से 1 घंटे तक जाम में फँसी रहती है। गंभीर मरीज समय पर अस्पताल नहीं पहुँच पाते। एक परिजन की पीड़ा हम मरीज को समय पर कोटा नहीं ले जा पाए... रास्ता पूरी तरह बंद था। पुलिस की बेबसी अपराध छोड़ ट्रैफिक साफ करने में झोंका जा रहा है , पूरा स्टाफ जहाँ पुलिस को कानून-व्यवस्था और अपराध नियंत्रण में लगना चाहिए, उनकी ड्यूटी अब जाम हटाने में खप रही है। पुलिसकर्मी बताते हैं दिन में कई बार 2-3 घंटे तक सिर्फ जाम खोलने का काम करना पड़ता है। भारी वाहन ड्राइवर नियम मानने को तैयार नहीं। धूप, धूल और शोर में खड़े होकर ट्रैफिक संभालना मुश्किल। स्कूल बसें फँसी, बच्चे रोज़ देर से स्कूल पहुंच रहे हैं। सुबह 8-10 बजे और दोपहर 2-4 बजे स्थिति सबसे भयावह हो जाती है। बच्चे समय पर स्कूल नहीं पहुँच रहे कई बार परीक्षा वाले दिनों में भी बसें जाम में अटकीं रहती है। अभिभावकों का आरोप हमारे बच्चे रोज़ 20-25 मिनट एक ही जगह खड़े रहते हैं... किसी को जिम्मेदारी समझ नहीं आ रही है।

ग्रामीण और व्यापार भी प्रभावित, दूध, सब्ज़ी और सामान की सप्लाई ठप

दूध के वाहन देरी से पहुंचने लगे सब्ज़ी-फल सप्लाई प्रभावित। रोडवेज बसें अनियमित। लोकल बाजारों में भीड़ और देरी का असर। व्यापारी बताते हैं डिलीवरी वाहन समय पर नहीं आते, व्यापार चौपट हो रहा है। हाईवे प्रबंधन पर ग्रामीणों का आरोप प्रशासन पूरी तरह उदासीन है। ग्रामीणों ने हाईवे प्रबंधन पर खुलेआम आरोप लगाए एक्सप्रेस वे के वाहनों को रोकने के लिए कोई व्यवस्था नहीं चेतावनी बोर्ड, संकेतक और बैरिकेडिंग गायब किसी भी तरह का ट्रैफिक गाइडेंस सिस्टम नहीं कई जगह हाईवे अधूरा और खराब हालत में है। लोगों ने चेतावनी दी अगर जल्द समाधान नहीं हुआ, तो हम चक्का जाम करेंगे। हाईवे अधिकारियों का खुद का स्वीकार मेंटेनेंस जाम में फँसकर अधूरा रह जाता है मेगा हाईवे प्रोजेक्ट मैनेजर राहुल कुमार बोले जब भी मशीनरी लेकर मेंटेनेंस करने पहुँचते हैं, भारी वाहनों की गलत दिशा में आवाजाही से तुरंत जाम लग जाता है। काम शुरू होने से पहले ही बंद करना पड़ जाता है। भारतमाला प्रोजेक्ट मैनेजर संजय अग्रवाल की साफ टिप्पणी हम शटडाउन देकर काम पूरा कर सकते हैं, पर शर्त यही कि बड़े वाहन अपनी निर्धारित लेन में चलें। गलत दिशा और अवैध प्रवेश पूरी व्यवस्था ठप कर देता है।

स्थानीय जनता की मांगें प्रशासन तुरंत सख्त कदम उठाए

1. एक्सप्रेस वे वाले वाहनों को उनकी निर्धारित लेन पर अनिवार्य किया जाए। 2. मेगा हाइवे पर भारी वाहनों की एंट्री पूरी तरह बंद हो। 3. मेगा हाईवे कंपनी की जवाबदेही तय की जाए। 4. ट्रैफिक पुलिस की अतिरिक्त टीमें तैनात हों। 5. चेतावनी बोर्ड, बैरिकेडिंग और गाइडेंस सिस्टम लगाया जाए। 6. अधूरे हाईवे के हिस्सों को तुरंत पूरा किया जाए।

राजगढ़ में ट्रक से बैटरी चोरी करते दो युवक पकड़े गए

स्मार्ट हलचल

सादुलपुर। राजगढ़ पुलिस थाना में सोमवार को एक ट्रक मालिक ने बैटरी चोरी का मुकदमा दर्ज कराया है। शिकायत के अनुसार, शनिवार रात को दो व्यक्तियों ने ट्रक से बैटरी चुराने का प्रयास किया, लेकिन मालिक और उनके बेटे के आने पर वे भाग निकले।

पीड़ित, सीताराम (उम्र 70 वर्ष), निवासी वार्ड 27, रामबास, राजगढ़ ने पुलिस को बताया कि उनका ट्रक (नंबर आरजे 10 जी 0441) 28.11.25 को रात करीब 9:30 बजे उनके घर के आगे खड़ा था। इसी दौरान, उन्हें बाहर 'कटकट' की आवाज सुनाई दी। जब सीताराम और उनके बेटे सुमेर ने बाहर जाकर देखा, तो दो व्यक्ति उनके ट्रक से बैटरी निकालते हुए पाए गए।

दोनों आरोपी उन्हें देखकर तुरंत मौके से फरार हो गए। सीताराम ने अपनी रिपोर्ट में बताया कि उन्होंने दोनों व्यक्तियों को पहचान लिया है। उनके नाम राहुल उर्फ टोकणिया और कृष्ण हैं, और वे दोनों राजगढ़ के निवासी हैं। सीताराम ने यह भी दावा किया है कि इन दोनों ने हाल के दिनों में 6-7 अन्य वाहनों से भी बैटरी चोरी की है।

सीताराम की लिखित रिपोर्ट के आधार पर, पुलिस थाना राजगढ़ ने भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की धारा 303(2) और 3(5) के तहत मामला दर्ज कर लिया है। मामले की जाँच सहायक उप-निरीक्षक श्यामलाल को सौंपी गई है।

हमीरवास में संगठित अपराध पर लगाम 6 शातिर गिरफ्तार, 3 वाहन जब्त

स्मार्ट हलचल | सादुलपुर

पुलिस अधीक्षक जय यादव (आई.पी.एस.) के नेतृत्व में संगठित अपराधों और सोशल मीडिया पर गैंगस्टरों को फॉलो करने वालों के खिलाफ चलाए जा रहे विशेष अभियान के तहत चूरू पुलिस को बड़ी सफलता मिली है। अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक किशोरी लाल (आर.पी.एस.) और सहायक पुलिस अधीक्षक अभिजीत पाटील (आई.पी.एस.) के निकटतम सुपरविजन में हमीरवास थाना पुलिस ने कुल छह व्यक्तियों को शांति भंग के आरोप में गिरफ्तार किया है और उनके तीन वाहन जब्त किए हैं।

गिरफ्तार किए गए व्यक्तियों में आदतन अपराधी प्रवृत्ति के तीन मुख्य लोग शामिल हैं, जो किसी गंभीर वारदात को अंजाम देने की फिराक में थे। इनमें राकेश कुमार उर्फ रिकु (27 साल, निवासी खैरू बड़ी) शामिल है, जिसके खिलाफ हत्या, हत्या का प्रयास, और आर्म्स एक्ट जैसे 8 संगीन मामले दर्ज हैं। दूसरा, कृष्ण कुमार (31 साल, निवासी कांधराण) है, जिस पर हत्या और मारपीट सहित 9 मामले दर्ज हैं। तीसरा मुख्य आरोपी अरविन्द्र उर्फ मोनू (31 साल, निवासी टोडा ढाणी, भिवानी, हरियाणा) है, जिसके खिलाफ लूट, डकैती, और हत्या के प्रयास जैसे 10 गंभीर मामले दर्ज हैं। पुलिस ने इन शातिर अपराधियों को समय रहते गहनता से पूछताछ के लिए शांति भंग में गिरफ्तार किया।

इसके अलावा, पुलिस ने तीन अन्य व्यक्तियों - आशीष (19), अंकित कुमार (21), और संदीप कुमार (23) (तीनों निवासी हरपालु सावल) को भी गिरफ्तार किया है। इन्हें थाना क्षेत्र में एक सामाजिक कार्यक्रम में बाधा डालने के आरोप में शांति भंग के तहत कार्रवाई करते हुए गिरफ्तार किया गया। पुलिस का कहना है कि संगठित अपराधों के खिलाफ यह अभियान आगे भी जारी रहेगा।

भिनाय उपखण्ड के सभी बी.एल.ओ. ने एस आई आर कार्य समय से पहले किया

स्मार्ट हलचल

बांदनवाड़ा अजमेर। भिनाय उपखण्ड क्षेत्र के आर सभी बी एल ओ ने सोमवार को अपने अपने क्षेत्र का एस आई आर सम्पन्न कर लिया। उपखण्ड स्तरीय समारोह में सम्पूर्ण टीम को सम्मानित किया गया। भिनाय उपखण्ड कार्यालय के वरिष्ठ सहायक रघुवेन्द्र सिंह ने बताया कि उपखंड क्षेत्र में कुल 102 बी एल ओ , सुपर वाइजर व उनकी टीम ने एस आई आर कार्य शत प्रतिशत पूर्ण कर लिया है। सोमवार को उप तहसील कार्यालय नागोला में आयोजित उपखंड स्तरीय समारोह में सम्पूर्ण टीम सदस्यों का तहसीलदार श्रीमती नीलम राठौड़ ने माल्यार्पण व स्मृति चिन्ह प्रदान कर सम्मानित किया।

अमरगढ़ से बांदनवाड़ा सड़क के अधूरे काम से आमजन परेशान

सार्वजनिक निर्माण विभाग के जिमेदार अधिकारी उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी के आदेशों की भी उड़ा रहे हैं दजिया

पिछले 9 माह से पड़ा है अधूरा कार्य कहीं बाहर पीडब्ल्यूडी के जीमेदार अधिकारियों को शिकायत करने के बाद भी नहीं कर पा रहे है कार्य पूरा

स्मार्ट हलचल

बांदनवाड़ा अजमेर। अमरगढ़ से बांदनवाड़ा के लगभग 3 किलोमीटर आधी अधूरी सड़क सैकड़ों लोगों के लिए बड़ी परेशानी बन गई है। संबंधित ठेकेदार के मिट्टी कंक्रीट से ग्रेवल सड़क बनाई, लेकिन इस पर डामर नहीं करने से आवागमन को लेकर हर दिन ग्रामीण परेशानी उठा रहे है। कंक्रीट से वाहनों के रपट कर गिरने से राहगीर चोटिल और घायल हो जाते हैं। कई महीनों से इस स्थिति के बावजूद पीडब्ल्यूडी द्वार अधूरे कार्य को पूरा नहीं करवाने से आमजन में रोष है।

इस पर स्वीकृत सड़क के अधूरे निर्माण से दिक्कतें और अधिक बढ़ गई है। गार्मिनो की लंबे समय से मांग करने पर पर सड़कें स्वीकृत की थी। इस पर ठेकेदारों ने निर्माण

को लेकर मिट्टी कंक्रीट डाल ग्रेवल सड़क बनाई। इससे परेशान लोगों ने जल्द ही डामर सड़क बनने का सपना संजोया, लेकिन ठेकेदारों ने डामर नहीं किया। ऐसे में कई महीने से अधूरी पड़ी सड़कें आमजन के लिए बड़ी परेशानी बन गई है। इन इन पर से वाहनों के गुजरने पर उछलने वाले पत्थर राहगीरों को लगते हैं। नुकीले पत्थरों से टायर फटने के साथ पंचर होते हैं। इससे वाहन चालकों को बेवजह परेशानियों के साथ आर्थिक नुकसान उठाना पड़ता है। सड़क से संबंधित सहायक अभियंता राकेश कुमार से दूरभाष पर बात करनी चाही तो कॉल अटेंड नहीं किया।

इनका ये कहना

संबंधित ठेकेदार को पाबंद कर जल्दी ही डामरीकृत सड़क के कार्य को पूरा करवाया जाएगा

सार्वजनिक निर्माण विभाग सुपरिंटेंडेंट इंजीनियर ब्यावर अशोक कुमार

9 दिवसीय रामलीला सम्पन्न

स्मार्ट हलचल। देवली/टोंक

पनवाड़ में 25 नवम्बर से प्रारंभ हुई 9 दिवसीय रामलीला का समापन 30 नवम्बर को हुआ।कार्यकम के आखरी दिन रामलीला की महाआरती में मुख्य अथिति एडवोकेट रणजीत सिंह बैरवा रहे।इस दौरान रामलीला के कलाकारों एवं आयोजकों ने मुख्य अथिति का तिलक लगाकर स्वागत् किया।मुख्य अथिति ने अपने सम्बोधन में राम के आदर्शो को जीवन में अपनाने का आव्हान किया। रामलीला के आखरी दिन राम रावण युद्ध,लंका विजय,राम के राज्याभिषेक का सुन्दर वर्णन के साथ कलाकारों ने अभिनय किया।रामलीला देखने के लिए पनवाड़ सहित आस- पास के कई दर्शकों नें सम्मेलित होकर कार्यक्रम को भव्य रूप से सफल बनाया।इस दौरान कई गणमान्य नागरिकों ने रामलीला कार्यक्रम के लिए सहयोग राशि भेंट कर के धार्मिक आयोजनों को बढ़ाया देने पर जोर दिया।देर रात तक चली रामलीला के अन्त में सभी कलाकारों ने ग्रामवासियों को धन्यवाद अर्पित किया।

फायरिंग कर दहशत फैलाने वाला कुख्यात धनसिंह गिरफ्तार, हथियार उपलब्ध कराने वाला भी सलाखों के पीछे

स्मार्ट हलचल| भिनाय

पुलिस थाना भिनाय ने प्रभावी कार्रवाई करते हुए ग्राम बगराई में फायरिंग कर दहशत फैलाने वाले कुख्यात अपराधी धनसिंह उर्फ धनसा तथा घटना में प्रयुक्त हथियार उपलब्ध करवाने वाले आरोपी शिवराज सिंह को गिरफ्तार कर लिया है। प्रकरण संख्या 184/25 दिनांक 31 जुलाई 2025, धारा 109(1), 126(2), 308(2), 61(2) बीएनएस तथा 3/25 आर्म्स एक्ट में फरार चल रहे आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए विशेष टीम गठित की गई थी। यह कार्रवाई अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक केकड़ी विजय कुमार सांखला, वृत्ताधिकारी केकड़ी हर्षित शर्मा के पर्यवेक्षण तथा थानाधिकारी के नेतृत्व में की गई।

परिवादी अंकित पुत्र कैलाशचंद तेली निवासी देवलिया कलां ने रिपोर्ट दी थी कि 30 जुलाई को धनसिंह, भूपेंद्र सिंह और हितेंद्र

सिंह ने जान से मारने की नीयत से पिस्टल से फायर कर उस पर हमला किया। रिपोर्ट पर मुकदमा दर्ज कर अनुसंधान प्रारंभ किया गया। फरार आरोपियों को पकड़ने हेतु गठित विशेष टीम ने लगातार निगरानी रखते हुए मुखबिर सूचना के आधार पर पहले सह-अभियुक्त हितेंद्र प्रताप सिंह को गिरफ्तार कर न्यायालय पेश किया।

मुख्य आरोपी धनसिंह वारदात के बाद रिश्तेदारों और परिचितों के यहां तथा जंगल में छिपकर फरार चल रहा था तथा मौका मिलने पर बाहर भागने की फिराक में था। 2 नवंबर को थाना सराना पुलिस ने उसे अवैध हथियारों सहित गिरफ्तार कर केन्द्रीय कारागृह अजमेर भेजा। बाद में भिनाय थाने के प्रकरण में वांछित होने पर न्यायालय से प्रोडक्शन वारंट प्राप्त कर उसे इस मामले में भी गिरफ्तार किया गया। पूछताछ में धनसिंह ने बताया कि घटना में प्रयुक्त हथियार उसके साले शिवराज सिंह उर्फ शिवसा ने उपलब्ध करवाए थे, जिस पर पुलिस ने शिवराज सिंह निवासी जडावता थाना नरैना, जिला जयपुर ग्रामीण को भी गिरफ्तार कर लिया। प्रकरण में अनुसंधान जारी है। गिरफ्तार आरोपियों में धनसिंह उर्फ धनसा उर्फ धनुप्रताप सिंह पुत्र गजराज सिंह, निवासी पीपरोली थाना सराना तथा शिवराज सिंह उर्फ शिवसा पुत्र सुमेर सिंह, निवासी जडावता थाना नरैना, जिला जयपुर ग्रामीण शामिल हैं। कार्रवाई में थानाधिकारी अमरचंद उप निरीक्षक, सउनि रामकाष्ण, कांस्टेबल ओमसिंह, अजय, सुरेश चंद, भागचंद सेवदा, गोविंद राम तथा सुरेंद्र खोज की सराहनीय भूमिका रही।

बानसूर में श्रीमद्भागवत कथा के शुभारंभ पर कलशयात्रा निकाली गई

स्मार्ट हलचल | बानसूर

बानसूर के नारायणपुर रोड़ पर स्थित श्याम मंदिर पर श्री श्याम सुमन मंडल के तत्वाधान में सात दिवसीय श्रीमद्भागवत कथा कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया।इस दौरान बानसूर के दयालवाली मंदिर से बैंड बाजा के साथ कलशयात्रा निकाली गई कलशयात्रा मुख्य बाजार होते हुए श्याम मंदिर पर पहुंची । जहां जगह जगह कलशयात्रा का स्वागत किया गया । कलशयात्रा में बड़ी संख्या में महिलाओं ने भाग लिया। श्री श्याम सुमन मंडल अध्यक्ष धारासिंह यादव ने बताया कि बाबा रामदास महाराज की पुण्य स्मृति में श्रीमद्भागवत कथा का आयोजन किया जा रहा है।1 दिसंबर से 7 दिसंबर तक श्रीमद्भागवत कथा का आयोजन किया जा रहा है।कथा वाचक सुधा दीदी कथा का आयोजन करेगी और प्रभु का गुणगान किया जाएगा। श्रीमद्भागवत कथा के अंतिम दिन प्रसाद का वितरण किया जाएगा।इस दौरान बड़ी संख्या में कार्यकर्ता व महिलाएं मौजूद रही।

भेरुधाम मेहरूखुर्द विवाद में बड़ी राहतः महंत परिवार की 25 दिन की तकरार समाजजन की पहल से थमी, गांव में लौटे सौहार्द के हालात

स्मार्ट हलचल

सावर(अजमेर)। सावर क्षेत्र के मेहरुखुर्द स्थित प्रसिद्ध भेरुधाम लालधागे सरकार के महंत परिवार में पिछले 25 दिनों से चल रहा पारिवारिक विवाद सोमवार को ऐतिहासिक रूप से समाप्त हो गया। इस विवाद ने न केवल स्थानीय स्तर पर चर्चा पैदा की थी, बल्कि सोशल मीडिया पर भी भेरुधाम की छवि को लेकर कई भ्रामक और बढ़ा-चढ़ाकर पेश की गई पोस्टें वायरल हो रही थीं। इसके बावजूद, खास बात यह रही कि किसी भी प्रशासनिक हस्तक्षेप के बिना यह संवेदनशील मामला समाज की पहल और पारिवारिक समझदारी से शांतिपूर्वक निपट गया।

महंत के काका छोटूलाल मीणा और सत्यनारायण मीणा बीते कई दिनों से सावर तहसील कार्यालय के सामने धरने पर बैठे थे। दोनों के बीच चल रहा मनमुटाव इतना गहरा था कि मामला लगातार तूल पकड़ता जा रहा था। लेकिन इसी बीच गांव के बुजुर्ग, समाजजन और प्रतिष्ठित लोगों ने मध्यस्थ की भूमिका निभाई और भाईचारे को फिर से जोड़ने की कोशिशें शुरू कीं।

लगातार बैठकों और समझाइश के लंबे दौर के बाद आखिरकार दोनों पक्ष आपस में सहमत हुए और अपने मतभेदों को परिवार के भीतर ही सुलझाने का निर्णय लिया। समझौते के बाद छोटूलाल व सत्यनारायण मीणा ने धरना समाप्त कर दिया और शांतिपूर्वक गांव वापस लौट गए।

सबसे उल्लेखनीय पहलू यह रहा कि इस पूरे घटनाक्रम में प्रशासन की कोई भूमिका नहीं रही। विवाद न पूरी तरह थाना-तहसील तक पहुंचा, न किसी प्रकार की कानूनी कार्यवाही हुई–सिर्फ समाज की एकजुटता, परामर्श और आपसी संवाद ने 25 दिन पुरानी खाई को पाट दिया।

समझौते के बाद भेरुधाम परिसर, भक्तों और स्थानीय लोगों में राहत और संतोष की लहर दौड़ गई है। अब माहौल पहले से अधिक शांत, सौहार्दपूर्ण और सकारात्मक दिखाई दे रहा है। यह घटना एक बार फिर साबित करती है कि सामाजिक एकजुटता और पारिवारिक संवाद किसी भी विवाद का सबसे बेहतर समाधान बन सकते हैं।

चौथे दिवस भी दाखिया बांध की अमीनपुरा नहर पर किसानों का धरना-प्रदर्शन जारी

आक्रोशित किसानों ने धरना स्थल पर कलेक्टर का पुतला जलाया

स्मार्ट हलचल| टोंक

दाखिया बांध की नहर 25 नवम्बर को छोड़ने की मांग को लेकर किसानों का आंदोलन चौथे दिन भी जारी रहा।जंहा आक्रोशित किसानों ने जिला कलेक्टर कल्पना अग्रवाल का धरना स्थल पर ही पुतला दहन कर नारेबाजी की गई।चौथे दिवस भी किसान महापंचायत प्रदेश मंत्री रतन खोखर,युवा प्रदेश अध्यक्ष रामेश्वर प्रसाद चौधरी,जिला अध्यक्ष गोपी लाल जाट,जिला महामंत्री हरिशंकर धाकड़,पीपलू अध्यक्ष दुलाराम प्रजापत आदि मौजूद रहे।किसानों ने

जल संसाधन विभाग के जिम्मेदार अधिकारियों द्वारा पद का दुरुपयोग एवं सरकारी संपत्ति को नुकसान पहुंचाने में कोई कसर बाकी नहीं रखी है।18 एवं 29 नवम्बर को दो बार मीटिंग करने के उपरांत भी बांध से सम्बन्धित किसानों को मीटिंग की सूचना नहीं दीं।जिसके कारण 29 की मीटिंग में टेल के किसानों ने धरना-प्रदर्शन करने के कारण अधिकारियों द्वारा दण्ड देने का मनः बना लिया है।ताकि आन्दोलित किसान मीटिंग में उपस्थित नहीं हो सकें और निर्णय हेड के किसानों के पक्ष में लेकर टेल के किसानों को फ़सल नुकसान की मंशा को पूर्ण कर लेने का आरोप लगाया है।जबकि टोंक जिला मुख्यालय से 15 किलोमीटर की दूरी पर चल रहें चार दिवसों से किसानों का धरना प्रदर्शन चल रहा है परंतु प्रशासनिक अधिकारियों द्वारा अब तक धरना स्थल पर पहुंचकर कर किसानों से वार्तालाप संवाद भी नहीं किया गया।पिछले 25 वर्षों पर बीसलपुर बांध पर एक्सन कार्यरत मनीष बंसल द्वारा बीसलपुर बांध से गाद निकालने की व्यवस्था का टेंडर जारी हुआ।

तीन जगहों से गाद निकाली जानी चाहिए थी परंतु गाद निकाले जाने वाले चिन्हित स्थानों से गाद नहीं निकाल कर अन्य स्थानों पर मशीन बजरी निकालने के लिए बड़े-बड़े टैंकर मंगवाई जा रहे हैं।करोड़ों रुपए नुकसान पहुंचाया जा रहा है।बांध के बिच में बने टापूओं पर छोटी-छोटी मछलियों को निकाल कर सूखाने का कार्य आरम्भ जारी है।

अद्भुत है भगवान जगन्नाथ मंदिर की महिमा

पुरी का भगवान जगन्नाथ मंदिर अपनी भव्यता और आस्था के लिए विश्व प्रसिद्ध है, लेकिन इससे जुड़े कई रहस्य और परंपराएं भी हैं, जो आपको हैरान कर देंगी। इन्हीं में से एक है इस मंदिर का झंडा जो हवा की दिशा के विपरीत लहराता है। आम तौर पर झंडा हवा के साथ उड़ता है, लेकिन यहां ऐसा नहीं होता। यही बात इस मंदिर को रहस्यमयी और अद्भुत बनाती है.

आज तक कोई पता नहीं लगा पाया है कि मंदिर का झंडा हवा के विपरीत दिशा में क्यों लहराता है। स्थानीय लोग इसे भगवान जगन्नाथ की दैवीय शक्ति का संकेत मानते हैं। कहा जाता है कि मंदिर के ऊपर लहराता झंडा नकारात्मक ऊर्जाओं को खत्म करता है और पूरे वातावरण में सकारात्मकता फैलाता है। इस झंडे को हर दिन बदला जाता है, लेकिन यह काम कोई साधारण नहीं है, बल्कि भगवान के प्रति भक्ति और विश्वास का प्रतीक माना जाता है। हर शाम लगभग सूर्यास्त के समय पुराना झंडा उतारकर नया त्रिकोणीय झंडा लगाया जाता है.

ऐसा भी मान्यता है कि अगर किसी दिन झंडा नहीं बदला गया, तो मंदिर 18 सालों तक बंद हो सकता है। इसलिए चाहे बारिश हो या तूफान, यह परंपरा एक दिन के लिए भी नहीं रुकती। झंडा बदलने का यह कार्य एक विशेष परिवार, जिसे चुनरा सेवक या चोला परिवार कहा जाता है, के हाथों से ही होता है। इस परिवार के लोग लगभग पिछले 800 सालों से यह पवित्र जिम्मेदारी निभा रहे हैं.

सबसे हैरानी की बात यह है कि वे बिना किसी सुरक्षा उपकरण के 214 फुट ऊंचे मंदिर के शिखर पर चढ़ते हैं और वहां झंडा बदलते हैं। कहा जाता है कि आज तक इस परिवार के किसी भी सदस्य को इस काम के दौरान कोई चोट नहीं लगी। यह झंडा केवल एक कपड़ा नहीं, बल्कि आस्था, विश्वास और सुरक्षा का प्रतीक है।

मनी प्लांट में डालें ये 2 खास चीजें, घर में बरसेगी धन की वर्षा

मनी प्लांट को केवल सजावट का पौधा नहीं, बल्कि सौभाग्य और बरकत का प्रतीक माना जाता है। ज्योतिष और वास्तु शास्त्र में यह मान्यता है कि इस पौधे की सही देखभाल और इसके साथ किए गए कुछ विशेष उपाय आपके रुके हुए धन को वापस ला सकते हैं। रसोई में रखी दो ऐसी सामान्य चीजें हैं, जिन्हें मनी प्लांट की मिट्टी में मिलाने से न केवल पौधे की ग्रोथ तेजी से होती है, बल्कि यह आपके घर में सकारात्मक ऊर्जा को आकर्षित कर बरकत लाने का काम भी करता है। तो आइए जानते हैं, इन दो शक्तिशाली उपायों के बारे में जो आपके भाग्य को बदल सकते हैं।

दूध

कुछ ज्योतिषीय मान्यताओं के अनुसार, मनी प्लांट की मिट्टी में दूध मिलाना बहुत शुभ होता है। माना जाता है कि यह उपाय करने से मां लक्ष्मी प्रसन्न होती हैं और घर में आर्थिक समृद्धि आती है। यह कर्ज से मुक्ति दिलाने में भी सहायक हो सकता है। दूध में कैल्शियम, प्रोटीन और अन्य पोषक तत्व होते हैं, जो पौधे को स्वस्थ और हरा-भरा बनाए रखने में मदद कर सकते हैं, हालांकि इसे बहुत सीमित मात्रा में और पतला करके ही इस्तेमाल करना चाहिए।

चीनी

मनी प्लांट की मिट्टी में चीनी डालने को भी धन और सौभाग्य से जोड़ा जाता है। माना जाता है कि ऐसा करने से धन की देवी लक्ष्मी का आशीर्वाद मिलता है और वित्तीय नुकसान दूर होते हैं। कुछ लोग इसे राहु दोष से मुक्ति पाने के लिए भी उपयोगी मानते हैं। चीनी पौधे के लिए एक तरह से कार्बोहाइड्रेट का स्रोत बन सकती है, जो मिट्टी में सूक्ष्मजीवों की गतिविधि को बढ़ावा दे सकती है।

मनी प्लांट पर लाल धागा बांधें

घर में स्थायी सुख और समृद्धि बनाए रखने के लिए मनी प्लांट की डालियों पर लाल धागा बांधना चाहिए। इससे पौधे की सकारात्मक ऊर्जा और बढ़ जाती है और घर में धन का स्थिर प्रवाह बना रहता है।

वास्तु शास्त्र के अनुसार, सूर्य यंत्र (जिसे सूर्य के देवता का प्रतीक माना जाता है) घर में लगाने के लिए विशेष दिशा और स्थान का चुनाव बहुत महत्वपूर्ण होता है, ताकि इसके प्रभाव से सकारात्मक ऊर्जा का संचार हो और घर के सदस्य स्वस्थ, खुशहाल और समृद्ध रहें। सूर्य यंत्र को पूर्व दिशा (या उत्तर-पूर्व दिशा) में स्थापित करना सबसे अच्छा होता है। यह दिशा सूर्य के ऊर्जा के अनुरूप होती है और इससे घर में सकारात्मक ऊर्जा का प्रवाह बढ़ता है।

वास्तु के अनुसार घर में लगाएं सूर्य यंत्र

सूर्य यंत्र को किस दिशा में लगाना चाहिए:

पूर्व दिशा:

सूर्य यंत्र को घर में पूर्व दिशा में लगाना सबसे उत्तम माना जाता है। सूर्योदय की दिशा पूर्व होती है और सूर्य यंत्र को इस दिशा में लगाने से घर में उजाला, सकारात्मक ऊर्जा और स्वास्थ्य संबंधी लाभ होते हैं। यदि सूर्य यंत्र को पूर्व दीवार पर स्थापित किया जाए तो इसका प्रभाव अधिक लाभकारी होता है। इससे घर में शांति, समृद्धि और उन्नति का वातावरण बनता है।

उत्तर-पूर्व दिशा:

उत्तर-पूर्व को ईशान कोण भी कहा जाता है, जो घर में ऊर्जा का प्रमुख केंद्र होता है। सूर्य यंत्र को इस दिशा में लगाने से घर में सकारात्मकता बढ़ती है और जीवन में खुशियां आती हैं। यह दिशा धार्मिक और आध्यात्मिक उन्नति के लिए भी अनुकूल मानी जाती है।

दक्षिण दिशा से बचें:

सूर्य यंत्र को दक्षिण दिशा में लगाने से बचना चाहिए। दक्षिण दिशा में सूर्य का प्रभाव अत्यधिक हो सकता है और यह घर में नकारात्मक ऊर्जा का संचार कर सकता है, जिससे परिवार में संघर्ष और तनाव बढ़ सकता है।

पश्चिम दिशा:

पश्चिम दिशा में सूर्य यंत्र लगाना भी ठीक नहीं माना जाता क्योंकि यह दिशा सूर्य के प्रभाव का उल्टा असर कर सकती है, जिससे घर में समस्या और उलझनें बढ़ सकती हैं।

सूर्य यंत्र की स्थापना के दौरान कुछ खास बातें:

सूर्य यंत्र को स्वच्छ स्थान पर रखें: यंत्र को किसी स्वच्छ और धूल-मिट्टी से मुक्त स्थान पर लगाना चाहिए, ताकि यह पूर्ण रूप से अपनी ऊर्जा दे सके।

सूर्य यंत्र का नियमित पूजन करें: सूर्य यंत्र को स्थापित करने के बाद नियमित रूप से पूजा करें। इससे सूर्य की कृपा घर पर बनी रहती है।

सूर्य यंत्र के पास दीपक रखें: सूर्य यंत्र के पास घी का दीपक रखना अच्छा होता है क्योंकि यह सूर्य के प्रभाव को और अधिक मजबूत करता है और घर में शांति और समृद्धि लाता है।

सूर्य यंत्र का आकार और रूप: यंत्र का आकार और रूप सही होना चाहिए। उचित और प्रमाणिक सूर्य यंत्र का प्रयोग ही असरदार होता है।

वास्तु दोष से मुक्त सुन्दर व अच्छा घर बनाना या उसमें रहना हर व्यक्ति की इच्छा होती है पर थोड़ा सा भी वास्तु दोष आपको काफी कष्ट दे सकता है लेकिन वास्तु दोष निवारण के महंगे उपायों को अपनाने से पहले विघ्नहर्ता गजानन के आगे मस्तक जरूर टेक लें क्योंकि आपके कई वास्तु दोषों का ईलाज गणपति पूजा से ही हो जाता है।

वास्तुदोष दूर करने करें गणपति पूजा

वास्तु पुरुष की प्रार्थना पर ब्रह्मजी ने वास्तुशास्त्र के नियमों की रचना की थी। यह मानव कल्याण के लिए बनाया गया था, इसलिए इनकी अनदेखी करने पर घर के सदस्यों को शारीरिक, मानसिक, आर्थिक हानि भी उठानी पड़ती है।

अत: वास्तु देवता की संतुष्टि के लिए भगवान गणेश जी को पूजना बेहतर लाभ देगा। इनकी आराधना के बिना वास्तुदेवता को संतुष्ट नहीं किया जा सकता। बिना तोड़-फोड़ अगर वास्तु दोष को दूर करना चाहते हैं तो इन्हें आजमाएं।

गणपति जी का वंदन कर वास्तुदोषों को शांत किए जाने में किसी प्रकार का संदेह नहीं होता है। मान्यता यह है कि नियमित गणेश जी की आराधना से वास्तु दोष उत्पन्न होने की संभावना बहुत कम होती है। इससे घर में खुशहाली आती है और तरक्की होती है।

मुख्य द्वार पर लगाये प्रतिमा

यदि घर के मुख्य द्वार पर एकदंत की प्रतिमा या चित्र लगाया गया हो तो उसके दूसरी तरफ ठीक उसी जगह पर गणेश जी की प्रतिमा इस प्रकार लगाए कि दोनों गणेशजी की पीठ मिली रहे। इस प्रकार से दूसरी प्रतिमा या चित्र लगाने से वास्तु दोषों का शमन होता है। भवन के जिस भाग में वास्तु दोष हो उस स्थान पर घी मिश्रित सिंदूर से स्वास्तिक दीवार पर बनाने से वास्तु दोष का प्रभाव कम होता है।

घर या कार्यस्थल के किसी भी भाग में वक्रतुण्ड की प्रतिमा अथवा चित्र लगाए जा सकते हैं। किंतु प्रतिमा लगाते समय यह ध्यान अवश्य रखना चाहिए कि किसी भी स्थिति में इनका मुंह दक्षिण दिशा या नैर्ऋत्य कोण में नहीं हो। इसका विपरीत प्रभाव होता है।

घर में बैठे हुए गणेश जी तथा कार्यस्थल पर खड़े गणपति जी का चित्र लगाना चाहिए, किंतु यह ध्यान रखें कि खड़े गणेश जी के दोनों पैर जमीन का स्पर्श करते हुए हों। इससे कार्य में स्थिरता आने की संभावना रहती है।

भवन के ब्रह्म स्थान अर्थात् केंद्र में, ईशान कोण एवं पूर्व दिशा में सुखकर्ता की मूर्ति अथवा चित्र लगाना शुभ रहता है। किंतु टॉयलेट अथवा ऐसे स्थान पर गणेशजी का चित्र नहीं लगाना चाहिए जहां लोगों को थूकने आदि से रोकना हो। यह गणेशजी के चित्र का अपमान होगा। सुख, शांति, समृद्धि की चाह रखने वालों के लिए घर में सफेद रंग के विनायक की मूर्ति, चित्र लगाना चाहिए।

सिंदूरी रंग के गणपति की आराधना अनुकूल नहीं

सर्व मंगल की कामना करने वालों के लिए सिंदूरी रंग के गणपति की आराधना अनुकूल रहती है। इससे शीघ्र फल की प्राप्ति होती है। विघ्नहर्ता की मूर्ति अथवा चित्र में उनके बाएं हाथ की ओर सूंड घुमी हुई हो इस बात का ध्यान रखना चाहिए। दाएं हाथ की ओर घुमी हुई सूंड वाले गणेश जी हठी होते हैं तथा उनकी साधना-आराधना कठिन होती है। शास्त्रों में कहा गाया है कि दाएं सूंड वाले गणपति देर से भक्तों पर प्रसन्न होते हैं।मंगल मूर्ति भगवान को मोदक एवं उनका वाहन मूषक अतिप्रिय है। अत: घर में चित्र लगाते समय ध्यान रखें कि चित्र में मोदक या लड्डू और चूहा अवश्य होना चाहिए। इससे घर में बरकत होती है। इस तरह आप भी बिना तोड़-फोड़ के गणपति पूजन के द्वारा से घर के वास्तुदोष को दूर कर सकते हैं।

पूजा के दौरान धूपबत्ती जलाना शुभ

सनातन धर्म और वास्तु शास्त्र में पूजा के दौरान धूपबत्ती जलाना शुभ माना जाता है जबकि अगरबत्ती नहीं। अगरबत्ती में बांस जलता है जो अशुभ है और स्वास्थ्य को हानि पहुंचाता है। धूपबत्ती ग्रह शांति और सकारात्मक ऊर्जा देती है। आइए जानें हर नियम ताकि पूजा का पूरा फल मिले।

हिंदू शास्त्रों में अगरबत्ती का कोई उल्लेख नहीं है और इसमें बांस जलता है, जो अंतिम संस्कार से जुड़ा है। बांस जलाने से पितृ दोष, वंश वृद्धि में रुकावट और दुर्भाग्य आता है। वैज्ञानिक रूप से बांस का धुआं सांस की बीमारी पैदा करता है। ऐसे में पूजा में अगरबत्ती ना जलाएं।

ज्योतिष में बांस जलाने से पितृ दोष उत्पन्न होता है और पूर्वजों की आत्मा अशांत रहती है। शव यात्रा व कपाल क्रिया में बांस का उपयोग होता है, इसलिए पूजा में इसे जलाना वर्जित है। इससे घर में नकारात्मक ऊर्जा बढ़ती है और संतान सुख प्रभावित होता है।

धूपबत्ती चंदन, लकड़ी छाल और जड़ी-बूटियों से बनती है, जो ग्रहों को शांत करती है। रोज धूप जलाने से घर में सकारात्मक ऊर्जा, वास्तु दोष दूर होता है और देव कृपा मिलती है। धूप की सुगंध मन शांत करती है और पूजा का फल कई गुना बढ़ जाता है।

धूपबत्ती में उपयोगी सामग्री अलग-अलग ग्रहों से जुड़ी होती है। चंदन शुक्र ग्रह को, गूगल राहु ग्रह को और लोबान सूर्य को शांत करता है। धूप जलाने से कुंडली के दोष कम होते हैं और जीवन में स्थिरता आती है। शाम को धूप जरूर जलाएं।

धूपबत्ती का धुआं कीटाणुनाशक है और घर की हवा शुद्ध करता है, जबकि अगरबत्ती का धुआं हानिकारक है।

स्वत्वाधिकार प्रकाशन एवं मुद्रक राजकुमार आमेटा के लिए स्मार्ट कम्प्यूटर्स एण्ड प्रिन्टर्स, कोर्ट के सामने, माण्डलगढ़ से प्रकाशित एवं मुद्रित। मो. 9649222850 Email.smarthalchalnews@gmail.com